



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 97]

No. 97]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 8, 2003/चैत्र 18, 1925
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 8, 2003/CHAITRA 18, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 2003

प्रारम्भिक जांच परिणाम

विषय :—रूस और इरान से अमोनियम नाइट्रेट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच

फा. सं. 14/36/2002-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा-संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा इसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :—

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:
 - (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसमें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है), को उपर्युक्त नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से मै0 गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स कंपनी लि0 (जीएनएफसी), मै0 नेशनल फर्टिलाइजर्स लि0 (एनईएल) तथा मै0 दीपक फर्टिलाइजर्स तथा

पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लिमिटेड (डीएफपीसीएल) से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें रूस और ईरान (जिन्हें इसमें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) मूल के अथवा वहां से निर्यातित अमोनियम नाइट्रेट के पाटन का आरोप लगाया गया है। मै0 राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लि0 द्वारा भी याचिका का समर्थन किया गया है।

- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा दायर आवेदन की प्रारंभिक जांच में कुछ कमियां पाई गईं, जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता द्वारा ठीक कर दिया गया। इसलिए याचिका को उचित तरीके से प्रलेखित माना गया था।
- (iii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर रूस तथा ईरान से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के बारे में जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन करने के आरोप के बारे में दिल्ली स्थित रूस तथा ईरान के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- (iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के सीमाशुल्क कोड 3102.30 के तहत वर्गीकृत रूस और ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना दिनांक 20.09.2002 जारी की।
- (v) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराये गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र जारी करने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।
- (vi) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात सभी आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराये गए थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें पत्र जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने का परामर्श दिया।
- (vii) जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं के किए गए आयात के ब्यौरे का इंतजाम करने के लिए सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एण्ड कस्टम (सीबीईसी) से अनुरोध किया गया था।

(viii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई । अगोपनीय याचिका की एक प्रति अनुरोधकर्ता अन्य पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी ।

(ix) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों को एक प्रश्नावली भेजी:-

1. जेएससी नेविनोमिस्की अंजोई
नेविनोमिस्क/अन्य,
रूस

2. अदानी ग्लोबल ऐज,
पो.बा. नं. 17186,
जेबेल अली, यूएई

(x) नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरूआत के संबंध में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने देश के सभी संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का जवाब देने की सलाह दें । सभी ज्ञात निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की एक एक प्रति नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों को भी भेजी गई थी ।

(xi) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक जानकारी हेतु निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/संबद्ध वस्तुओं के प्रयोक्ता एसोसिएशनों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी:

1. मै0 इंडियन एक्सप्लोसिव लि0, कोलकाता
2. मै0 आईडीएल इंडस्ट्रीज लि0, हैदराबाद
3. मै0 आईबीपी कम्पनी लि0, नोएडा (यू0पी0)
4. मै0 प्रिमिअर एक्सप्लोसिव लि0, सिकन्दराबाद
5. मै0 सोलर एक्सप्लोसिव, नागपुर
6. मै0 नवभारत एक्सप्लोसिव कम्पनी लि0, रायपुर
7. मै0 स्पेशल ब्लास्ट प्राइवेट लि0, रायपुर
8. मै0 ब्लास्टेक (इंडिया) प्रा0 लि0, नई दिल्ली
9. मै0 भारत एक्सप्लोसिव लि0, नई दिल्ली

10. मै0 केल्टेक एनर्जीज लि0, बंगलोर
 11. एक्सप्लोसिव मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नागपुर
- (xii) निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर दिया गया/जानकारी प्रस्तुत की गई:
1. मै0 ज्वाइंट स्टॉक कम्पनी, नेविनोमिस्की एजोट, नाइजेबा स्ट्रीट, निवोनोमिस्क, स्ट्रावरोपोल, रीजन रूस ।
 2. मै0 ज्वाइंट स्टॉक कम्पनी एजोट, 618401, रूस, प्रमरीजन, बेरेज्जिकी ।
 3. मै0 ईरान पेट्रोकेमिकल वाणिज्यिक कम्पनी, सं0 133-9, वेलिएजर एवं वानक एसक्यू, तेहरान, ईरान
- (xiii) निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं/एसोसिएशनों द्वारा प्रश्नावली/अधिसूचना का उत्तर दिया गया/जानकारी प्रस्तुत की गई:-
1. मै0 केल्टेक एनर्जीज लि0, बंगलोर ।
 2. मै0 आईबीपी कम्पनी लि0, नोएडा (उत्तर प्रदेश) ।
 3. मै0 भारत एक्सप्लोसिव लि0, नई दिल्ली ।
 4. मै0 प्रिमिअर एक्सप्लोसिव लि0, सिकन्द्राबाद ।
 5. मै0 गल्फ ऑयल कारपोरेशन लि0, हैदराबाद ।
 6. मै0 स्पेशल ब्लास्ट प्राइवेट लि0, रायपुर ।
 7. मै0 इंडियन एक्सप्लोसिव लि0, नई दिल्ली ।
 8. मै0 आईडीएल इंडस्ट्रीज लि0, हैदराबाद ।
 9. मै0 कैनपेक्स कैमिकल प्रा.लि0, कोलकाता ।
- (xiv) याचिकाकर्ता (ओं) से क्षति के संबंध में जानकारी मांगी गई थी, जो याचिकाकर्ता (ओं) द्वारा प्रस्तुत की गई थी । निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों के क्षति मापदंड प्रस्तुत किए गए थे:-
1. मै0 गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर कम्पनी लि0, गुजरात ।
 2. मै0 नेशनल फर्टिलाइजर लि0, नागपुर ।
 3. मै0 दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि0, पुणे ।
- (xv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा तथा नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा;
- (xvi) क्षति के संबंध में अतिरिक्त जानकारी याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई थी, जो प्रस्तुत भी की गई थी;
- (xvii) कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया जिस पर भली-भांति विचार कर अनुमति दी गई थी;

- (xviii) सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार व्यक्त करने के लिए अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 3 दिसम्बर, 2002, 13 जनवरी, 2003 तथा 24 फरवरी, 2003 को सार्वजनिक सुनवाई की गई थी;
- (xix) सामान्त्या स्वीकृत गणना सिद्धांतों (जीएएपी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर इष्टतम उत्पादन लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने तथा ब्रिकी की लागत की गणना हेतु लागत संबंधी जांच भी की गई थी। निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों के लागत आंकड़े उपलब्ध कराए गए तथा उनका विश्लेषण किया गया।
1. मै0 गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर कम्पनी लि0, गुजरात
 2. मै0 नेशनल फर्टिलाइजर लि0, नागपुर
 3. मै0 दीपक फर्टिलाइजर्स तथा पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि0, पुणे।
- (xx) इस अधिसूचना में **** हितबद्ध पक्षकार द्वारा नियमों के तहत गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा प्राधिकारी द्वारा उसी तरह समझी गई जानकारी प्रस्तुत है।
- (xxi) 1 अप्रैल, 2001 से 30 जून, 2002 तक अर्थात् जांच अवधि (पीओआई) के लिए जांच की गई थी।
- (xxii) जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भी कापक परिचालन के लिए फिक्की, सीआईआई एसोचैम आदि को भेजी गई थीं।

ख. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

1. क. याचिकाकर्ता के विचार

- (i) वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद अमोनियम नाइट्रेट है। इसका विभिन्न रूपों जैसे पिघला हुआ, प्रिल स्फटिक, कणिकाएं फाहें तथा पिंड में उत्पादन किया जाता है। उत्पाद का उत्पादन पहले पिघले हुए रूप में किया जाता है तथा तब इसे अन्य रूप में तैयार किए जाने हेतु ठोस बनाया दिया जाता है। तथापि, सारे रूप परस्पर समान वस्तुएं नहीं हैं।
- (ii) द्रव तथा ठोस रूप भी समान वस्तुएँ हैं। जैसाकि बताया गया, उत्पाद का उत्पादन सर्वप्रथम पिघले हुए रूप में किया जाता है, जिसे बाद में प्रिल्स, फ्लेक्स, लम्पस आदि प्राप्त करने के लिए ठोस रूप दिया जाता है। रूप चाहे जो भी हो, सभी उच्च घनत्व वाले अमोनियम नाइट्रेट को वाटर-जेल/इमल्सन विस्फोटक के उत्पादन में अंतिम उपयोग हेतु द्रव रूप में रूपांतरित किया जाता है। तथापि, ठोस रूप के उत्पादन में लघु वृद्धि वाली उत्पादन प्रक्रिया तथा अतिरिक्त लागत की आवश्यकता होती है। कम सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन में अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता जरूर होती है।
- (iii) अमोनियम नाइट्रेट के आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उत्पाद खुले सामान्य लाइसेंस श्रेणी (ओजीएल) के अंतर्गत आता है।
- (iv) यह एक अकार्बनिक रसायन है और सीमाशुल्क अधिनियम के सीमाशुल्क उप-शीर्ष सं0 3102.30 के अध्याय-31 के तहत वर्गीकृत है। सीमाशुल्क वर्गीकरण मात्र संकेतक है और जांच क्षेत्र में बाध्यकारी नहीं है।
- (v) वर्तमान याचिका गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स कम्पनी लि0 (जीएनएफसी), नेशनल फर्टिलाइजर्स लि0 (एनएफएल) तथा दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन

लि० (डीएफपीसीएल) द्वारा घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए मै० राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लि० के समर्थन से संयुक्त रूप से दायर की गई है। याचिकाकर्ता कम्पनियां संबद्ध वस्तु का 58.22% उत्पादन करती हैं।

- (vi) घरेलू उद्योग द्वारा विशेष रूप से तथा भारतीय उद्योग द्वारा सामान्य रूप से उत्पादित अमोनियम नाइट्रेट और रूस तथा ईरान से निर्यातित अमोनियम नाइट्रेट के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है।
- (vii) घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी और रूस तथा ईरान में विनिर्माण में कोई ज्ञात अंतर नहीं है।

पाटन

- (i) 1999-2000 से पहले संबद्ध वस्तु का कोई आयात नहीं हुआ था। रूस के निर्यातक यूरोपीय संघ, आस्ट्रेलिया तथा यूएसए को अमोनियम नाइट्रेट का निर्यात कर रहे थे। तथापि, यूरोपीय संघ, आस्ट्रेलिया तथा यूएसए द्वारा अमोनियम नाइट्रेट के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से और हाल में हंगरी द्वारा भी पाटनरोधी शुल्क लगाने से निर्यातकों ने अन्य बाजारों की तलाश की और वर्ष 2001 से भारतीय बाजार में अमोनियम नाइट्रेट का पाटन शुरू कर दिया।
- (ii) विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के तहत उप-शीर्ष सं० 3102.30 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। डीजीसीआई एंड एस ने अप्रैल, 2001 फरवरी, 2002 हेतु आंकड़े प्रकाशित किए हैं। इसके अतिरिक्त हमारे पास इस बात की सूचना है कि फरवरी, 2002 के बाद अमोनियम नाइट्रेट का व्यापक पैमाने पर आयात हुआ है। इसलिए, डीजीसीआई एंड एस द्वारा प्रकाशित सूचना पर भारत में अमोनियम नाइट्रेट की मात्रा तथा आयात के मूल्य निर्धारण हेतु विश्वास नहीं किया गया है।
- (iii) भारत सरकार ने दिनांक 4 जनवरी, 2002 को नियमों के पैरा 8 का संशोधन किया है, जिसमें निम्न व्यवस्था है:-

अनुबंध-1 का पैरा 8, दिनांक 04.01.2002 को संशोधित

(क) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" शब्दों का अभिप्राय यह है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी इस रूप में निर्धारित करे कि वह देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार लागत के बाजार सिद्धांतों अथवा कीमत निर्धारण ढांचे पर प्रचालन नहीं कर रहा है जिससे ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियां पण्य वस्तुओं के उचित मूल्य को प्रदर्शित न करती हों।

(ख) यह एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले के तीन वर्ष के दौरान पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है अथवा समझा गया है एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

बशर्ते, तथापि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्में निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर ऐसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह साबित करे कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(ग) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:-

- (i) प्रौद्योगिकी की कच्ची सामग्रियों की लागत और श्रम, निविष्टि बिक्रियाँ और निवेश समेत कीमतों, लागतों और निविष्टियों के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बिना क्या प्रमुख निष्ठियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करता है;
- (ii) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसम्पत्तियों के मूल ह्रास, अन्य न बट्टे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- (iii) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (iv) विनिमय दर का परिवर्तन बाजार की दर पर किया जाता है; तथापि बशर्ते कि इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदण्ड के आधार पर लिखित में प्रर्याप्त साक्ष्य द्वारा यह प्रदर्शित हो जाय कि पाटनरोधी-जांचों के अध्यधीन इस प्रकार की एक अथवा अधिक फर्मों के लिए बाजारी दशाएं विद्यमान है तो, निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैराग्राफ में निर्धारित सिद्धांतों के बजाय 1 से 6 पैराग्राफों में निर्धारित सिद्धांतों का प्रयोग कर सकता है।

उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि पैरा-8 जो 31.5.2001 को शामिल किया गया था, में निम्नानुसार तरीके से 4.2.2002 को संशोधन किया गया है:

(क) जिन डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों को निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी अन्य जांचकर्ता प्राधिकारण द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है, उनको गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जा सकता है।

(ख) इस प्रकार के देशों की फर्म, कम्पनियाँ (बाजार अर्थव्यवस्था के बारे में) संगत सूचना प्रदान कर सकते हैं और बाजार अर्थव्यवस्था/व्यवहार के दर्जे का दावा कर सकते हैं।

यह निर्धारित करने के पश्चात् कि वह देश एक गैर-अर्थव्यवस्था वाला देश है, निर्दिष्ट प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए अनुबंध-1 के पैरा-7 का अनुसरण करेंगे जो निम्नानुसार है :-

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से होने वाले आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकलित मूल्य अथवा किसी ऐसे देश से भारत समेत अन्य देशों को किए गए निर्यात की कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो वहाँ उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित, यदि आवश्यक हो, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गयी अथवा भुगतान योग्य कीमत समेत किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा।"

(v) वर्तमान मामले में रूस एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। रूस को विगत तीन वर्षों में यूरोपीय आयोग द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। यूरोपीय संघ विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है।

- (vi) कतिपय ग्रेड ओरिएन्टेड इलैक्ट्रिकल शीटों और 50 मिमी. से अनधिक चौड़ाई वाले स्ट्रिप्स (फ्लैट-रोल्ल्ड उत्पाद) के मामले में अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों, यूरोपीय आयोग द्वारा रूस को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश का व्यवहार प्रदान करने के बारे में अन्य बातों के साथ-साथ रूस ने रूस को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है।
- (vii) रूस एक "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था" वाला देश है। रूस में सामान्य मूल्य का निर्धारण गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित नियमों के अनुसार किया जाना है। याचिकाकर्ताओं ने बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्च जोड़ने के पश्चात् उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया है।
- (viii) उस कीमत के बारे में सूचना प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे जिस पर व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में ईरान के घरेलू बाजार में उनके उत्पादकों द्वारा अमोनियम नाइट्रेट बेचा जा रहा है। यह जानकारी है कि ईरान के घरेलू बाजार में अमोनियम नाइट्रेट की अधिक खपत नहीं है। अन्यथा भी घरेलू बाजार में अमोनियम नाइट्रेट के प्रकाशित मूल्य का कोई पर्याप्त, उचित और विश्वसनीय साक्ष्य का पता नहीं लागया जा सका। इन परिस्थितियों में उचित समझा जाता है कि ईरान के घरेलू बाजार में अमोनियम नाइट्रेट की उत्पादन की लागत की गणना की जाय।

क्षति

- (i) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है।
- (ii) यह देखा जा सकता है कि प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा न्यूनतम सीमाओं से अधिक है। आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा है। इसलिए प्राधिकारी से संबद्ध देशों से घरेलू उद्योग पर संचयी तौर पर क्षति का मूल्यांकन करने का अनुरोध है।
- (iii) संबद्ध देशों से अमोनियम नाइट्रेट के आयातों में स्पष्ट रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है। आयातों में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है।
- (iv) आयात प्राथमिक रूप से केवल इन्हीं देशों से हो रहे हैं। रूस और ईरान से आयातों का हिस्सा अमोनियम नाइट्रेट के आयातों का 99% है।
- (v) रूस से निर्यात कीमत प्रतिवर्ष बहुत कम हो रही है।
- (vi) अप्रैल-जून, 2002 में आयातों में हुई एकदम वृद्धि से घरेलू उद्योग को उत्पादन कम करने अथवा सीमित करने के लिए बाध्य होना पड़ा है क्योंकि बिक्रियाँ बहुत की कम हो गयी हैं।
- (vii) घरेलू उद्योग की बिक्री अप्रैल-जून, 2002 में बहुत कम हो गयी है। यह इस अवधि में आयातित अमोनियम नाइट्रेट की सभी मात्राओं का सीधा परिणाम है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग की बिक्री मात्राओं पर आयातों का सीधा प्रभाव पड़ा है।
- (viii) घरेलू उद्योग ने 1998-99 और 2001-2002 के बीच बिक्री वसूलियों में वृद्धि की थी। तथापि, अप्रैल-जून, 2002 जिस अवधि में अमोनियम नाइट्रेट का काफी आयात हुआ था, में इसमें काफी गिरावट आ गयी थी। इस प्रकार आयातों ने घरेलू उद्योग को बिक्री कीमतों में कमी करने के लिए बाध्य किया। इसके आलवा, बिक्री कीमतों में गिरावट के बावजूद, घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट आई है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग पर आयातों से मात्रा और कीमत दोनों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

- (ix) आयातों का पाटन इतनी कम कीमतों पर किया जाता है कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से काफी कम होती है। पाटित आयातों से कीमतों में काफी कटौती हो रही है।
- (x) पाटित आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से काफी कम है। अगर रूस से कीमतों का यही रुख जारी रहता है तो आयातों का घरेलू उद्योग पर गंभीर रूप से कमी करने वाला/ह्रास करने वाला प्रभाव पड़ेगा।
- (xi) घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से वित्तीय घाटा उठा रहा है। पिछले वर्षों की तुलना में चालू वर्ष 2002-2003 में घाटों में काफी वृद्धि हुई है।
- (xii) कम्पनी के रोजगार स्तर में देश में मौजूदा कानून के कारण अभी तक कोई अधिक परिवर्तन नहीं हुआ है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में विशेष रूप से अप्रैल-जून, 2002 में काफी विकृति हुई जो इस अवधि में पर्याप्त मात्रा में आयात होने का सीधा परिणाम है। इसके अतिरिक्त आयातों से निम्नलिखित कारणवश वास्तविक क्षति का गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है :-
 - (i) आयातों में वृद्धि की दर काफी है।
 - (ii) आयातों के कारण मूल्यों में बहुत अधिक कटौती की जा रही है। वास्तव में याचिकाकर्ता यह समझते हैं कि अनेक परेषण आने वाले हैं।
 - (iii) रूस के पास अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमताएँ हैं। अन्य देशों द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से निर्यातों पर दबाव बढ़ गया है।
- (xiii) कम्पनी के रोजगार के स्तर में देश में लागू कानून के कारण अभी तक कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। यदि उद्योग वर्तमान कीमत कटौती और कम बिक्री का सामना करना जारी रखता है तो, घरेलू उद्योग को रोजगार के स्तरों में कटौती करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।
- (xiv) पाटन का एक इतिहास है जो रूसी निर्यातकों के सामने आए अनेक मामलों से बना है जिन सबके ऊपर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है।
- (xv) आयातकों को भलीभाँति मालूम है कि जिस कीमत पर रूस से सामग्री का आयात हो रहा है वह पाटित कीमत है क्योंकि निर्यातकों के सामने अन्य प्राधिकारियों द्वारा की जा रही पाटनरोधी जांच पहले ही आ चुकी है।
- (xvi) यह क्षति लघु अवधि में रूस से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा पहुँचायी जा रही है। वर्ष 1999-2000 तक रूस से कोई निर्यात नहीं हुए थे। तथापि आयातों में वर्ष-दर वर्ष वृद्धि हो रही है।
- (xvii) दो माह की अल्पावधि में (अप्रैल और मई, 2002) रूस और ईरान के उत्पादक/निर्यातक ने भारत को 32800 एमटी सामग्री का निर्यात किया है। जो वार्षिकीकृत मांग का लगभग 12% का प्रतिनिधित्व करता है। वार्षिकीकृत आधार पर आयात मांग के लगभग 72% का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- (xviii) अमोनियम नाइट्रेट की मांग बढ़ रही है। इसलिए संभवतः मांग में जो गिरावट आ रही है वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का कारण नहीं है।

- (xix) घरेलू उद्योग के पास सम्पूर्ण प्रौद्योगिकी नहीं है। घरेलू उद्योग के पास जो प्रौद्योगिकी है वह विश्वभर के उत्पादकों के बराबर है। घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन प्रभावित नहीं हुआ है।
- (xx) संबद्ध देशों से अमोनियम नाइट्रेट के आयातों में निरपेक्ष रूप से काफी वृद्धि हुई है। इसके आलावा, आयातों में (i) भारत में उत्पादन; और (ii) खपत के संबंध में आयातों में काफी वृद्धि हुई है।
- (xxi) घरेलू उद्योग के पास अमोनियम नाइट्रेट के औसत स्टॉक में काफी वृद्धि हुई है।
- (xxii) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है।
- (xxiii) घरेलू उद्योग में सकारात्मक वृद्धि हुई थी क्योंकि अन्य भारतीय उत्पादकों ने इस अवधि में उत्पादन स्थगित कर दिया था। तथापि, सकारात्मक वृद्धि के बावजूद, लाभप्रदता प्रभावित हुई है।
- (xxiv) चूंकि याचिकाकर्ता कम्पनियां उत्पादों का एक हिस्सा बनने वाली संबद्ध वस्तु की बहु-उत्पाद कम्पनियां हैं इसलिए अन्य क्षेत्रों में घरेलू उद्योग पर पाटन के अन्य प्रभाव नहीं हुए हैं। तथापि, प्रत्येक याचिकाकर्ता कम्पनी के लिए प्रत्येक उत्पाद स्वतः निरंतर कार्य कलाप होने के कारण क्या बाजार में कीमतों का वर्तमान रुख जारी रहना चाहिए, इस संबंध में घरेलू उद्योग के पास अपना निष्पादन बनाए रखने के लिए अन्य कदम उठाने के आलावा कोई विकल्प नहीं है। एक अन्य याचिकाकर्ता कम्पनी मैसर्स एनएफएल को अपना एक अमोनियम प्लांट पहले ही निलंबित करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

मैसर्स इंडियन अमोनियम नाइट्रेट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन

1. घरेलू उद्योग के पास प्रति वर्ष लगभग 7 लाख मी० टन अमोनियम नाइट्रेट की आपूर्ति करने की क्षमता है, जबकि विस्फोटक उद्योग की आवश्यकता के अनुसार लगभग 3 लाख मी० टन वार्षिक की मांग है।
2. अमरीका, यूरोप और आस्ट्रेलिया द्वारा लगाए गए काफी अधिक पाटनरोधी शुल्कों के अनुसरण में रूसी विनिर्माताओं ने अब अमोनियम नाइट्रेट के लिए पाटन स्थल के रूप में भारत को चुना है। जिस कीमत पर भारत में उत्पाद का पाटन किया जा रहा है उससे घरेलू अमोनियम नाइट्रेट उद्योग बन्द होने के कगार पर है और सेल, एफसीआई तथा एनएफएल ने पहले ही उत्पादन रोक दिया है।
3. र्वरक विभाग ने वाणिज्य मंत्रालय से अमोनियम नाइट्रेट को खुले सामान्य लाइसेंस से आयातों की प्रतिबंधित सूची में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है और सीबीईसी से सीमा शुल्क को बढ़ाकर 100% करने का भी अनुरोध किया है।

2. आयातकों के विचार

मैसर्स स्पेशल ब्लास्टस लि० और इंडियन एक्सप्लोसिव लि०

- (i) जांच अवधि के दौरान उच्च सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट प्रिल रूप में आयात किया गया था। चूंकि भारत में इस मद का कोई उत्पादक नहीं है इसलिए इससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुँच रही है।
- (ii) दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० और मैसर्स स्मार्टकैम टेक्नाजी लि० को छोड़कर सभी घरेलू उत्पादक अमोनियम नाइट्रेट को पिघले हुए रूप में बना रहे हैं। मैल्ट रूप में अमोनियम नाइट्रेट आयातित उत्पाद के समान वस्तु नहीं है।

(iii) 'समान वस्तु' की परिभाषा के संदर्भ में मैल्ट रूप में और प्रिल रूप में अमोनियम नाइट्रेट वाणिज्यिक तौर पर तथा तकनीकी रूप से परस्पर परिवर्तनीय नहीं है। जबकि प्रिल्स कुछ सीमा तक मैल्ट के लिए प्रतिस्थापक हो सकता है परंतु विलोमतः यह सच नहीं है।

(क) मैल्ट एक ऐसा उत्पाद है जो केवल 100% सेल्सियस तापमान पर ही विद्यमान रहता है। इसलिए मैल्ट के भण्डारण और परिवहन के लिए विशेष उपकरण की आवश्यकता होती है। दूसरी ओर प्रिल्स को सामान्य तापमान पर भण्डारित किया जा सकता है और लाया ले जाया जा सकता है।

(ख) मैल्ट को प्रयोग करने के लिए स्टेनलैस स्टील के कीमती भण्डारण टैंकों की आवश्यकता होती है जिनमें अपेक्षित तापमान बनाए रखा जा सकता है और इसे ठोस होने से रोका जा सके। प्रिल्स के लिए किसी विशेष भण्डारण की आवश्यकता नहीं होती है।

(ग) वर्षभर चौबीस घण्टे 100 सेल्सियस तापमान बनाए रखने के लिए प्रयोक्ता फैक्ट्री में कीमती मशीनें स्थापित की जानी हैं। इस तापमान को बनाए रखने के लिए जो मशीने स्थापित की जाएंगी उनमें छोटी इकाईयों के लिए 10 से 20 लाख रूपए तक का बड़ा निवेश शामिल होगा।

(घ) मैल्ट का परिवहन केवल ऐसे स्टेनलैस स्टील टैंकरों में किया जा सकता है जो अत्यधिक ऊष्मारोधी हैं ताकि परिवहन के दौरान तापमान को बनाए रखा जा सके। इससे परिवहन अव्यवहारिक भी खर्चीला होता है। महाराष्ट्र से उड़ीसा/पं० बंगाल तक मैल्ट का भाड़ा प्रभार 2500 रूपए प्रति मी० टन आएगा। भाड़ा अत्यधिक है क्योंकि ये विशेषीकृत टैंकर वापसी मात्रा में किसी सामग्री को नहीं ले जा सकते हैं और भाड़ा प्रभारों में टैंकर के दोनों तरफ का भाड़ा प्रभार शामिल होता है।

(ङ) मैल्ट के विनिर्माण देश के मुख्यतः पश्चिमी भाग में है और दूरवर्ती स्थलों जैसे उड़ीसा और पश्चिमी बंगाल के प्रयोक्ताओं तक मैल्ट का परिवहन करना व्यावहारिक नहीं है। यदि किसी कारणवश पारगमन में कोई विलम्ब अथवा दुर्घटना होती है तो टैंको में मैल्ट ठोस हो सकता है जिससे उतारने और प्रयोग करने में कठिनाई हो सकती है।

(च) मैल्ट के विनिर्माण में लगी इकाईयां मुख्यतः महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब में अवस्थित हैं। उनकी मैल्ट की बिक्रियां फैक्ट्रियों के निकटवर्ती क्षेत्रों में हुई हैं अर्थात् महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और आन्ध्र प्रदेश। व्यावहारिक कठिनाईयों की वजह से पं० बंगाल, उड़ीसा, मध्य प्रदेश एवं बिहार के प्रयोक्ताओं को की गयी मैल्ट की बिक्रियों की मात्रा नगण्य है।

(छ) यह कि मैल्ट और प्रिल्स अंतर परिवर्तनीय अथवा प्रतिस्थापनीय नहीं है जैसाकि इस तथ्य से स्पष्ट है कि जब प्रिल्स और मैल्ट दोनों उपलब्ध होते हैं तो प्रिल्स की कीमत मैल्ट की कीमत से काफी अधिक होती है।

(ज) प्रिल्स की कीमत लगभग 2000 रूपए/ टन अधिक होती है। अमोनियम नाइट्रेट की भौतिक विशेषताएं ग्राहक के लिए उत्पाद की उपयोगिता निर्धारित करती हैं और इसीलिए कीमत में अंतर होता है।

(झ) आयातित उत्पाद प्रिल्स रूप में एचडीएएन (उच्च सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट) है। मेल्ट के विनिर्माता संबद्ध वस्तु अर्थात् प्रिल्स अथवा उसके समान किसी अन्य वस्तु के उत्पादक नहीं हैं। इस कारण से मेल्ट के उत्पादक घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र में नहीं आते हैं क्योंकि उपर्युक्त कारणों से मेल्ट प्रिल्स के समान वस्तु नहीं है। 'समान वस्तु' एक ऐसी वस्तु है जो जाँचधीन वस्तु के साथ सभी प्रकार से समरूप अथवा समान हो। केवल प्रिल के विनिर्माताओं को 'समान वस्तु' के विनिर्माता कहा जा सकता है। इस कारण से मै0 जीएनएफसी, आरसीएफ, नेशनल फर्टिलाइजर्स लि0, राउरकेला स्टील प्लांट और फर्टिलाइजर्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को जाँच से अलग रखा जाना चाहिए। मेल्ट और मेल्ट से संबंधित समस्त सूचना पर घरेलू उद्योग की स्थिति, सामान्य मूल्य और क्षति यदि कोई हो, के प्रयोजनार्थ विचार नहीं किया जा सकता।

(ञ) विचाराधीन उत्पाद की सघनता के संबंध में परिभाषा नहीं की गई है। जाँच प्रारंभ अधिसूचना में यह कहा गया है कि दोनों उत्पाद समरूप हैं और उत्पादक इन दोनों रूपों का एक-दूसरे के स्थान पर उत्पादन और प्रयोक्ता के दृष्टिकोण से दोनों ग्रेड एक दूसरे के लिए तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। यह निवेदन है कि यह जाँच परिणाम तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। उच्च सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट। इसके बाद एचडीएएन के रूप में उल्लिखित और कम सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट (इसके बाद एमडीएएन के रूप में उल्लिखित) एक ही उत्पाद के दो ग्रेड नहीं हैं परन्तु वाणिज्यिक रूप से ज्ञात पूर्णतः अलग-अलग उत्पाद हैं।

(ट) मुख्य विभेदकारी विशेषता यह है कि एच डी ए एन प्रिल 'उर्वरक अमोनियम नाइट्रेट' के रूप में ज्ञात है जबकि एलडीएएन प्रिल्स को वाणिज्यिक रूप से 'विस्फोटक अथवा औद्योगिक अमोनियम नाइट्रेट' के रूप में जाना जाता है। उच्च सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट जो प्रिल रूप में हो, की 0.85 जी/सीसी से अधिक बल्क सघनता है और इसकी शुद्धता लगभग 99.4% है। उच्च सघनता वाले प्रिल्स में कम सारंग्रता होती है और तेल शोषण तथा तेल अवधारण के स्तर खतरनाक इस समीकरण सीमा से कम होते हैं। कम सघनता वाले प्रिल्स में उच्च समानता होती है जिसकी तेल शोषण क्षमता 8% से अधिक और तेल अवधारण क्षमता 7% से अधिक होती है। इन गुणों से कम समानता वाले प्रिल्स विस्फोटक और प्रयोग में खतरनाक बन जाते हैं। जबकि उच्च समानता वाले प्रिल्स जिनमें कम सारंग्रता होती है और तेल शोषण को कम क्षमता होती है प्रयोग के लिए काफी सुरक्षित हैं। एचडीएएन और एलडीएएन के गुण तथा विशेषताएँ पूर्ण रूपेण अलग-अलग हैं और उसके फलस्वरूप वह अलग-अलग जाने जाते हैं और बाजार में अलग-अलग वाणिज्यिक उत्पाद हैं। एचडीएएन और एलडीएएन की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें भी अलग-अलग हैं। एलडीएएन की कीमत कारखानागत आधार पर एचडीएएन से लगभग दोगुनी है।

(ठ) मै0 दीपक फर्टिलाइजर्स ने यह प्रमाणित किया है कि मै0 स्मार्टकेम टेक्नोलॉजीज लि0, जिनका एक ही निदेशक है, ने जनवरी, 2000 के महीने में रूस से अमोनियम नाइट्रेट के एक पार्सल का आयात किया था।

- iv) मै. स्मार्टकैम ने रूस पर्याप्त मात्रा में आयात किया है। ये आयात हाई डेंसिटी अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स के थे, जो इस नाम से बेचे गए थे।
- v) मै. दीपक फर्टीलाइजर्स, मै. स्मार्टकैम के तुलन-पत्र और लाभ एवं हानि खातों में इन्हें संबद्ध कंपनी दर्शाया गया है। यह इन कंपनियों के बीच संबंध का निर्णायक साक्ष्य है।
- vi) नियम 2(घ) में यह प्रावधान है कि उचित मामलों में उन उत्पादकों, जो स्वयं आयातक हैं अथवा आयातकों से संबद्ध हैं, को घरेलू उद्योग से बाहर रखा जाएगा। वर्तमान मामले में मै. दीपक फर्टीलाइजर्स ने जांच की अवधि के दौरान आयातित उत्पाद का सौदा किया है और इसलिए यह नियम 2(घ) के तहत क्षेत्राधिकार के प्रयोग का उपयुक्त मामला बनता है। मै. दीपक को अपनी गलती का लाभ नहीं दिया जा सकता। यह जनवरी 2001 से आयातित उत्पाद का प्रमुख विक्रेता रहा है। मै. स्मार्टकैम के सहयोग से उनके द्वारा आयात की गई और बेची गई मात्रा काफी अधिक है और यह भारतीय बाजार में इस मद की कुल बिक्री का लगभग 1/4 से 1/3 बनती है। स्वयं आयातों में शामिल होने के कारण उन्हें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 ग के तहत संरक्षण का सहारा लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। इस संबंध में यू के से आयातित ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय पर विश्वास किया गया है।
- vii) यह अनुरोध किया गया है कि भारतीय बाजार में अमोनियम नाइट्रेट के पाटन का पूर्णतः अभाव है। जांच अवधि के दौरान आयातों में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई है। वास्तव में जनवरी 2001 तक किसी भी देश से अमोनियम नाइट्रेट का मुश्किल से कोई आयात हुआ था। जनवरी 2001 में मै. स्मार्टकैम ने सबसे पहले रूस से आयात किए थे। ये आयात अपर्याप्त थे क्योंकि ये भारत में कुल मांग के केवल लगभग 7% को पूरा करते हैं। यह आरोप कि रूसी निर्यातकों ने भारत में अमोनियम नाइट्रेट का पाटन आरंभ कर दिया है, गलत है।
- viii) रूसी उत्पादकों को रूस में प्राकृतिक गैस की उपलब्धता और अपेक्षाकृत निम्न पावर टैरिफों के कारण अंतर्निहित लाभ प्राप्त हैं। यह तथ्य कि रूस के पास विश्व में प्राकृतिक गैस के विपुल संसाधन हैं, यह अपेक्षाकृत कम लागत पर इसकी आपूर्ति करने की स्थिति में है। वास्तव में प्राकृतिक गैस एक ऐसी मद है जिसका लम्बी दूरी तक प्रेषण कठिन है और इसके प्रेषण के लिए आमतौर पर पाइपलाइनें बिछानी पड़ती हैं। इस प्रकार गैस के प्रेषण की लागत बहुत अधिक होने के कारण इसकी उपलब्धता सीमित हो जाती है और अन्य देशों में कीमतें काफी अधिक हो जाती हैं। इसलिए विश्व में अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादक, जिनके पास प्राकृतिक गैस आपूर्ति की पहुंच है, उनकी विनिर्माण लागतें कम हैं क्योंकि प्राकृतिक गैस अमोनियम नाइट्रेट के लिए प्रमुख कच्चा माल है और सामान्यतः यह विनिर्माण की कुल परिवर्तनीय लागत का लगभग 70% बनता है। रूस में उत्पादकों को प्राप्त किसी प्राकृतिक लाभ को पाटन के साक्ष्य के रूप में नहीं देखा जा सकता है।
- ix) यह उल्लेख करना संगत होगा कि भारतीय आयातकों/प्रयोक्ताओं द्वारा आयात करने की पहल की गई थी और व्यापार की मात्रा रूस के लिए उनके लगभग 5500000 टन के कुल उत्पादन की तुलना में जांच अवधि अर्थात् अप्रैल 2001 से जून 2002 तक के बीच नगण्य अर्थात् 40000 टन (1%) रही है। उत्पादन की लागत कम है जिसका मुख्य कारण फीड स्टॉक तथा ऊर्जा के रूप में प्रयुक्त प्राकृतिक गैस

की कम लागत तथा अधिक उपलब्धता, व्यापक उत्पादन क्षमता, पुराने कम लागत के संयंत्र और लागत मितव्ययी ढंग से भारी मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन का अनुभव होना है। इन कारकों से पाटन का संकेत नहीं मिलता है।

x) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि रूस एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और इसलिए उत्पादन की परिकलित लागत याचिकाकर्ता की लागत से ली जानी चाहिए। जांच अवधि से पूर्व और ऐसी अवधि के दौरान भी पर्याप्त उदारीकरण किया गया है और सरकारी नियंत्रणों को हटाया गया है। अमरीकी प्रशासन और यूरोपीय संघ के आयोग द्वारा इस स्थिति की विधिवत जांच की गई है। दोनों प्राधिकारणों ने रूस को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने के बारे में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। भारतीय प्राधिकारियों द्वारा रूस को इसी प्रकार का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए। विकल्पतः यदि रूस को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाता है तो प्रतिनिधि देश के चयन को काफी पहले अधिसूचित किया जाना चाहिए ताकि इस संबंध में उचित उत्तर दायर किया जा सके। अनुरोध है कि भारत में अमोनियम नाइट्रेट का कोई पाटन नहीं हुआ है।

xi) अनुरोध है कि रूस से अमोनियम नाइट्रेट के आयातों के परिणाम स्वरूप घरेलू उत्पादन को कोई क्षति नहीं हुई है। याचिकाकर्ताओं के तुलनपत्रों की जांच करने पर यह देखा जा सकता है कि भारतीय उत्पादकों के उत्पादन में वृद्धि हुई है, उनकी बिक्रियों में भी वृद्धि हुई है और इसी प्रकार उनकी निवल प्राप्ति और लाभ में भी बढ़ोतरी हुई है। जांच अवधि के दौरान उत्पादकों ने अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार किया है और इसलिए कोई क्षति होने का प्रश्न नहीं उठता है।

xii) याचिका में यह उल्लेख किया गया है कि अमोनियम नाइट्रेट के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है और यह वृद्धि अभूतपूर्व और असाधारण है। जैसाकि पहले स्पष्ट किया जा चुका है कि मै. स्मार्टकैम द्वारा जनवरी 2001 में किए गए आंशिक आयातों तक भारत में अमोनियम नाइट्रेट का मुश्किल से ही कोई आयात हुआ था। आयातों को असाधारण अथवा अत्यधिक नहीं कहा जा सकता है क्योंकि वे वित्त वर्ष 2001-02 के दौरान घरेलू बिक्रियों का केवल लगभग 7% बनते हैं। इसके अलावा यह आरोप कि जांच अवधि के दौरान रूस से निर्यात की कीमत में गिरावट आती रही है, तथ्यतः सही नहीं है। वस्तुतः जांच अवधि के दौरान अमोनियम नाइट्रेट की आयात कीमतों में वृद्धि हुई है इस संबंध में मै. स्पेशल ब्लास्ट (प्रा0) लि. द्वारा दायर गोपनीय उत्तर पर विश्वास किया जाता है।

xiii) याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया है कि आयातों के कारण उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई है। वस्तुतः इस तथ्य का उल्लेख याचिका के साथ संलग्न प्रपत्र iv क में नहीं किया गया है। 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कैप्टिव खपत को छोड़कर उत्पादन में 68% तक की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्रियों में भी 67% से अधिक की वृद्धि हुई है। चूंकि उत्पाद और बिक्री दानों में उर्ध्वगामी प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है इसलिए यह अभिकथन कि उत्पादन और बिक्रियों में भारी गिरावट आई है, सही नहीं है। अमोनियम के विनिर्माण हेतु क्षमता का उपयोग या तो अमोनियम नाइट्रेट के विनिर्माण में किया जा सकता है या फिर अमोनियम नाइट्रो फास्फेट, यूरिया, नाइट्रिक एसिड इत्यादि जैसे अन्य उत्पादों के लिए किया जा सकता है। अतः अमोनियम नाइट्रेट हेतु उत्पादन क्षमता को अभिज्ञात करने का संगत का कोई तारीका नहीं है। सभी संगत संकेतकों से क्षति बारे में अनुरोध को नकारते हुए साकारात्मक रुझान का पता चलता है।

xiv) अनुरोध है कि कीमत में कोई कटौती नहीं हुई है। घरेलू उत्पादकों द्वारा जांच अवधि के दौरान लगभग 7200 रुपए प्रति मी. टन की कीमत पर द्रव की बिक्री की जा रही है। इसकी तुलना में आयातित उत्पाद की पहुंच कीमत लगभग 85 रू० प्रति मी. टन है।

xv) अनुरोध है कि आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। मलेशिया और अन्य देशों से आयातित पी टी ए के मामले में माननीय न्यायाधिकरण के निर्णय की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। उक्त मामले में चूंकि आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उत्पाद की क्षति रहित कीमत से अधिक था इसलिए आयातों और क्षति, यदि कोई हो, के बीच कारणात्मक संबंध के अभाव में जांच समाप्त कर दी गई थी। जहां तक मै. दीपक फर्टीलाइजर्स द्वारा विनिर्मित ठोस अमोनियम नाइट्रेट का संबंध है, यह अनुरोध किया जाता है कि चूंकि कंपनी स्वयं एक आयातक है अथवा वह आयातक से संबद्ध है इसलिए उसे बाहर रखना अपेक्षित है। इसके अलावा उच्च घनत्व के आयातों की तुलना कम घनत्व के अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन और बिक्री से नहीं की जा सकती है। अमरीकी प्रशासन और यूरोपीय आयोग ने इस स्थिति को स्वीकार किया है। ऐसे मामलों में न्यायाधिकरण ने यह भी माना है कि चूंकि किसी भी उत्पादन द्वारा तुलनीय उत्पाद अर्थात् ठोस रूप में उच्च घनत्व के अमोनियम नाइट्रेट का विनिर्माण नहीं किया जा रहा है इसलिए आयातों और क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं हो सकता है। इस संबंध में चीन से फ्यूज्ड मैग्नीशिया के मामले में (बिरला पैरी क्लोज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी) सीगेट के निर्णय पर विश्वास किया जाता है। इस प्रकार क्षति एवं कारणात्मक संबंध के अभाव में जांच को शीघ्र समाप्त किया जाना चाहिए।

xvi) डब्ल्यू टी ओ पैनल ने बैड लिनेन मामले में एक निर्णय दिया है जिसके तहत यह माना गया है कि नियमों के अनुबंध में उल्लिखित समस्त मापदंडों पर क्षति के मुद्दे के निर्धारण हेतु विचार करना होता है। याचिका से यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्त मापदंडों से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत अथवा प्रकटित नहीं किया गया। उदाहरणार्थ घरेलू कीमतों, निवेश पर आय, उत्पादकता, विकास, रोजगार इत्यादि को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में कोई सूचना नहीं है। अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह दायित्व है कि वह नियमों के अनुबंध में उल्लिखित संगत विचार हेतु घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना की सत्यता और प्रमाणिकता की जांच करें।

xvii) डी एफ सी एल द्वारा सीमाशुल्क पत्तन, उर्वरक मंत्रालय इत्यादि के खिलाफ मुंबई उच्च न्यायालय में हाल ही में दायर की गई रिट याचिका सहित विभिन्न मिथ्या निरूपित तथ्यों के आधार पर आयातों को प्रतिबंधित करने के बारे में विभिन्न सरकारी प्राधिकरणों को गलत विवरण दिया जा रहा है, जिनमें किसी में भी सफलता नहीं है। मुंबई उच्च न्यायालय ने तो उसकी दलील को ही रद्द कर दिया है। उसे अपनी याचिका वापिस लेने के लिए अन्ततः बाध्य कर दिया गया है।

मै. प्रीमियर एक्सप्लोसिब्स लिमिटेड

i) अपनी संबद्ध कंपनी मै. स्मार्टकैम टैक्नालाजी लि० के जरिए उन्होंने वर्ष 2000-2001 में अमोनियम नाइट्रेट का आयात उर्वरक जैसी कम कीमत पर किया है और हमें भी इसका एक हिस्सा बेचा है। यह देश में अमोनियम नाइट्रेट की कमी को पूरा करने के लिए आवश्यक था।

ii) चूंकि अन्य पार्टियों ने कम कीमत पर अमोनियम नाइट्रेट का आयात करना और उसकी बिक्री करनी आरंभ कर दी है, मै. दीपक फर्टीलाइजर्स और पैट्रो कैमिकल कार्पोरेशन लि० द्वारा व्यापार कारोबार प्रभावित हुआ है और इसलिए उन्होंने यह प्रक्रिया आरंभ की ।

iii) उन्होंने बंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका भी दायर की है जिसमें उर्वरक के रूप में अमोनियम नाइट्रेट का आयात करने तथा उसका उपयोग विस्फोटक के रूप में करने, जैसा कि उन्होंने स्वयं वर्ष 2000-2001 में किया था, के लिए जुर्माना लगाने का अनुरोध किया है ।

iv) विस्फोटक उद्योग के लिए अमोनियम नाइट्रेट प्रमुख निविष्टि है जो कि कुल भार का लगभग 70% है । विस्फोटकों का उपयोग मुख्यतः सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों जैसे कोयल इंडिया लि०, एस सी सी एल, एन एम डी सी और सेल इत्यादि द्वारा किया जाता है । जबकि विस्फोटक की कीमत पिछले वर्षों में लगातार कम हो रही हैं तथापि प्रमुख निविष्टि अर्थात् अमोनियम नाइट्रेट की कीमत में उत्पादक संघाकरण तथा धोखाधड़ी के कारण वृद्धि हो रही है ।

v) आयातित अमोनियम नाइट्रेट पर 30% आयात शुल्क + 40% एस ए डी लगाया जाता है जो कि उत्पाद के भारतीय विनिर्माताओं के लिए पर्याप्त मार्जिन में अधिक होना चाहिए ।

मै. आई बी पी कंपनी लि०

i) जैसाकि स्वदेशी अमोनियम नाइट्रेट की कीमतें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों की तुलना में काफी अधिक हैं क्योंकि डी एफ पी एल समूह के गैस आधारित संयंत्र भी, जो कि अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र नेप्था आधारित संयंत्रों की तुलना में अधिक मितव्ययी और प्रतिस्पर्धी दर पर करते हैं, ने नेप्था आधारित संयंत्रों की बराबरी करने के लिए अपनी कीमतें बढ़ा दी जिसके परिणामस्वरूप भारतीय विस्फोटक विनिर्माता अपनी निविष्टियों की उच्च लागत के कारण अंतर्राष्ट्रीय निर्यात बाजार में अधिक समय तक प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते । इसके परिणामस्वरूप भारतीय विस्फोटक उद्योग प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विस्फोटकों का विनिर्माण नहीं कर सकता, जिसके परिणामस्वरूप संगठित क्षेत्र में भारतीय विस्फोटक कंपनियों को पर्याप्त हानि हो रही है । अपने व्यवसाय समूह (रसायन) में आई बी पी पिछले 2-3 वर्षों से हानि उठा रही है और आई बी पी कंपनी के लिए कच्चे माल की अप्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण पिछले 2-3 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय निर्यात बाजार में प्रतिस्पर्धा करना संभव नहीं हुआ है जिसके परिणाम स्वरूप इसे पूर्ण रूप से भारतीय बाजार पर निर्भर करना पड़ा है । भारतीय बाजार की मांग कुल उत्पादन क्षमता से काफी कम है और अधिकांश इकाइयां आर्थिक क्षमताओं पर काम करने के स्थिति में नहीं हैं । भारत में विस्फोटकों की कीमतें काफी प्रतिस्पर्धी और कम हैं और भारत में विस्फोटक उद्योग के सार्थक अस्तित्व की केवल संभावना निविष्टियों की लागतों में कमी से हो सकती है जो अंतर्राष्ट्रीय निर्यात बाजार में भारतीय विस्फोटक उद्योग को न केवल प्रतिस्पर्धी बनाएगी अपितु घरेलू बाजार में मार्जिन में भी वृद्धि होगी ।

ii) भारत में आयात बाजार के खुलने से चीन सहित तीसरे देश (जो विस्फोटकों के अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय निर्यात कर रहे हैं) स्वदेशी विनिर्माताओं की तुलना में भारतीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन

जाएंगे जिसके परिणामस्वरूप यदि वह उस पर लगाए जाने वाले अमोनियम नाइट्रेट के स्वदेशी एकाधिकार की पकड़ से बच भी जाए तो भी भारतीय विस्फोटक उद्योग बंद हो सकता है।

मै. भारत एक्सप्लोसिव्स लिमि.

i) आयातों के खुलने से और मुक्त रूप से अमोनियम नाइट्रेट का आयात करने से भारतीय बाजार में इसकी उपलब्धता आसान हो गई है और अब ये पिछले वर्षों की तुलना में सस्ती कीमतों पर उपलब्ध है जिससे पहले से ही परेशानी में पड़े विस्फोटक निर्यातकों को कुछ राहत मिली है। इसके फलस्वरूप भारतीय अमोनियम नाइट्रेट के निर्माताओं को आयातित अमोनियम नाइट्रेट की कीमतों के बराबर करने के लिए अपनी कीमतों को कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा है जिससे स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि वे पहले इस स्थिति का अनुचित लाभ उठा रहे थे क्योंकि फर्टीलाइजर अथारिटी आफ इंडिया, राउरकेला ने कुछ समय के लिए उत्पादन बंद कर दिया था जिसके परिणाम स्वरूप मांग और आपूर्ति में अंतर उत्पन्न हो गया था।

ii) भारत सरकार को भारतीय विस्फोटक विनिर्माताओं को विश्व में वैश्विक प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के आयात पर सीमा शुल्क को कम करना चाहिए।

मै. कैलटैक एनर्जीस लिमि.

i) विचाराधीन उत्पाद की विनिर्माण करने वाली तीन कंपनियां अमोनियम नाइट्रेट मैल्ट/प्रिल्स मै. जी एन एफ सी, मै. एन एफ एल और मै. डी एफ पी सी एल हैं।

ii) पहली दो कंपनियां सरकारी क्षेत्र के उपक्रम हैं जो संबद्ध वस्तु अर्थात् प्रिल्ड अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन नहीं करती हैं। तीसरी कंपनी जो अमोनियम नाइट्रेट की गैर सरकारी क्षेत्र के निर्माता है और एल डी ए एन प्रिल्स का व्यापार करते हैं जो कि आयातित अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स से भिन्न है। अतः यह कंपनियां अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए याचिका दायर करने की स्थिति में नहीं हैं।

iii) उच्च सघनता प्रिल्स की श्रेणी के अंतर्गत आने वाले रूस और ईरान से आयातित जांचाधीन उत्पाद याचिकाकर्ता कंपनी द्वारा विनिर्मित नहीं है।

iv) हरीदास एक्सपोर्ट्स बनाम आल इंडिया प्लोट ग्लास मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के मामले में 2002 (145) ई एल टी. 241 (एस सी) में यथा सूचित निर्णय देते समय उच्चतम न्यायालय की 3 सदस्यीय खंड पीठ ने यह माना था कि "भारत में प्रचलित कीमतों से कम कीमतों पर सामग्री के आयात को लोकहित के प्रतिकूल नहीं माना जा सकता। यदि भारत से बाहर किसी वस्तु की सामान्य अथवा निर्यात कीमत स्वदेशी रूप से उत्पादित मद की बिक्री कीमत से कम होती है तब यह कहना कि उक्त आयात लोकहित के प्रतिकूल है, सही नहीं होगा। स्वदेशी रूप से उत्पादित वस्तुओं की कीमत से कम कीमत पर भारत से बाहर वस्तुओं की उपलब्धता से भारतीय उद्योग के बीच प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा और जिसकी परिणति प्रतिस्पर्धी के पलायन में नहीं होगी जैसा कि प्रतिवादियों द्वारा अनुरोध किया गया है।"

v) शीर्ष न्यायालय के इस निर्णय अथवा अनुपात का आदर करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को आगे की कार्रवाई को समाप्त कर देना चाहिए।

vi) अनुरोध है कि "रूस और ईरान को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानने के लिए समुचित समयोजनों के साथ उत्पादन की परिकल्पित लागत" पर पहुंचने का तरीका गलत है। विनिर्माता की कीमत और वे कीमतें जिन पर ये अर्थव्यवस्थाएं माल की आपूर्ति करती हैं अनेक वास्तविकताओं पर निर्भर हैं। उदाहरण के लिए ये आम बात है कि रूस में प्राकृतिक गैस प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है और भारत में 1/3 कीमत पर बेची जाती है। जब निविष्ट लागत कम होती है तब विनिर्माता अपना उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बेच सकता है।

इन्हें किसी भी तरह से उत्पाद को इसकी उत्पादन लागत से कम कीमत पर बेचना नहीं कहा जा सकता।

vii) ऐसे वित्तीय प्रोत्साहन भी हैं जो निर्यात कीमत घटने में सहायता कर सकते हैं। उदाहरणार्थ, भारतीय अर्थव्यवस्था में, निर्यात उद्योगों को ऐसे बहुत से प्रोत्साहन दिए जाते हैं जैसे उत्पाद शुल्क में छूट बिक्री कर में छूट, शुल्क मुक्त आयात हकदारी, शुल्क वापसी इत्यादि इनमें से कुछ हैं।

viii) ए एन एन-2 में दी गई 22 वें ए जी एम (2001-02) में यथा प्रस्तुत मै. डी एफ पी सी एल के क्षमता उपयोग आंकड़ों से यह प्रमाणित होता है कि उनके ए एन पी के प्लांट ने क्षमता उपयोग को 1996-97 के 155% से उत्तरोत्तर बढ़ाकर वर्ष 2001-02 में 195.59% कर दिया है यह कारक अकेले ही अमोनियम नाइट्रेट उद्योग के विशेष रूप से मै. डी एफ पी सी एल के अंतर्गत क्षेत्र की उच्च लाभ दायक तथा वांछनीय स्थिति को बताया है।

ix) मै. डी एफ पी सी एल लगातार उच्च लाभ कमा रही है। 22 वें ए जी एम में प्रस्तुत खंड वार लाभप्रदता विवरण इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि इंडस्ट्रियल कैमिकल्स खंड के अंतर्गत उनके अमोनियम नाइट्रेट खंड का कार्यचालन अच्छा रहा है।

x) जी एन एफ जी ने भी उत्कृष्ट प्रमाण दिए हैं। यह तथ्य कि अपने घोषित योजनाओं के अनुसार जी एन एफ सी ए एन प्रिलिंग सुविधा क्षेत्र में भी प्रवेश करना चाहती है, ए एन ए एन एन-6 में प्रचालनों के लाभप्रद कार्य चालन की ओर संकेत करता है।

xi) सीमाशुल्क टैरिफ (क्षति का निर्धारण डी ए) नियमावली, 1995 के नियम 5(3)(क) का हवाला देते हुए यह कहा गया है कि कुल उत्पादन के कम से कम 25% का विनिर्माण करने वाली इकाई के समर्थन के बिना जांच आरंभ नहीं की जाएगी। दिए गए स्पष्टीकरण में बताया गया है कि आवेदन को तभी स्वीकार किया जाएगा यदि यह घरेलू उत्पाद द्वारा समर्थित हो और जब उत्पादन 50% से अधिक हो। नियम 5(3)(क) के अंतर्गत याचिका विचार करने योग्य नहीं है क्योंकि यह निर्धारित न्यूनतम 50% भाग द्वारा समर्थित नहीं है।

मै. कैनपेक्स कैमिकल्स प्रा० लि०

i) यह बताया गया है कि मै. कैनपेक्स कैमिकल्स को प्रा० लि० को 10000/मी.टन की दर से अमोनियम नाइट्रेट की आपूर्ति तब की गई थी जब कच्ची सामग्री अमोनियम गैस 13000/मी.टन की दर से उपलब्ध था। अब इसकी आपूर्ति कम की गई दर अर्थात् 9500 रु०/मी.टन पर की जा रही है। जब अमोनियम गैस 7000रु०/मी.टन पर उपलब्ध है।

ii) पिछले कुछ महीनों से भारत में अमोनियम नाइट्रेट का आयात रूस से 5000 रु०/मी.टन की दर पर किया जा रहा है। परिणामस्वरूप हमारे जैसे अंतिम प्रयोक्ता आयातित अमोनियम नाइट्रेट खरीदना पसंद कर रहे हैं। वस्तुतः सस्ते आयातों के कारण हमने वर्ष 2000 में अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन बंद कर दिया है। अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन को जारी रखना आर्थिक रूप से अव्यवहारिक है क्योंकि अमोनियम नाइट्रेट की पहुँच लागत अपेक्षाकृत कम है।

मै. गल्फ ऑयल कार्पो.लि.

i) चूंकि राउरकेला फर्टिलाइजर प्लांट तथा एफ सी आई सिंदरी से आपूर्तियाँ अनिश्चित हो गई थी इसलिए अमोनियम नाइट्रेट को मै. स्मार्टकेम टेक्नोलॉजी लि० से खरीदा गया था जो स्थानीय रूप से विनिर्मित था परन्तु बाद में आयातित अमोनियम नाइट्रेट की आपूर्ति उनके द्वारा और/अथवा उनके द्वारा नामित व्यक्ति द्वारा की गई थी।

ii) घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित अमोनियम नाइट्रेट का कुल उत्पादन और विस्फोटक उद्योग में प्रयोग के लिए बिक्री 2000-2001 और 2001-2002 के लिए लगभग 227080 और 200291 मी.टन थी। जबकि संबंधित अवधि के दौरान विस्फोटक विनिर्माण के लिए प्रयोक्ता उद्योग की कुल आवश्यकता 241577 मी.टन और 258607 मी.टन थी।

iii) यह बताया गया है कि कोई पाटन नहीं हुआ है और घरेलू उद्योग को रूस से अमोनियम नाइट्रेट के आयातों द्वारा कोई क्षति नहीं हुई है।

iv) विस्फोटक विनिर्माण के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री में अमोनियम नाइट्रेट 65% होता है इसलिए कीमत में इसकी उपलब्धता विस्फोटक संयंत्र के लिए महत्वपूर्ण घटक बन गई थी।

v) दरों की तुलना पिछले हुए अमोनियम नाइट्रेट/बिना सतह वाले अमोनियम नाइट्रेट की विभिन्न घरेलू उद्योग द्वारा की गई है और यह मालूम हुआ है कि आयातित अमोनियम नाइट्रेट के मुकाबले 1000रु०/मी.टन से 1200 रु०/मी.टन का अंतर था।

vi) रूस एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था मालूम होता है इसलिए सामान्य मूल्य इस अवधारण पर निर्धारित नहीं किया जा सकता कि रूस एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

vii) वर्ष 2000-01 में विस्फोटक उद्योग के लिए अमोनियम नाइट्रेट की कुल मांग 258607 मी.टन थी और घरेलू उद्योग की अमोनियम नाइट्रेट की कुल बिक्रियां 200291 मी.टन थी, इसलिए वर्ष 2001-2002 के दौरान मोटे तौर पर 58000 मी.टन के आयात मांग में कमी से अधिक नहीं थे।

viii) पाटन रोध के संदर्भ में क्षति के दावे की जांच केप्टिव खपत द्वारा आवृत बाजार सहित सामान के कुल बाजार के संदर्भ में करनी होगी और इसलिए जब तक कि केप्टिव खपत में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है कोई पाटन रोधी मामला नहीं बनाया जा सकता है। अतः यह अनिवार्य है कि घरेलू उद्योग को उत्पादन तथा बिक्रियों के आंकड़े और उनके द्वारा उर्वरक विनिर्माताओं की लाभप्रदता को प्रकट करना चाहिए।

ix) घरेलू उद्योग यह सुनिश्चित करते हुए पाटनरोधी कानूनों के अंतर्गत प्राप्त संरक्षण का दुरुपयोग कर रहे हैं कि उसके द्वारा उर्वरकों की बिक्री में उठाए गए घाटों की भरपाई घरेलू बाजार में एकाधिकारी कीमतों पर ए एन की बिक्री द्वारा की जाए।

मै. गुजरात एक्स प्लोसिब्स डीलर्स एसोसिएशन

i) प्रिल्ड अमोनियम नाइट्रेट के आयात की अनुमति दी जानी चाहिए क्योंकि यह अत्यधिक प्रतिस्पर्धा दर पर विस्फोटक उद्योग के लिए अधिक सुविधाजनक है और इसी के साथ उद्योग की मांग आवश्यकताओं को पूरा करने में घरेलू उद्योग सक्षम नहीं है।

ii) पिछले हुए अमोनियम नाइट्रेट को ठोस रूप में बदलने वाले कुछेक कनवर्टर ने भारत सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि जब तक अमोनियम नाइट्रेट के आयात पर प्रतिबंध नहीं लगता है या इस उत्पाद पर लागू आयात शुल्क को घरेलू विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित अमोनियम नाइट्रेट की कीमतों के बराबर नहीं बढ़ाया जाता है, हमारे लिए अपने अस्तित्व को बचाना अधिकाधिक मुश्किल हो जाएगा।

2. निर्यातक के विचार

मै. जे एस सी नेविनोमिसकी अजोत, रूस

i) निर्यातक के पास भारत को अमोनियम नाइट्रेट के व्यापार का बहुत कम प्रतिशत है जो कि लगभग 2% बनता है वे आगे यह भी दावा करते हैं कि राज्य से कोई सब्सिडी प्राप्त नहीं करते हैं और उत्पाद निवेश आदि से संबंधित निर्णय बाजार के संकेतों पर निर्भर होता है।

ii) चूंकि रूसी परिसंघ ने जांच अवधि के दौरान बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में कार्य किया इसलिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत बाहरी सूचना के आधार पर निर्धारित की जाए।

iii) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में उच्च सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट और कम सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट के बीच अंतर किया जाता है। एच डी ए एन एक ऐसा उत्पाद है जिसकी सघनता 0.86 से अधिक होती है और सिद्धांत रूप से उर्वरक के रूप में अथवा विस्फोटकों के विनिर्माण में प्रयोग किया

जाता है। एल डी ए एन एक विस्फोटक पदार्थ बन जाता है जब इसे ईंधन तेल के साथ संयोजित कर दिया जाता है और इसे औद्योगिक ग्रेड उत्पाद कहा जाता है संरचना, विस्फोटकता आदि के अनुसार दोनों उत्पादों की विशेषताएं बहुत भिन्न होती हैं। दोनों उत्पाद बहुत भिन्न कीमतों पर बेचे जाते हैं एल डी ए एन को एच डी ए एन की कीमत से लगभग दोगुनी कीमत पर बेचा जाता है। कीमत में अत्यधिक अंतर के बावजूद दोनों उत्पादों की मांग है जिससे स्वतः यह सुझाव मिलता है कि तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से दोनों उत्पाद परस्पर परिवर्तनीय नहीं हैं।

ix) कुछ भारतीय उत्पाद पिछले हुए रूप में अमोनियम नाइट्रेट का निर्माण करते हैं। निश्चित रूप से यह ऐसा उत्पाद नहीं है जिसे अधिक सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट प्रिक्स के समान उत्पाद कहा जा सके। वस्तुतः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रक्रिया में पिछले हुए अमोनियम नाइट्रेट की कोई अधिक बिक्रियां नहीं होती है क्योंकि भाड़ा लागते और सुरक्षा मानकों के कारण इसकी अनुमति नहीं होती है। इसलिए भारत में ऐसे किसी समान उत्पाद का विनिर्माण नहीं किया जाता है और न ही कोई घरेलू उद्योग है इस प्रकार जांच में घरेलू उद्योग की मौजूदगी की कमी मालूम होती है।

v) गेट के अनुच्छेद 6 के कार्यान्वयन से संबंधित करार के अनुच्छेद 2 के अंतर्गत समान उत्पाद शब्द का अभिप्राय एक ऐसे उत्पाद से होगा जो समरूप हो अर्थात् विचाराधीन उत्पाद के साथ सभी प्रकार से समान हो अथवा विचाराधीन उत्पाद की विशेषताओं के साथ अत्यधिक मिलती जुलती विशेषताएं हों। घरेलू उद्योग की याचिका के अगोपनीय रूपांतर से यह मालूम होता है कि उनमें से कोई भी उच्च सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट प्रिक्स का उत्पादक नहीं है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद को निर्यात उत्पाद के समान वस्तु नहीं समझा जा सकता।

vi) भारत को निर्यात कीमतें अन्य देशों की निर्यात कीमतों के साथ तुलनीय हैं और वे उत्पादन लागत से अधिक है।

vii) सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई लागत सूचना के आधार पर परिगणित सामान्य कीमत की अपेक्षा हमारी विस्तृत सूचना के आधार पर किया जाना चाहिए उन्होंने यह दावा किया है कि उनके निर्यात एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से हुए हैं इसलिए परिगणित लागत उनके मामले में लागू नहीं होती है।

viii) कारखाना स्तर पर भारत की निर्यात कीमत घरेलू बिक्री कीमत और उत्पादन लागत दोनों से अधिक है इसलिए पाटन का कोई साक्ष्य नहीं है और जांच को तुरंत समाप्त करने का अनुरोध किया गया है।

बाजार अर्थव्यवस्था

i) मै. जे एस सी ने विनोमिसिकी एजेंट, रूस एक खुली ज्वाइंट स्टॉक कंपनी है जिस पर राज्य का कोई स्वामित्व नहीं है। हमारे स्टॉक मुक्त रूप से उद्धृत है और खुले अंशदान द्वारा बिक्री के लिए है और हमारी कंपनी में भागीदारों की संख्या कानून द्वारा सीमित नहीं है। कंपनी के लिए सामान्य लेखांकन

सिद्धांतों के अनुसार लेखे तैयार करना और तुलन पत्र के अनुसार सूचना की एक रिपोर्ट तथा लाभ और हानि का लेखा प्रकाशित करना अनिवार्य है ।

ii) उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति पहले की गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से अधिक विकृत नहीं हुई है । एक खुली ज्वाइंट स्टाक कंपनी के रूप में और रूस की सरकारी निकायों का चार्टर पूंजी में कोई स्टाक नहीं है । शेयर धारकों की सूची में 2000 से अधिक शेयर धारक हैं जो गैर सरकारी व्यक्ति अथवा कंपनियां हैं सात निजी कंपनियां हैं जिनके 5% से अधिक शेयर हैं । मुख्य शेयर धारक न तो अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादक हैं और न ही कंपनियां अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन और बिक्री से संबंधित हैं ।

iii) यह निवेदन है कि सभी फर्मों और कंपनियों पर दिवालियापन और संपत्ति कानून लागू होते हैं जिनसे फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी मिलती है

iv) विनिमय दर परिवर्तन बाजार की दर पर होते हैं ।

v) कारखाना स्तर पर भारत की निर्यात कीमत घरेलू बिक्री कीमत और उत्पादन लागत दोनों से अधिक है इसलिए पाटन का कोई साक्ष्य नहीं है और जांच को तुरंत समाप्त करने का अनुरोध किया गया है ।

vi) रूस को यूरोपीय यूनियन और यू एस डी ओ सी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान किया गया है । इस संबंध में परिषद के दिनांक 5 नवम्बर 2002 के संकल्प संख्या 1972/2002 की प्रति में रूस को सामान्य मूल्य निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था माना गया था । यू एस प्रशासन ने भी रूस को औपचारिक तौर पर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मान्यता दी है इस पर कृपया वर्तमान कार्यावाहियों में रूस का दर्जा निर्धारित करने के लिए विचार किया जाए ।

मै. जे एस सी एजोट बर्जनिकी

i) हम यह समझते हैं कि भारतीय प्राधिकारी द्वारा एच डी ए एन के आयातों के संबंध में जांच की जाए हमारी सर्वोत्तम सूचना के अनुसार भारत में प्रिल रूप में एच डी ए एन का कोई विनिर्माण नहीं है । एच डी ए एन प्रिल और एल डी ए एन प्रिल्स दोनों का हमारी कंपनी द्वारा विनिर्माण किया जाता है और उनके पूर्ण रूप से अलग अलग विशेषताएं, मूल्य भंडारण परिवहन विनिमयन, विनिर्माण प्रक्रिया तथा अनुप्रयोग हैं ।

ii) कम सघनता वाला संरंघ्र अमोनियम नाइट्रेट और तीव्र प्रशीतीकरण के लिए प्रिलिंग टावर में निर्जलीकरण व्यवस्था करके तथा ए एन घोल के कम सांद्रण का प्रयोग करके बनाया जाता है, संरंघ्रता है तैयार करने के लिए संयोजियों तथा अधिक ऊर्ध्व प्रिलिंग टावर का प्रयोग किया जाता है और प्रौद्योगिकियों कि प्रक्रिया अलग अलग है ।

iii) कम सघनता वाले संरंघ्र अमोनियम नाइट्रेट प्रिल का विनिर्माण और विपणन विशेष रासायनिक उत्पाद के रूप में किया जाता है और ए एन एफ उनसे विस्फोटक उत्पाद बनाने के लिए टी यू 2143-635-00209023-99 (यू एन श्रेणी 5.1 संख्या 1942) वर्गीकरण है। एच डी ए एन का विनिर्माण उर्वरक तथा विस्फोटक उत्पादन के लिए बल्क कच्ची सामग्री के रूप में प्रयोग करने हेतु जी ओ एस टी-2-85 ग्रेड बी (यू एन श्रेणी 5.1 संख्या 2067) वर्गीकरण के अंतर्गत किया जाता है। एल डी ए एन की तुलनात्मक रूप से अधिक विस्फोटक संवेदनशीलता है और इसकी प्रिल चूषण क्षमता 6%-10% है जो इसे ए एन एफ ओ जैसे विस्फोटक एजेंट बनाने के लिए उपयुक्त बनाती है। यह उल्लेखनीय है कि अमोनियम नाइट्रेट में उपयुक्त रूप से शोषित 6% डीजल तेल ए एन एफ ओ विस्फोटक बनाने के लिए सर्वोत्तम रस समीकरण अनुपात है। संरंघ्रता से अत्यधिक विस्फोट संवेदनशीलता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण फ्यूल आक्सीडाइजर इंटर फेस/यूनिट वाल्यूम में वृद्धि करती है। इससे यह उर्वरक के रूप में अथवा विस्फोटक विनिर्माण के लिए बल्क कच्ची सामग्री के रूप में प्रयोग करने के लिए पूर्णतः असुरक्षित हो जाता है। यह उल्लेखनीय है कि स्तरी विस्फोटक उत्पादों और इमल्सन विस्फोटक उत्पादों को भी हवा के बुलबुले प्रविष्टि कराकर और विस्फोटक विशेषता तैयार करने के लिए सघनता को कम करके संवेदनशील बनाया जाता है। कम सघनता वाला संरंघ्र अमोनियम नाइट्रेट उर्वरक के रूप में प्रयोग करने के लिए कभी भी सुरक्षित नहीं समझा जा सकता है और इस प्रकार यह उत्पाद परस्पर प्रतिस्थापनीय नहीं है। इसे यूरोपीय संघ, यू ए एस, दक्षिण अफ्रीका अथवा आस्ट्रेलिया में समान उत्पाद नहीं समझा जाता है।

iv) एल डी ए एन प्रिल रूप में उपर्युक्त आवश्यकताएं पूरी नहीं करता है। इससे उत्पाद को इसकी अधिक विस्फोटक संवेदनशीलता के कारण एक विस्फोटक के रूप में प्रयोग किया जाता है। एल डी ए एन की कीमत और लागत लगभग **** अमरीकी डालर है। एल डी ए एन और एच डी ए एन के बीच लगभग **** अम.डा. का कीमत में अंतर है। कीमत में यह अंतर एल डी ए एन की अधिक उत्पादन लागत और उत्पाद के साथ संबद्ध अतिरिक्त सुरक्षा पूर्वोपायों के कारण आंशिक रूप से औचित्यपूर्ण है।

v) इसलिए हमारा निवेदन है कि भारत में समान उत्पाद का विनिर्माण न होने से पाटनरोधी कानून में यथा परिभाषित कोई घरेलू उद्योग नहीं है। अतः जांच को घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ताओं की विद्यमानता न होने और पाटन की कमी जिसे संलग्न प्रश्नावली से देखा जा सकता है की दृष्टि से भी समाप्त किया जाए। हम आपके ध्यान में यह भी लाना चाहते हैं कि रूस को संयुक्त राज्य अमरीका और यूरोपीय संघ द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था घोषित किया जा चुका है और भारतीय प्राधिकारियों द्वारा भी यही दर्जा दिया जाए।

मै. ईरान पेट्रोकेमिकल्स कमर्शियल कंपनी

ईरान

i) ईरान पेट्रोकेमिकल्स कमर्शियल कंपनी को ईरान कंपनी पंजीकरण कानूनों के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है और यह ईरान की एक लिमि. ज्वाइंट स्टाक कंपनी है जिसका प्रतिनिधित्व बोर्ड के सदस्यों द्वारा किया जाता है। यह एक वाणिज्यिक कंपनी है अथवा कुछ अन्य सरकारी पेट्रोकेमिकल परिषद जैसे अराग, टबरीज, एसफाहन आदि जो विनिर्माता हैं और ये सभी शेयर धारक अर्थात् नेशनल पेट्रोकेमिकल कंपनी आफ ईरान एन पी सी से संबंधित हैं।

ii) निर्यातक ने यह बताया है कि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी आवेदन में उपलब्ध साक्ष्य की शुद्धता की जांच करेंगे और स्वयं इस बात से संतुष्ट होंगे कि जांच की शुरुआत का औचित्य सिद्ध करने के लिए ऐसे पाटित आयतों और तथाकथित क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, पाटन और क्षति के बारे में पर्याप्त साक्ष्य है।

iii) प्रश्नावली में उपलब्ध कराई गई सूचना एवं दिए गए ब्यौरों के आधार पर निर्यातक ने यह कहा है कि संबद्ध वस्तु का पाटन नहीं किया गया था और इसके परिणामस्वरूप प्रतिवादी के संबंध में जांच आरंभ न किए जाने का अनुरोध किया है।

उर्वरक विभाग (रसायन और उर्वरक मंत्रालय) की टिप्पणियां

i) भारत में अमोनियम नाइट्रेट का मुख्य अनुप्रयोग विभिन्न प्रकार के विस्फोटक बनाने के लिए ही किया जाता है। विभिन्न सघनता ग्रेडों के घरेलू विनिर्माण द्वारा उत्पादित अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट (70% से 83% तक) और यह पिघला हुआ रूप जिसे क्रेता द्वारा अपनी आवश्यकता के अनुसार सघनता में रूपान्तरित किया जाता है।

ii) अमोनियम नाइट्रेट के विभिन्न रूपों के मूल्य निर्धारण ढांचे के बारे में केवल अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट और एच डी ए एन प्रिल्स के लिए मूल्य उपलब्ध कराए गए हैं उर्वरक विभाग अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट और अमोनियम नाइट्रेट प्रिल के बीच 1000 रु०/मी.टन से 1200 रु०/मी.टन का अंतर घरेलू उत्पादकों के लिए पाया गया बताया है।

iii) विनिर्माता उत्पादन लागत/प्रौद्योगिकी के अनुसार विभिन्न ग्रेडों का अमोनियम नाइट्रेट उत्पादित करते हैं चूंकि अमोनियम नाइट्रेट एक महत्वपूर्ण निवेश है इसलिए विस्फोटक उद्योग द्वारा एच डी ए एन प्रिल्स एम डी ए एन प्रिल्स और ए एन मेल्ट का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जाना संभव है।

iv) अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन प्रारंभ में पिघले हुए रूप में किया जाता है और उसके बाद प्रयोक्ता उद्योग की आवश्यकता के अनुसार अमोनियम नाइट्रेट के विनिर्माता अथवा परिवर्तक द्वारा विभिन्न ग्रेडों का ठोस रूप में परिवर्तित किया जाता है। अमोनियम नाइट्रेट के सभी तीन ग्रेड खानों, खदानों, पत्थर तोड़ने, सड़क निर्माण और अन्य ऐसे कार्य कलापों में विभिन्न प्रकार के प्रयोगों के लिए पूर्णतः उपयुक्त हैं। चूंकि उत्पादों को विभिन्न रूपों जैसे ठोस औसीडाइजर जांच अथवा इमल्शन सलरी किस्म तैयार करने के लिए पानी में बनाए हुए घोल में प्रयोग किया जाता है और उन उत्पादों का अंतिम प्रयोग खानों/विस्फोटक उद्योग की किस्म पर निर्भर होता है इसलिए उपयुक्त रूप जैसे ठोस प्रिल्स/ग्रेन्यूल्स/क्रिस्टल बनाने के लिए तरल रूप में घोल बनाया जाता है और उसी के अनुसार लागत होती है।

विस्फोटक विभाग (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय)**नागपुर**

i) उच्च सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स (जो उर्वरक ग्रेड के अमोनियम नाइट्रेट के रूप में भी ज्ञात हैं) को विस्फोटकों के निर्माण के लिए बल्क कच्ची सामग्री के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह उत्पाद मौके पर बल्क लोडिंग सिस्टम और डोण्ड इमल्शन के लिए ऑक्सीडाइजर कोल तैयार करने हेतु पिघले हुए और एल डी ए एन प्रिल्स की तुलना में विस्फोटकों के विनिर्माण के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यह तीनों उत्पाद विस्फोटक और खनन उद्योग में विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए आदर्श रूप में उपयुक्त हैं।

ii) आयातित उत्पाद का सलरी और इमल्शन विस्फोटक के विनिर्माण के लिए स्थानीय रूप से विनिर्मित उत्पाद की तुलना में तकनीकी और वाणिज्यिक मानदंडों के अनुसार दोनों प्रकार से काफी लाभ है।

iii) आयातित उत्पाद अर्थात् एच बी ए एन प्रिल्स का प्रयोग करके विस्फोटक विनिर्माताओं ने प्रहस्तन और प्रचालन के लाभों के कारण कम सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स के स्थान पर उच्च सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स का प्रयोग आरंभ कर दिया है।

दिनांक 3/12/02, 13/1/03 तथा 24/2/03 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई के अनुपालन में घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों/प्रयोक्ता उद्योगों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुरोध

घरेलू उद्योग

i) याचिकाकर्ता यह रिकार्ड में लाना चाहते हैं कि भारत सरकार द्वारा फर्टिलाइजर के रूप में अमोनियम नाइट्रेट के आयातों पर रोक लगाई गई है।

ii) यद्यपि वाणिज्यिक रूप से अमोनियम नाइट्रेट को घनत्व के अनुसार दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है तथापि यह अनुरोध किया गया है कि ज्यादातर एच डी ए एन विशिष्टता में घनत्व जिसका आम तौर पर परीक्षण रिपोर्टों में जिक्र नहीं किया जाता है एक तकनीकी मापदंड नहीं होता है।

iii) यू एस वाणिज्यिक विभाग ने पहले रूस से अमोनियम नाइट्रेट के पाटन संबंधी घाटन सीधी जांच की थी। यू एस वाणिज्य विभाग द्वारा यह बताया गया है कि 53 पाउंड प्रति क्यूबिक फीट (0.840 ग्रा./मिली. के समकक्ष) से अधिक घनत्व वाला ए एन, एच डी ए एन होता है।

iv) एच डी ए एन की भिन्न भिन्न किस्मों के संबंध में ठोस रूप से अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन में क्रमशः प्रिलिंग टावर/रोटरी वेक्यूम डायर/फ्लेक्स प्रिलों के लिए ड्राइंग ट्रे/ग्रेन्युलज/क्रिस्टल/ब्रान्स को जलिय मूल पिघले हुए रूप से परिवर्तित करना शामिल है।

v) विस्फोटक विभाग तथा उपभोक्ता द्वारा किए गए अनुरोध परस्पर विरोधी हैं। मौखिक सुनवाई के दौरान विस्फोटक विभाग के प्रतिनिधि ने दावा किया कि पिघले ए एन 150 किमी. से अधिक दूर परिवहनीय नहीं है जबकि एक उपभोक्ता ने इस बात की पुष्टि की कि पिघले हुए ए एन का 1500 किमी. से अधिक दूरी तक परिवहन किया गया था।

vi) याचिकाकर्ता का इस तर्क के बारे में भी अनुरोध है कि मै. डी एफ पी सी एल भारतीय उत्पादक घरेलू उद्योग के रूप में अयोग्य हैं क्योंकि मै. स्मार्टकेम ने जनवरी 2001 के महीने में अमोनियम नाइट्रेट का आयात किया है और ये मै. डी एफ पी सी एल की एक सहयोगी कंपनी है। इस संबंध में यह तर्क वैधानिक प्रावधानों, प्रक्रियाओं, पूर्व निर्णयों या न्यायशास्त्र द्वारा समर्थित नहीं है।

vii) विस्फोटक विभाग, नागपुर के प्रतिनिधि ने बताया कि विस्फोटक विनिर्माताओं ने ए डी ए एन की अनुकूलता का पता लगाया और इसका उपयोग आरंभ किया।

viii) रूस के निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उसके व्यवहार के समर्थन में अपर्याप्त सूचना प्रस्तुत की है। प्राकृतिक गैस जो अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन के लिए आवश्यक एक प्रमुख कच्ची सामग्री है के बारे में यू ए एस वाणिज्य विभाग ने रूस से संबंधित अमोनियम नाइट्रेट के विरुद्ध जांच में बताया कि प्राकृतिक गैस रूस सरकार द्वारा नियंत्रित है।

ix) घरेलू उद्योग ने शीघ्रतिशीघ्र और यू एस डालर के अनुसार संदर्भ कीमत के रूप में अनंतिम शुल्कों के लिए अनुरोध किया है ताकि विनिमय दर में परिवर्तन के कारण संरक्षण की मात्रा में कमी न हो।

मै. गल्फ ऑयल कारपोरेशन लिमि.

i) उच्च सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट का उपयोग विस्फोटकों के विनिर्माण में किया जाता है।

ii) एच डी ए एन अमोनियम नाइट्रेट मैल्ट और निम्न सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट से पूरी तरह भिन्न है।

iii) अमोनियम नाइट्रेट के एक रूप के दूसरे में परिवर्तन में जटिल प्रक्रिया शामिल है।

iv) द्रव रूप में अमोनियम नाइट्रेट का 150 किलो मी. से अधिक दूर तक सुरक्षित रूप से प्रेषण नहीं किया जा सकता क्योंकि यह धनीकरण की ओर प्रवृत्त हो जाता है।

मै. जे एस सी अजोट नेवीनोमिस्की, मै. जे एस सी अजोट ग्रेजनिकी, मै. इंडियन एक्सप्लोसिव्स लि. और मै. स्पेशल ब्लास्ट्स लिमि.

i) अयातित सामग्री का घनत्व 0.90 ग्राम/सी सी से अधिक है जबकि भारत में विनिर्मित ग्रिल्स मै. एस जी एस की परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर 0.85 ग्राम/सी सी अथवा इससे कम बल्क घनत्व का है।

ii) पाटनरोधी मामलों से संबंधित कानून में निर्यातकों द्वारा वस्तुओं के पाटन की स्थिति में घरेलू विनिर्माता को क्षतिपूर्ति की व्यवस्था की गई है। सुनवाई के दौरान अथवा किसी अन्य कानून के द्वारा उर्वरक के प्रतिनिधि द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश का उल्लंघन पाटनरोधी शुल्क को लगाने का आधार नहीं बनता है। पाटन रोधी शुल्क लगाने के लिए पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध विद्यमान होना चाहिए।

iii) उर्वरक विभाग ने इस आधार पर अमोनियम नाइट्रेट के आयात पर रोक के लिए अनुरोध किया है कि यह शीर्ष 3102.30 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा रहा है जिसमें अमोनियम नाइट्रेट शामिल है। यह अनुरोध किया गया था कि चूंकि प्रमुख शीर्ष में उर्वरक शामिल है इसलिए इस शीर्ष के तहत वर्गीकरण का तात्पर्य सामग्री का उर्वरक के रूप में आयात करना है जो कि उर्वरक नियंत्रण आदेश का उल्लंघन करना है। चूंकि अमोनियम नाइट्रेट पूर्ण रूप से आधारहीन है इसके अतिरिक्त सीमाशुल्क टैरिफ और उत्पाद शुल्क टैरिफ 3102 के तहत दोनों ही विवेचन की समानता के अनुसार समान शब्द भिद्यक्त हैं, याचिकाकर्ता द्वारा इस शीर्ष के तहत अमोनियम नाइट्रेट का विनिर्माण और निकासी गैर कानूनी होगी उत्पाद के वर्गीकरण के अनुसार टैरिफ केवल शुल्क लगाना मात्र है न कि एफ ओ सी का उल्लंघन है वास्तव में सुप्रीम उत्पाद शुल्क समाहती, जयपुर के मामले में न्यायाधिकरण के बड़े न्यायापीठ ने उत्पाद शुल्क को उगाने के प्रयोजन के लिए शीर्ष 3102 के तहत अमोनियम नाइट्रेट के सभी रूपों को वर्गीकृत किया है। इस निर्णय के मद्देनजर हम अनुरोध करते हैं कि सीमाशुल्क लगाने अथवा उत्पाद शुल्क लगाने के प्रयोजन से शीर्ष 3102 में अमोनियम नाइट्रेट का वर्गीकरण उर्वरक नियंत्रण आदेश का उल्लंघन नहीं है।

iv) माननीय उच्च न्यायालय, मुंबई का विचार था कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1995 के अनुबंधों के तहत जारी किए गए उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1995 के तहत आयात पर रोक लगाने की मांग के लिए अमोनियम नाइट्रेट का आयात करने के विरुद्ध मै डी एफ पी सी एल द्वारा दायर की गई याचिका गुणदोष से रहित है और इसलिए याचिकाकर्ता को उचित याचिका दायर करने की स्वतंत्रता के साथ याचिका को वापस लेने की अनुमति प्रदान करता है।

v) मै. इंडियन एक्सप्लोसिव्स की ओर से हलफनामा दायर किया गया जिसमें पुनः कहा गया कि रूस से आयातित अमोनियम नाइट्रेट मै. स्पेशल ब्लास्ट प्रा. लि. से हाई सी सेल आधार पर खरीदी गई थी जिसकी सघनता 0.90 ग्राम/सी सी से अधिक है।

कोई भी भारतीय विनिर्माता ने मै. इंडियन एक्सप्लोसिव लि० को एच डी ए एन प्रिल्स का प्रस्ताव किया है अथवा बेचा है। भारत में प्रिल में अमोनियम नाइट्रेट के दो विनिर्माता हैं। ये विनिर्माता हैं-मै. डी एफ पी सी एल तथा मै. स्मार्टकेम टेक्नोलाजी लि० तथा मै. इंडियन एक्सप्लोसिव लि० को बेची गई सामग्रियां 0.81 से 0.85 ग्राम/सी सी सघनता सीमा वाली है तथा सरंघ्र कम सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट के रूप में वर्गीकृत है।

मै. आई बी पी कं. लि.

i) मै. आई बी पी ने ****/एम टी कीमत पर 11000 एम एच डी ए एन की आपूर्ति के लिए भारत आधारित व्यापारी अदानी एक्सपोर्ट लि० के साथ संविदा में शामिल हुआ है। सी वी डी का निवल एक्स विजग। मै. आई बी पी की रू० ****/एम टी (उत्पाद शुल्क तथा बिक्री कर का निवल) पर मै. डी एफ पी सी एल के साथ रू० ****/एम टी (उत्पाद शुल्क और बिक्री कर निवल) पर मै. एस टी एल के साथ तथा पिछले हुआ अमोनियम नाइट्रेट हेतु रू.****/एम टी पर मै. जी एन एफ सी के साथ अपनी संविदाएं हैं।

ii) विस्फोटक उद्योग अपने अस्तित्व बचाने में समर्थ नहीं होगा यदि घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धी दर पर जो भारत में चीन जैसे विदेशी विस्फोटक विनिर्माता की उपस्थिति का नेतृत्व करेगा अमोनियम नाइट्रेट की आपूर्ति नहीं करेगा ।

दिनांक 24 फरवरी 2003 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई का प्रत्युत्तर
घरेलू उद्योग

i) विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा कि स्वदेशीय विनिर्मित उत्पाद अमोनियम नाइट्रेट कम सघनता वाले प्रिल अथवा पिघला हुआ अमोनियम है, वस्तुतः गलत है । घरेलू उद्योग आयातित उत्पाद के साथ तुलनीय सघनता तथा अन्य उत्पाद विशेषताओं वाले अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करता है । घरेलू तौर पर उत्पादित उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कच्ची सामग्री वस्तु, कार्य एवं इस्तेमाल कीमत तथा उत्पाद वर्गीकरण के अनुसार तुलनीय है । पिघले हुए अमोनियम नाइट्रेट और ठोस अमोनियम नाइट्रेट के बीच एक मात्र अंतर भौतिक विशेषताओं में है । तथापि पिघले हुए अमोनियम नाइट्रेट और ठोस अमोनियम नाइट्रेट के बीच भौतिक विशेषताओं में अंतर उत्पाद के विनिर्माण इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए उत्पाद में कोई विशिष्ट अंतर प्रदर्शित नहीं करता है ।

ii) सर्वसम्मत रूप से आयातित उत्पाद 0.90 जी/सी सी सघनता वाला है । यह उल्लेख करना जरूरी होगा कि चूंकि ये विरोधी हितबद्ध पक्षकार हाल में यह तर्क दे रहे थे कि ऐसे एच डी ए एन की सघनता करीब 0.85 जी/सी सी की है, अब वही पक्षकार यह तर्क दे रहे हैं कि आयातित सामग्री की सघनता 0.90 जी/सी सी था । याचिकाकर्ताओं ने आयातित उत्पाद की सघनता की जांच की और पाया कि आयातित उत्पाद की सघनता वस्तुतः 0.85 जी/सी सी था । किसी भी मामले में, घरेलू तौर पर उत्पादित उत्पाद आयातित उत्पाद के साथ तुलनीय है ।

iii) विरोध हितबद्ध पक्षकारों ने प्रक्षेपण किया है कि अमोनियम नाइट्रेट में सघनता महत्वपूर्ण मापदंडों में से एक है । जबकि याचिकाकर्ता प्रस्तुत करते हैं कि मापदंड के रूप में सघनता का उपयोग न तो उत्पादक उद्योग द्वारा अथवा उपभोक्ता उद्योग द्वारा किया जा रहा था, मापदंड मात्र विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया है । आज भी, वर्तमान जांच शुरू होने के पश्चात तथा सघनता के संबंध में इन हितबद्ध पक्षकारों के इतने ठोस तर्क के बावजूद ये हितबद्ध पक्षकार एच डी ए एन के वैश्विक निनिदा के माध्यम से भी सामग्री प्राप्त करते समय सघनता नहीं दर्शाते हैं ।

iv) जहां तक एच डी ए एन के घनत्व का संबंध है याचिकाकर्ताओं के अब तक रूस से अमोनियम नाइट्रेट के मामले में यू एस आई टी सी के जांच परिणामों के बारे में ही पता चला है जिनमें यू एस ए ने 53 पाउण्ड प्रति घन फुट (0.849 ग्रा/मिली के बराबर) से अधिक के घनत्व वाले ए एन को एच डी ए एन के रूप में वर्णित किया है । भारत में ए एस आई अथवा ऐसे अन्य किसी संस्थान ने किसी भी घनत्व वाले एच डी ए एन को वर्गीकृत नहीं किया है ।

v) विस्फोटक सामग्री विभाग द्वारा यह बताया गया है कि आयातित उत्पाद अर्थात् एच डी ए एन प्रिल को मेल्ट तथा एल डी ए एन से अधिक तरजीह दी जाती है । इससे यह भी प्रमाणित होता है कि वे

ये दोनों प्रतिस्थापनीय है खासकर तब जब इन हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि समानुरूप उत्पाद विद्यमान नहीं है। प्रसंगवश ए एन भारतीय विस्फोटक सामग्री अधिनियम एवं नियमों के तहत एक विस्फोटक पदार्थ नहीं है और इस प्रकार ए एन विस्फोटक सामग्री विभाग के कार्य क्षेत्र में नहीं आता है।

vi) जहां तक मै. इंडियन एक्सप्लोसिव्स लि0 द्वारा 4 मार्च 2003 के लिखित अनुरोध के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र में किए गए इस दावे का संबंध है कि किसी भी भारतीय निविर्माता ने मै. आई ई एल को एच डी ए एन प्रिल का कमी प्रस्ताव अथवा उसकी बिक्री नहीं की है और उनके द्वारा बेची गई सामग्री 0.81 से लेकर 0.85 ग्राम/सी सी तक के घनत्व वाली हैं जो पोरस एल डी ए एन के रूप में वर्गीकृत हैं। मै. डी एफ पी सी एल ने यह दावा किया है और य प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि मै. आई ई एल ने एल डी ए एन प्रिल (आप्टी लास्ट) एच डी ए एन प्रिल (आप्टीफार्म) और ए एन मेल्ट की खरीद की है अतः शपथ पत्र में दिया गया विवरण तथ्यों पर आधारित नहीं है। हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि हमारे द्वारा उत्पादित और आपूर्ति किए गए ए एन के विभिन्न स्वरूपों का औसत घनत्व ए एन मेल्ट, एच डी ए एन प्रिल (आप्टी फार्म) और एल डी ए एन प्रिल (आप्टी मिक्म/आप्टी ब्लास्ट) के लिए क्रमशः 1.38 ग्राम/मिली, 0.85 ग्राम/मिली और 0.78-0.80 ग्राम/मिली है।

मै. जे एस सी अजोट नेवेनोमिस्की, मै. जे एस सी अजोट ब्रेजनिकी, मै. इंडियन एक्सप्लोसिव्स लि0 और मै. स्पेशल ब्लास्ट लि0

i) मै. स्मार्ट कैम टेक्नोलाजी ने सर्वप्रथम रूस से एच डी ए एन प्रिल का आयात किया था। चूंकि मै. स्मार्ट कैम टेक्नोलॉजी घरेलू उद्योग की एक संबद्ध कंपनी है इसलिए उसे इस बात की विधिवत जानकारी है कि एच डी ए एन प्रिल के आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

ii) माननीय मुंबई उच्च न्यायालय में घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई रिट, जिसमें उन्होंने यह अपील की कि एच डी ए एन प्रिल प्रतिबंधित है, स्वीकार नहीं की गई थी और न्यायालय ने गुण दोष के आधार पर निरसन से बचने के लिए याचिकाकर्ता को उसे वापस लेने की अनुमति दी थी।

iii) विचाराधीन उत्पाद अथवा आयातित उत्पाद को 0.85 ग्राम से अधिक के घनत्व वाले एच डी ए एन प्रिल के रूप में परिभाषित किया जाना चाहिए। अन्य उत्पादों एल डी ए एन प्रिल (कोटेड अथवा अनकोटेड) अथवा एच डी ए एन मेल्ट क्रिस्टल, ग्रेन्यूल, फ्लेक और लंप का आयात नहीं किया गया है। अतः विचाराधीन उत्पाद को स्पष्ट और उचित ढंग से परिभाषित किया जाना चाहिए।

iv) हमारा अनुरोध है कि मेल्ट और एच डी एन प्रिल के बीच कोई तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि मेल्ट का अस्तित्व केवल अत्यधिक उच्च तापमान पर बरकरार रहता है और उसकी प्रयोज्यता सीमित है। याचिकाकर्ता का दावा है कि प्रिल स्वरूप में एच डी ए एन का विनिर्माण मिथ्या और आधार हीन है।

v) हमारा अनुरोध है कि रूस से अमोनियम नाइट्रेट के आयात के बारे में यू एस डी ओ सी के जांच परिणामों में घनत्व ठोस उत्पाद के बारे में है न कि द्रव्य उत्पाद के बारे में। वस्तु: द्रव्य स्वरूप में अमोनियम नाइट्रेट (90% सांद्रण) में घनत्व अनिवार्यतः 1.30/मिली से अधिक होगा।

(vi) जांच अवधि के दौरान विस्फोटक उद्योग हेतु याचिकाकर्ता द्वारा अमोनियम नाइट्रेट के विभिन्न रूप जैसे पिंड, स्फटिक तथा फाहों का पर्याप्त मात्रा में विनिर्माण नहीं किया गया है। इसलिए, इस संदर्भ में किए गए अनुरोध पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए।

(vii) याचिकाकर्ता द्वारा यह बताया गया है कि यह वक्तव्य कि एफसीआई, सिन्दरी तथा राउरकेला स्टील प्लांट के बंद होने से पूर्वी क्षेत्र में कमी हो गई है, समान वस्तु के मुददे पर स्वयं एक स्वीकृति है। हम प्रस्तुत करते हैं कि एचडीएन पिघला हुआ को कुछ हद तक प्रतिस्थापित करता है, तथापि प्रतिलोम सही नहीं है।

(viii) प्राकृतिक गैर रूस में सापेक्ष रूप से कम कीमत पर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। हम निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी अन्य अधिकारी का हमारे द्वारा किए गए वास्तविक दावों की जांच के लिए स्वागत करेंगे। अमोनियम नाइट्रेट की बिक्री कीमत किसी वैधानिक अथवा प्रशासनिक आदेश द्वारा निर्मित नहीं की जाती है। निर्यातक कच्चे माल के अपने स्रोत को चुनने के लिए स्वतंत्र है। प्रौद्योगिकी की लागत को किसी राज्य हस्तक्षेप द्वारा प्रभावित नहीं किया गया है। श्रम कानून, नियम कानून, दिवाला कानून के संबंध में विधान उपलब्ध कराये गए हैं।

(ix) बाजार हिस्सा, निर्यात कीमत में कमी तथा अन्य ऐसे कारकों के संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। चूंकि याचिकाकर्ता को कोई क्षति नहीं हुई है इस आधार पर समाप्ति हेतु अनुरोध किया गया है।

(x) जांच अवधि से पहले आयातों का पहुँच मूल्य पिघले हुए रूप की बिक्री कीमत से अधिक है। आयातों से पहले तथा बाद में मेल्ट को 7000 रुपये पर बेचा जा रहा है जोकि पहुँच मूल्य से कम है। इसलिए, कोई कारणात्मक संबंध नहीं है तथा जांच समाप्त करने का अनुरोध किया जा रहा है।

(xi) मै0 आईबीपी क0 लि0 द्वारा भी अनुरोध किए गए थे, परंतु अधिकांश मुद्दे पर पुनरुक्ति युक्त स्वरूप के हैं जो कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पहले ही उठाये जा चुके हैं। इसलिए संक्षिप्तता के लिए तर्क पुनः उद्धृत नहीं किया गया है।

ग. प्राधिकारी द्वारा जांच तथा जांच परिणाम

आयातकों, निर्यातकों, प्रयोगकर्ताओं, घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है तथा इन जांच परिणामों पर पहुँचने के समय विचार किया गया है और जहां कहीं भी जरूरत हुई इसके बाद उचित ध्यान दिया गया है।

1. विचाराधीन उत्पाद

(i) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद अमोनियम नाइट्रेट है। इसे विभिन्न रूपों जैसे पिघला हुआ, प्रिल, स्फटिक, कणिकाओं, फाहों तथा पिण्डकों में उत्पादित किया जाता है। उत्पाद को पहले पिघले हुए रूप में उत्पादित किया जाता है, जिसे तब प्रिल, फाहों, पिण्डकें, आदि प्राप्त करने के लिए ठोस रूप दिया जाता है। अमोनियम नाइट्रेट का विनिर्माण वृत्त आकार के निष्प्रभावक में नाइट्रिक अम्ल (60% सांद्रण) के साथ वाष्प अमोनिया के जरिए संश्लेषण

द्वारा किया जाता है। तब अमोनियम नाइट्रेट घोल (72-74 % सांद्रण) को वाष्पक, सांद्रित (अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट मर्चेण्ट बिक्री हेतु 82% तक तथा प्रिलिंग के लिए 96% तक) में भेजा जाता है और मेल्ट टंकी में जमा किया जाता है। इसके पश्चात् एएन प्रिल्स के उत्पादन के लिए प्रिलिंग प्रक्रिया हेतु (प्रिलिंग, पूर्व शुष्कन, शुष्कन, प्रशीतन, संघनन तथा बैरिंग) हेतु एएन मेल्ट का उपयोग किया जाता है।

सघनता के संबंध में अमोनियम नाइट्रेट को दो रूपों में वर्गीकृत किया जाता है:-

- सभी रूप जैसे मेल्ट, स्फटिक, कणिकाएँ, फाहों, पिण्डकों, प्रिल्स वाले उच्च सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट।
 - कम सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट, सामान्य तथा प्रिल रूप में।
- (ii) कोटिंग दूसरा मापदंड है। अमोनियम नाइट्रेट आवरण हीन अथवा रासायनिक रूप से लेपित हो सकता है। रासायनिक रूप से लेपित अथवा अलेपित रूप समान वस्तु हैं, दोनों के बीच एक मात्र अंतर कोटिंग का होना है। भंडारण के दौरान नमी वृद्धि को कम करने के क्रम में कोटिंग किया जाता है, वस्तुतः केकिंग/हार्ड लम्प निर्माण से बचाने के लिए।
- (iii) यह एक अकार्बनिक रसायन है तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 3102.30 के अध्याय-31 के तहत वर्गीकृत है। सीमाशुल्क वर्गीकरण मात्र संकेतक है और जांच क्षेत्र में बाध्यकारी नहीं है। अमोनियम नाइट्रेट का उपयोग वाटर-जेल/गारा विस्फोटक, इमल्शन विस्फोटक में किया जाता है, जिनका निम्नलिखित उपयोग जैसे ओपन कास्ट माइनिंग, अंडर ग्राउंड मेटालिफेरस माइनिंग कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज, प्रोजेक्ट आदि, जबकि कम सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट को ग्रेन्यूल्स/स्फटिक के मुकाबले अमोनियम नाइट्रेट ईंधन तेल (एएनएफओ) तैयार करने के लिए अधिक पसंद किया जाता है जिसका विस्फोटक एजेंट तथा इमल्सिफाइड (एएनएफओ) रूप में उपयोग किया जाता है। रूप चाहे जो भी हो, उच्च सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट को वाटर जेल/इमल्शन विस्फोटक के उत्पादन में अंतिम प्रयोग हेतु पिघले हुए रूप में बदला जाता है। तथापि, ठोस रूप के उत्पादन में अल्प वृद्धि उत्पादन प्रक्रिया तथा अतिरिक्त लागत की आवश्यकता होती है। कम सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन में अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता जरूर होती है।
- (iv) निर्यातकों/आयातकों ने उत्पाद को उच्च सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट/अमोनियम नाइट्रेट (फर्टिलाइजर ग्रेड)/अमोनियम नाइट्रेट उच्च सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट (फर्टिलाइजर ग्रेड) के रूप में बताया है। यूएसएडीओसी ने रूस से अमोनियम नाइट्रेट के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच में आमेनियम नाइट्रेट को 53 पाउंड प्रति घनीय मूल (0.849 ग्राम/एमएल के समतुल्य) से अधिक सघनता वाला उच्च सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट है जबकि अल्प सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट एलडीएएन है। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि वे 0.85 ग्राम/एमएल से 1.39 ग्राम/एमएल से अधिक सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करते हैं। जबकि हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता एएन प्रिल्स से अलग 0.85 ग्राम/एमएल से कम सघनता वाला अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन कर रहे हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने अपने निवेदन में भी स्वीकार किया है कि मै0 डीएफपीसीएल को छोड़कर कोई अन्य घरेलू उद्योग अमोनियम

नाइट्रेट प्रिल्स का उत्पादन नहीं करता है बल्कि एलडीएन प्रिल्स का उत्पादन करता है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि मै0 डीएफपीसीएल उच्च तथा न्यून दोनों सघनता वाले अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स का मुख्य उत्पादक है और उन्हें ओपटीफॉर्म (एचडीएन प्रिल्स) तथा ओपटिमिक्स (एलडीएन प्रिल्स) ब्रांड नाम से बेचा जाता है। इसके लिए उन्होंने एसजीएस जांच रिपोर्ट यह बतलाते हुए कि ओपटीफॉर्म की सघनता 0.85 ग्रा/एमएल है जबकि उपभोक्ताओं ने 0.85% ग्रा0/एमएल से कम सघनता वाले अलेपित अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स का एसजीएस जांच प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया है, पेश किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्य निरपेक्ष रूप से यह प्रमाणित नहीं करते हैं कि ओप्टिफॉर्म रूप में बेचा गया अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स रूसी तथा ईराकी निर्यातकों द्वारा 0.85 ग्राम/एमएल से अधिक सघनता वाले निर्यातित एचडीएन प्रिल्स के समरूप है।

- (v) याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि यद्यपि सघनता के अनुसार वाणिज्यिक रूप से अमोनियम नाइट्रेट को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है, तकनीकी मापदंड के रूप में सघनता बहुत से उत्पाद विनिर्देशनों में उल्लिखित नहीं है। वस्तुतः सामग्री की जाँच रिपोर्ट सामान्यता सामग्री की सघनता नहीं दर्शाती है। यह वर्गीकरण तकनीकी आवश्यकता की अपेक्षा बाजार रूख के संदर्भ में अधिक संगत है। हितबद्ध पक्षकारों ने अपने निवेदनों के विभिन्न चरणों में तर्क उठाया है कि आयातित एचडीएन प्रिल्स घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे वस्तुओं के समान वस्तु नहीं है। उन्होंने आगे बल दिया है कि घरेलू उद्योग एचडीएन प्रिल को छोड़कर सभी अन्य रूपों का उत्पादन कर रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं एचडीएन शब्द आयात के पूर्व घरेलू वाणिज्यिक कारोबार प्रक्रिया में नहीं था और विनिर्माण इकाईयों की घरेलू जांच के दौरान उनकी बिक्रियाँ/विभिन्न उपभोक्ताओं की आपूर्ति दस्तावेजों से यह पाया गया था कि उत्पादकों ने कभी भी उत्पाद को एचडीएन प्रिल अथवा एचडीएन मेल्ट के रूप वर्णित नहीं किया बल्कि एन प्रिल अथवा एन मेल्ट के रूप में आपूर्ति की।
- (vi) एचडीएन प्रिल के संबंध में, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों तथा आयातकों/प्रयोक्ताओं द्वारा व्यक्त दृष्टिकोण पर विचार किया है। पाटनरोधी नियमों का नियम 2(घ) समान वस्तु को इस रूप में परिभाषित करता है,

"समान वस्तु का अर्थ है हर प्रकार से भारत में पाटित किए जाने हेतु जांचाधीन वस्तु के सारूप्य अथवा समान एक वस्तु अथवा ऐसी वस्तु की गैर मौजूदगी में, दूसरी वस्तु जो हालांकि हर प्रकार से समान नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के समान घनिष्ठ विशेषता वाली है।"

- (vii) निर्यातकों, आयातक/प्रयोक्ताओं के इस तर्क के संबंध में कि आयातित उत्पाद जांचाधीन वस्तु के सारूप्य अथवा हर प्रकार से समरूप नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने अन्य बातों के साथ-साथ यह बताया है कि अमोनियम नाइट्रेट के विभिन्न रूपों के बीच प्रतिस्थापनीयता काफी हद तक है, घरेलू तौर पर उत्पादित अमोनियम नाइट्रेट तथा आयातित एचडीएन प्रिल जिनका मात्र विस्फोटकों के उत्पादन में प्रयोग होता है कि विशेषताओं के अनुसार काफी घनिष्ठ समानता है। याचिकाकर्ताओं तथा हितबद्ध पक्षकारों दोनों के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी यह प्रमाणित करने को बाध्य है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सभी प्रकार के अमोनियम नाइट्रेट जांचाधीन उत्पादन में से एक, एचडीएन प्रिल्स के सामरूप्य अथवा हर प्रकार से समान हैं। एक सामरूप्य उत्पाद की

अनुपस्थिति में निर्धारण का अगला मापदंड कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जाने वाले उत्पाद जो हर प्रकार से समान नहीं है, जांचाधीन वस्तुओं के काफी समान है। एक हितबद्ध पक्षकार की अपनी स्वीकृति के अनुसार कि अमोनियम नाइट्रेट का विनिर्माण करने वाली दो इकाईयों नामतः सेल, राउरकेला तथा फर्टिलाइजर कारपोरेशन ऑफ इंडिया, सिन्दरी के बन्द/आवधिक रूप से बन्द होने के कारण पूर्वी भारत में स्थित विस्फोटक उद्योगों के पास आयातों का आश्रय लेने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है जो कि तुलनात्मक रूप से सस्ता और भारत के अन्य भागों से अमोनियम नाइट्रेट प्राप्त करने की तुलना में अधिक प्रयोक्ता अनुकूल थे। प्रयोक्ता उद्योग ने भी अपने निवेदनों में स्वीकार किया है कि मांग और आपूर्ति में अंतर होने के कारण वे आयातित अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स को सस्ता और हैंडलिंग में सुविधाजनक होने के कारण मेल्ट/ठोस अमोनियम नाइट्रेट की घरेलू आपूर्तियों की तुलना में अधिक पसंद करते हैं। एक ग्राहक ने अपने निवेदनों में यह भी स्वीकार किया है कि आयातित एचडीएन प्रिल्स की पहुँच कीमत और पिघले हुए/ठोस अमोनियम नाइट्रेट प्राप्त करने में अंतर के कारण एक 1000 रुपये/मी०टन से 1500 रुपये/मी०टन तक का न्यूनतम अंतर परिकलित होता है। इसलिए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू तौर पर उत्पादित पिघला हुआ अमोनियम नाइट्रेट/ठोस अमोनियम नाइट्रेट हितबद्ध पक्षकारों की स्वीकृति के अनुसार एचडीएन प्रिल्स के आयात के साथ काफी सीमा तक प्रतिस्थापनीय और परस्पर परिवर्तनीय हैं।

(viii) अप्रैल 2001 से फरवरी, 2003 तक की अवधि अर्थात् पीओआई के बाद अमोनियम नाइट्रेट की बिक्री के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्य से यह मालूम होता है कि अधिकांश विस्फोटक उद्योगों ने पिघला हुआ अमोनियम नाइट्रेट और अमोनियम नाइट्रेट प्रिल्स दोनों को प्राप्त किया है। घरेलू उद्योग की लागत की गणना और बिक्री की सूचना जांच के दौरान उनकी बिक्रियों और उत्पाद शुल्क रजिस्टर से यह सिद्ध हुआ था कि विस्फोटक उद्योग विस्फोटकों के विनिर्माण के लिए आयातित एचडीएन प्रिल्स और घरेलू तौर पर खरीदे गए पिघले हुए/ठोस एचडीएन का प्रयोग कर रहा है। ग्राहकों के दृष्टिकोण से ग्राहकों ने दोनों का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक रूप को आयात किया गया है और उसका प्रयोग किया गया है जबकि प्रयोग किए गए दूसरे रूप से दोनों रूपों का तकनीकी और वाणिज्यिक प्रतिस्थापन सिद्ध होता है।

(ix) यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि पहले अमोनियम नाइट्रेट के मुश्किल से कोई आयात हुए थे। आयातित सामग्री के उपयोक्ता केवल घरेलू स्रोत से अपनी आवश्यकता पूरी कर रहे थे। विस्फोटक विभाग नागपुर ने भी यह सूचित किया है कि आयातित उत्पाद का प्रयोग करके विस्फोटक विनिर्माताओं ने इसे लाभकारी पाया और उन्होंने एचडीएनपी का प्रयोग किया। प्राधिकारी विस्फोटक विभाग नागपुर द्वारा व्यक्त इस विचार को मानते हैं कि विस्फोटक उद्योग द्वारा आयातित एचडीएन प्रिल्स और घरेलू तौर पर उत्पादित अमोनियम नाइट्रेट का प्रयोग किया गया है। विस्फोटक विभाग ने यह भी कहा है कि एफसीआई सिन्दरी और सेल, राउरकेला के बन्द हो जाने के कारण पिघले हुए अमोनियम नाइट्रेट की कमी को आयातित एचडीएन प्रिल्स द्वारा पूरा किया गया है। दूसरे पिघले हुए और एलडीएनपी के प्रहस्तन में शामिल जोखिम एचडीएन प्रिल्स से अधिक है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि एक से दूसरे रूप की वरीयता से यह मालूम होता है कि सभी रूप तुलनीय है इसलिए प्राधिकारी को हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क में कोई गुणा-व-गुन नहीं मालूम होते हैं कि एचडीएन प्रिल्स को विचाराधीन उत्पाद अर्थात् अमोनियम नाइट्रेट के रूप में नहीं माना जा सकता। अतः प्राधिकारी को विभिन्न निर्यातकों/आयातकों द्वारा किए

गए इस तर्क में औचित्य मालूम होता है कि कीमत के मापदंड की पिघला हुआ अमोनियम नाइट्रेट, एचडीएएन प्रिल और एलडीएएन प्रिल के रूप में जांच की जाए क्योंकि विनिर्माण प्रक्रिया में पिघले हुए अमोनियम नाइट्रेट से एचडीएएन प्रिल और एलडीएएन प्रिल तक उत्पादन के प्रत्येक स्तर पर अतिरिक्त लागत आती है।

- (x) सीमाशुल्क विभाग ने अमोनियम नाइट्रेट चाहे वह तरल घोल हो अथवा नहीं के रूप में उत्पाद का वर्णन करते हुए उप-शीर्ष 3102.30 के अंतर्गत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 31 के अंतर्गत उत्पाद का वर्गीकरण किया है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि एचडीएएन प्रिल जिसे उक्त सीमाशुल्क उप-शीर्ष के अंतर्गत शामिल और स्वीकृत किया गया है, से एचडीएएन प्रिल का समान वस्तु होने का याचिकाकर्ता का दावा सिद्ध होता है।
- (xi) याचिकाकर्ता ने आगे यह दावा किया है कि अमोनियम नाइट्रेट चाहे किसी भी रूप में हो सामान्यता मात्र पिघले हुए रूप में उपयोग किया जाता है चूंकि इन्क्लेशन विस्फोटक जल में अमोनियम नाइट्रेट को आक्सीकृत घोल तैयार करने के बाद बनाया जाता है। इस प्रकार, अमोनियम नाइट्रेट का ठोस रूप में रूपांतरण एक तकनीकी आवश्यकता नहीं है बल्कि भंडारण और हैंडलिंग हेतु सुविधाजनक होता है। हितबद्ध पक्षकारों ने भी अपने निवेदनों में स्वीकार किया है कि अमोनियम नाइट्रेट के ठोस रूपों को विशिष्टीकृत टैंकर में किया जाता है जबकि पिघले हुए रूप के परिवहन हेतु नियंत्रित तापमान वाले विशेष टैंकरों की आवश्यकता होती है ताकि इसकी तकनीकी विशिष्टता को बनाए रखा जा सके। इस प्रकार पिघले हुए अमोनियम नाइट्रेट के वहन हेतु विशिष्टीकृत टैंकों के कारण अत्यधिक व्यय की आवश्यकता होती थी। प्राधिकारी वाणिज्यिक दृष्टिकोण से नोट करते हैं कि यह अमोनियम नाइट्रेट के पिघले हुए रूप को ठोस रूप में रूपांतरण के लिए अतिरिक्त लागत बनाम पिघले हुए रूप में शामिल उच्चतर परिवहन लागत के बीच एक लागत लाभ विश्लेषण है। लागत लाभ विश्लेषण संगत है क्योंकि एक समान उपभोक्ता ने समान प्रयोग के लिए विभिन्न उत्पादकों से ठोस तथा पिघले दोनों रूप में अमोनियम नाइट्रेट प्राप्त किया है।
- (xii) प्राधिकारी ने अप्रैल, 2000 से फरवरी, 2003 तक की अवधि के लिए उपभोक्ता के उपभोग पैटर्न की विस्तृत जांच की। प्राधिकारी ने विभिन्न उपभोक्ताओं को याचिकाकर्ता कम्पनियों की ग्राहक वार बिक्रियों के संबंध में सूचना का विश्लेषण किया है और नोट करते हैं कि:-

(क) काफी मामलों में, उपभोक्ताओं ने पिघला हुआ रूप खरीदा है। यह भी नोट किया जाता है कि कुछ मामलों में पिघले हुए रूप को ग्राहक के परिसरों तक परिवहन से पूर्व ठोस रूप में बदला गया है। काफी मामलों में, ऐसे मेल्ट को मेल्ट अवस्था में ही वहन किया गया है।

(ख) समान उपभोक्ता ने अमोनियम नाइट्रेट को विभिन्न रूपों में खरीदा है। उदाहरण के लिए, भारतीय विस्फोटक ने अमोनियम नाइट्रेट को प्रिल रूप में, पिघले हुए रूप में तथा लम्प रूप में खरीदा है। वर्तमान मामले में विनिमेयता के उचित स्तर के सुझाव के लिए पर्याप्त साक्ष्य है।

(ग) जबकि यह सही हो सकता है कि कुछ रूपों को अन्य के मुकाबले पसंद किया जा सकता है, दूसरे रूप के मुकाबले एक रूप का तरजीह दो उत्पाद को नापसंद उत्पादों के रूप में प्रस्तुत नहीं करता है। वस्तुतः तरजीह की विद्यमानता अनिवार्यतः प्रमाणित करती है कि उत्पादों का एक दूसरे के स्थान पर उपभोग किया जा सकता है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू तौर पर उत्पादित पिघला हुआ/ठोस अमोनियम नाइट्रेट की तुलना में एचडीएन प्रिल के प्रयोग से कुछेक लाभ हो सकते हैं तथापि दोनों सामग्री की मूल विशेषताएं समान होती हैं चूंकि दोनों का उपयोग विस्फोटकों के विनिर्माण में होता है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी अथवा विभिन्न कच्ची सामग्रियों की खपत आयातित एचडीएन प्रिल तथा पिघले हुए/ठोस अमोनियम नाइट्रेट दोनों के लिए समान है।

(xiii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को ध्यान में रखते हुए, और उनके अनुसार संबद्ध देशों से निर्यातित और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की प्रतिस्थापनीयता तथा उन्हीं उपभोक्ताओं द्वारा एक दूसरे के स्थान पर उनकी खपत के मद्देनजर प्रारंभिक निर्धारण के अंतर्गत निर्यातित एवं घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु को नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तु के रूप में मानते हैं। याचिकाकर्ताओं, आयातकों, निर्यातकों को ध्यान में रखते हुए, समान वस्तु से संबंधित पहलू, पाटन, क्षति, कारणात्मक संबंध की व्यापक जांच अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ की जा सकती है।

2. घरेलू उद्योग

(i) वर्तमान याचिका संयुक्त रूप से गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स कम्पनी लि० (जीएनएफसी), नेशनल फर्टिलाइजर्स लि० (एनएफएल) तथा दीपक फर्टिलाइजर्स तथा पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० (डीईपीसीएल) द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं द्वारा संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन भारत में समान वस्तु के उत्पादन का बड़ा हिस्सा परिकलित होता है। याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमों के तहत याचिका दायर करने की स्थिति को पूरा करते हैं, बाद में याचिका का समर्थन राष्ट्रीय केमिकल फर्टिलाइजर्स लि० द्वारा किया गया है।

(ii) कई हितबद्ध पक्षों ने तर्क दिए हैं कि मैसर्स डीएफपीसी एल वर्तमान याचिका को दायर करने के लिए पात्र नहीं है क्योंकि इसकी सहायक कम्पनी ने संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है और यह घरेलू उद्योग का संघटक नहीं है। प्राधिकारी ने मैसर्स दीपक फर्टिलाइजर एवं पेट्रोकेमिकल कारपोरेशन लि० की स्थिति के बारे में वस्तुस्थिति की जांच की है और निष्कर्ष निकाला है कि मैसर्स स्मार्टकेम टेक्नोलॉजी लि०, जोकि मैसर्स डीएफपीसीएल की एक सहायक कम्पनी है, ने जांच अवधि के पूर्व सामग्री का आयात किया है।

(iii) जहाँ तक घरेलू उद्योग की स्थिति का संबंध है, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता, निर्यातकों एवं आयातकों/प्रयोक्ताओं द्वारा अभिव्यक्त किए गए अभिमतों पर विचार किया है। पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(ख) घरेलू उद्योग को इस प्रकार परिभाषित करता है,

" घरेलू उद्योग का अर्थ है घरेलू उत्पादक जो समान वस्तु के विनिर्माण में तथा उनसे जुड़े किसी कार्य-कलाप में लगे हों अथवा वे जिनका कथित वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात हो सिवाय इसके कि ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा वे स्वयं उनके आयातक हों, इस स्थिति में ऐसे उत्पादक घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं समझे जाएंगे। "

अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जाँच के उद्देश्य से, जाँच अवधि के अंतर्गत किए गए आयात सुसंगत हैं, जैसाकि पहले ही विनिर्दिष्ट प्राधिकारी एवं सीगेट द्वारा निष्कर्ष निकाला गया है।

- (iv) प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं का हिस्सा घरेलू उद्योग के उत्पादन का 58 % बनता है और मैसर्स नेशनल केमिकल्स एवं फर्टीलाइजर्स लि० के समर्थन से घरेलू उद्योग का कुल उत्पादन 74 % बनता है। अतः पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) (क) एवं (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है और नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का भी प्रतिनिधित्व करता है।

3. सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत

धारा 9क (1) (ग) के अंतर्गत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:-

- (i) "सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिर्दिष्ट तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; या
- (ii) जहाँ निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

"बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।"

सामान्य मूल्य एवं कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण नीचे निर्देशित है।

- (i) प्राधिकारी ने धारा 9क (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। प्राधिकारी ने रूस के दो निर्यातकों तथा ईरान के एक निर्यातक से उत्तर प्राप्त किया। तथापि, निर्यातकों द्वारा दायर किए गए उत्तर नीचे दिए गए कारणों से अत्यधिक अपर्याप्त और अपूर्ण हैं।

ईरान

मैसर्स ईरान पेट्रोकेमिकल्स कमर्शियल कम्पनी, तेहरान

सामान्य मूल्य

- (i) मैसर्स आईपीसीसी, तेहरान ने अमोनियम नाइट्रेट की घरेलू बिक्री एवं निर्यातों से संबंधित जानकारी देते हुए प्रश्नावली का उत्तर दिया। शाटनरोधी नियमावली अनुबंध-1 (2) के अनुसार निर्यातक देश के घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की बिक्री व्यापार के सामान्य प्रक्रिया में होना चाहिए। प्राधिकारी ने पाया है कि निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराया गया उत्तर निम्न अवलोकन के कारण अत्यधिक अपर्याप्त हैं,
 1. परिशिष्ट-1 में घरेलू बिक्री का सौदेवार ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है,
 2. निर्यातक ने भारत को निर्यात, घरेलू बाजार बिक्री एवं तीसरे देशों को निर्यात से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है और परिशिष्ट 3 में पिछले दो वर्षों की जानकारी और जाँच अवधि के लिए महीनेवार जानकारी उपलब्ध कराना अपेक्षित है,
 3. परिशिष्ट-2 में एफओबी बंदर अबास ईरान के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई है जबकि परिशिष्ट-4 में विदेशी भाड़ा शून्य दिखा रहा है, इसके स्पष्टीकरण एवं भाड़ा, समुद्री बीमा तथा कमीशन के लिए सहायक दस्तावेज की आवश्यकता है,
 4. परिशिष्ट-4 में समायोजन के लिए सभी प्रभारों/खर्चों को निर्देशित नहीं किया गया है। सहायक दस्तावेजों के साथ पूरा ब्यौरा उपलब्ध कराए जाने की आवश्यकता है,
 5. परिशिष्ट-5 अपूर्ण है क्योंकि अमोनियम नाइट्रेट की बिक्री कीमत को निर्देशित नहीं किया गया है और कारखाना द्वार पर लागत निकालने के संबंध में दावा किए गए समायोजनों के लिए दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराने की आवश्यकता है,
 6. परिशिष्ट-7 में शुरूआती स्टॉक, उत्पादन, बिक्री एवं अंतिम स्टॉक के बारे में मात्रा एवं मूल्य उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इसके अलावा इसके बहुउत्पाद समूह होने के कारण अन्य उत्पादों के लिए जानकारी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है,
 7. निर्यातक प्रश्नावली के उत्पादन लागत से संबंधित परिशिष्ट-8,9 और 10 में अंतिम उत्पाद में कच्चे माल और अनुपात के संबंध में जानकारी आवश्यक है। चूंकि कम्पनी जाँच किए जा रहे उत्पादों के अतिरिक्त अन्य उत्पाद भी बनाती है इसलिए ऊपरी खर्चों के सारे घटक तथा लागत विभाजन जैसी उपयोगिताओं के आधार का विस्तृत स्पष्टीकरण उपलब्ध कराना आवश्यक है। ये व्यय लाभ एवं हानि खाते से प्रमाणित होने चाहिए और उत्पादन लागत की तिमाही जानकारी भी तिमाही बिक्री जानकारी के साथ तुलना के लिए आवश्यक है।
- (ii) कम्पनी ने सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर सकल लाभ के निर्धारण, बिक्री एवं प्रशासनिक तथा अन्य लागत और अधिप्रमाणित निवल लाभ के ब्यौरे देते हुए चालू वर्ष और पूर्ववर्ती दो वित्तीय वर्षों के लिए व्यापार लाभ एवं हानि लेखे तथा तुलन पत्र की प्रतियाँ उपलब्ध नहीं कराई है।
- (iii) निर्यातक द्वारा दायर किए गए अपर्याप्त उत्तर के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी पर ध्यान नहीं देने का निश्चय किया है और उपर्युक्त नियम

6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास किया है। अतः उद्गम वाले देश में अनुमानित उत्पादन लागत जमा बिक्री, प्रशासनिक एवं सामान्य खर्च और उचित समायोजनों के बाद उचित लाभ की मात्रा के बारे में उपलब्ध जानकारी को ईरान में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में लिया गया है।

- (iv) अतः अंतिम निर्धारण लंबित रहने तक प्राथमिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ मैसर्स ईरान पेट्रोकेमिकल कमर्शियल को०लि०, तेहरान के लिए सामान्य मूल्य का संदर्भ **** डालर/मी०टन लिया जाता है।

निर्यात कीमत

- (i) प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई निर्यात कीमत संबंधी जानकारी पर विचार किया है। निर्यातक ने बीमा, पत्तन व्यय, भंडारण, अंतर्देशीय भाड़ा के कारण समायोजन प्रदर्शित किया है जिसकी अनुमति दी गई है। तथापि, निर्यातक ने कमीशन एवं समुद्री भाड़े जिसे समायोजित कर लिया गया है के कारण समायोजन प्रदर्शित नहीं किया है जैसाकि याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया। प्राधिकारी ने मैसर्स आईपीसीसी, तेहरान के लिए ईरान से भारत के लिए कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत की गणना के लिए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ इन समायोजनों को स्वीकार कर लिया है, जो आगे-जाँच एवं सत्यापन के अधीन है। अंतिम निर्धारण के लंबित रहने तक प्राथमिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत का संदर्भ *** अ०डॉ०/मी०टन लिया गया है।

ईरान के अन्य निर्यातक/उत्पाद

सामान्य मूल्य

- (i) प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स आईपीसीसी, तेहरान को छोड़कर ईरान के किसी भी निर्यातक ने जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का प्रश्नावली के अनुसार उत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी ने असहयोग की स्थिति में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर सभी अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।
- (ii) अतः अंतिम निर्धारण के लंबित रहने तक ईरान के लिए प्राथमिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य का संदर्भ *** डॉ०/मी०टन लिया गया है।

निर्यात कीमत

- (i) याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए निर्यात कीमत को सहयोगी निर्यातक द्वारा दिए गए ऑकड़ों के साथ सह-संबद्ध किया गया है। चूँकि यह आपूर्ति के लिए थोक मद होने के कारण निर्यात कीमत में ज्यादा अंतर नहीं पाया गया है, इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं और पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सहयोगी निर्यातक के उसी निर्यात कीमत का संदर्भ लेने का निर्णय करते हैं।
- (ii) अंतिम निर्धारण के लंबित रहने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का संदर्भ **** डॉ०/मी०टन लिया गया है।

रूससामान्य कीमतमैसर्स जेएससी एजोट: बेरेज्जिकी

(i) मैसर्स जेएससी एजोट: बेरेज्जिकी ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है जो अत्यधिक अपर्याप्त है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि निर्यातक ने घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत एवं संबद्ध वस्तुओं के भारत को निर्यात कीमत के बारे में अपूर्ण तथा अपर्याप्त जानकारी दी है।

(क) परिशिष्ट-1 में नमूना बीजकों के साथ घरेलू बिक्री का सौदेवार ब्यौरा उपलब्ध कराना आवश्यक है।

(ख) परिशिष्ट-2 में बीजक की प्रति के साथ यह स्पष्ट करना है कि यह एक सी एंड एफ या सीआईएफ कीमत है।

(ग) परिशिष्ट-3 को बिल्कुल ही उपलब्ध नहीं कराया गया है,

(घ) परिशिष्ट-4 में, कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए दावा किए गए साक्ष्यों को प्रस्तुत करें,

(ङ) परिशिष्ट-5 में भी साक्ष्यों के साथ सभी समायोजनों को प्रस्तुत किए जाने की आवश्यकता है।

(च) परिशिष्ट-7 अपूर्ण है क्योंकि निर्यातक प्रश्नावली में प्रपत्र के अनुसार शुरूआती स्टॉक, उत्पादन एवं बिक्री के बारे में ब्यौरा नहीं उपलब्ध कराया गया है, चूंकि यह एक बहुउत्पाद समूह है, विचाराधीन उत्पाद के साथ ही अन्य उत्पादों के लिए ब्यौरा उपलब्ध कराया जा सकता है,

(छ) निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार परिशिष्ट 8,9, एवं 10 में भारत को निर्यात, घरेलू बिक्री एवं भारत के अलावा अन्य देशों के संबंध में उत्पादन लागत प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

(ii) कम्पनी ने सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर सकल लाभ के निर्धारण, बिक्री एवं प्रशासनिक तथा अन्य लागत और अधिप्रमाणित निवल लाभ के ब्यौरे देते हुए चालू वर्ष और पूर्ववर्ती दो वित्तीय वर्षों के लिए व्यापार, लाभ एवं हानि लेखे तथा तुलन पत्र की प्रतियाँ उपलब्ध नहीं कराई हैं।

(iii) जहाँ तक उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानने के बारे में निर्यातकों द्वारा दिए गए तर्क का संबंध है, ईसी और यूएसडीओसी ने अपने जाँच परिणामों में रूस को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। याचिकाकर्त्ताओं ने दावा किया है कि ईसी द्वारा 50 मिमी0 से अनधिक की चौड़ाई वाले कुछेक ग्रेन ओरिएन्टेड इलेक्ट्रिकल शीट्स और स्ट्रिप्स (फ्लैट-रोल्ड उत्पाद) के मामले में पिछले तीन वर्षों में रूस को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है और ईसीडब्ल्यूटीओ का सदस्य है। जहाँ तक बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के बारे में दावे का संबंध है प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के तहत गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था के मुद्दे के संबंध में पाटनरोधी मामलों से संबंधित विभिन्न सीमाशुल्क अधिसूचना सं0 44/99, दिनांक

15-जुलाई, 1999, सं० 28/2001 दिनांक 31 मई, 2001 और सं० 1/2001, दिनांक 4 जनवरी, 2002 के मद्देनजर उनके अनुरोधों की जाँच की है।

- (iv) ज्ञात निर्यातकों तथा रूस के दूतावास को दी गई सूचना के अनुसार प्राधिकारी यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 और 8 के मद्देनजर याचिकाकर्ता के दावे की जाँच करने का प्रस्ताव करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने उपर्युक्तानुसार पूर्ण सूचना प्रस्तुत नहीं की है इसलिए इन परिस्थितियों में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में घरेलू बिक्री संबंधी जाँच और धारा 9 का 1(ग) में निहित प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना संभव नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि निर्यातक ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8 के उप-पैरा-3 में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना /पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं ताकि प्राधिकारी इन बातों का निर्धारण करने के लिए निम्नलिखित मापदण्डों पर विचार कर सकें कि क्या,

(क) कीमत, लागत और कच्ची सामग्री सहित निविष्टियों, प्रौद्योगिकी तथा श्रम लागत, उत्पादन बिक्री और निवेश के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों का निर्णय आपूर्ति एवं माँग को प्रदर्शित करने वाले बाजारी संकेतों के प्रत्युत्तर में और इस संबंध में राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप के बिना लिया जाता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्यों को पर्याप्ततः प्रदर्शित किया जाता है;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की प्रणाली से अग्रणीत पर्याप्त विकृतियाँ खासकर परिसंपत्तियों के मूल्य ह्रास, अन्य बट्टे-खाते, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षति-पूर्ति के जरिए भुगतान से संबंधित विकृतियों के अधीन है;

(ग) ऐसी फर्में दिवालियापन तथा संपत्ति कानूनों के अधीन है जो फर्मों के प्रचालन हेतु कानूनी निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी प्रदान करते हैं; और

(घ) विनिमय दर में परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं;

परन्तु यदि इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित में इस आशय का पर्याप्त साक्ष्य प्रदर्शित किया जाता है कि पाटनरोधी जाँच के अधीन ऐसी एक या अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियाँ विद्यमान हैं तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैराग्राफ में निर्धारित सिद्धांतों के बजाय पैराग्राफ-1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

- (v) अतः प्राधिकारी उपर्युक्त पाटनरोधी नियमों के तहत गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था के मुद्दे के बारे में पाटनरोधी मामलों में सीमाशुल्क अधिसूचना सं० 28/2001, दिनांक 31 मई, 2001 और सं० 1/2002 दिनांक 4 जनवरी, 2002 के मद्देनजर पर्याप्त साक्ष्य के साथ गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था के मुद्दे पर निर्यातक द्वारा कोई खंडन न किए जाने और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत उपलब्ध नहीं कराई गई है, जिससे प्राधिकारी व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के परीक्षण को लागू नहीं कर सकें हैं और बिक्रियों के दूरवर्ती होने के तथ्य का निर्धारण नहीं कर सकें हैं।

- (vi) निर्यातक द्वारा दायर किए गए अपर्याप्त उत्तर के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी पर ध्यान नहीं देने का निश्चय किया है और उपर्युक्त नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास किया है। अतः उद्गम वाले देश में अनुमानित उत्पादन लागत जमा बिक्री, प्रशासनिक एवं सामान्य खर्च और उचित समायोजनों के द्वारा उचित लाभ की मात्रा के बारे में उपलब्ध जानकारी को रूस में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में लिया गया है।
- (vii) अतः अंतिम निर्धारण लंबित रहने तक प्राथमिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ मैसर्स जेएससी एजोट, बेसिज्जिकी, रूस के लिए सामान्य मूल्य का संदर्भ *** डा0/मी0एन लिया जाता है।

निर्यात कीमत

- (i) प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई निर्यात कीमत संबंधी जानकारी पर विचार किया है। निर्यातक ने समुद्री भाड़ा, पत्तन व्यय, भंडारण, अंतर्वेशीय भाड़ा के कारण समायोजन प्रदर्शित किया है जिसकी अनुमति दी गई है। तथापि, निर्यातक ने समुद्री भाड़े जिसे समायोजित कर लिया गया है के कारण समायोजन प्रदर्शित नहीं किया है जैसाकि याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया। प्राधिकारी ने मै0 जेएससी एजोट बेसिज्जिकी के लिए रूस से भारत के लिए कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत की गणना के लिए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ इन समायोजनों को स्वीकार कर लिया है, जो आगे जाँच एवं सत्यापन के अधीन है। अंतिम निर्धारण के लंबित रहने तक प्राथमिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत का संदर्भ *** अ0डा0/मी0एन लिया गया है।

मै0 जेएससी नेविन्नोमिसिक्वि एजोट, रूस

सामान्य मूल्य

- (i) मै0 जेएससी नेविन्नोमिसिक्वि, एजोट ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। उपर्युक्त परिशिष्ट-1 और 2 में क्रमशः गृह बाजार में घरेलू बिक्रियों तथा भारत को किए गए निर्यातों के बारे में सूचना प्रस्तुत नहीं की। पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 1(2) के अनुसार निर्यातक देश के घरेलू बाजार में समान उत्पाद की बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में होनी चाहिए। व्यापार की सामान्य प्रक्रिया का परीक्षण केवल तभी हो सकता है जब संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्रियों की सूचना उपलब्ध होती है। परिशिष्ट-4 में एफओबी से पहले किया गए समायोजन किसी दस्तावेजीय साक्ष्य के बगैर होते हैं।

- (ii) परिशिष्ट-5 में घरेलू बिक्रियों के लिए बिक्री कीमत ढांचे में पैकिंग, भाड़ा, बीमा, भंडारण तथा हैंडलिंग आदि के बारे में समायोजन नहीं बताया गया है। परिशिष्ट-3 में कम्पनी की कुल बिक्रियाँ परिशिष्ट-7 में दिए गए ब्याजों के अनुरूप नहीं है।
- (iii) परिशिष्ट-7 में प्रारंभिक स्टॉक, उत्पादन, बिक्रियाँ और अंतिम स्टॉक के बारे में मात्रा तथा मूल्य को प्रस्तुत किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त अन्य उत्पादों के लिए विस्तृत सूचना की आवश्यकता है चूँकि यह बहु उत्पाद समूह है।
- (iv) उन्होंने घरेलू बाजार तथा अन्य देशों को बिक्रियों के लिए उत्पादन की लागत के बारे में जानकारी प्रस्तुत की है जिसमें भारत को निर्यात भी शामिल है। यह अपेक्षित है कि निर्यातक भारत को निर्यात के लिए उत्पादन की लागत प्रस्तुत करे जैसाकि निर्यातकों की प्रश्नावली के परिशिष्ट-8 में दिया गया है।
- (v) इसी और यूएस को बाजार अर्थ-व्यवस्था के रूप में विचार करने हेतु दिए गए तर्क के बारे में वाणिज्य विभाग ने अपने निष्कर्षों में रूस को बाजार अर्थ-व्यवस्था के रूप में माना है। प्राधिकारी ने जाँच की और पाया कि चूँकि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत पाटनरोधी नियमों में कोई कानूनी प्रावधान तथा विधिशाला नहीं है, प्राधिकारी सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम तथा उसके अंतर्गत नियमों में दिए गए अपेक्षित प्रावधानों के अनुसार जांच कर रहे हैं। बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के उनके दावे के बारे में प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था के मुद्दे के बारे में पाटनरोध पर विभिन्न सीमाशुल्क अधिसूचना सं0 44/99, दिनांक 15 जुलाई, 1999, सं0 28/2001, दिनांक 31 मई, 2001 तथा सं0 1/2001, दिनांक 4 जनवरी, 2002 के प्रकाश में उनके अनुरोधों की जांच की है।
- (vi) जैसा कि ज्ञात निर्यातकों तथा रूस के दूतावास को सूचित किया गया, प्राधिकारी यथा संशोधित पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा-7 और 8 के संदर्भ में याचिकाकर्ता के दावे की जांच करने का प्रस्ताव करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने उपरोक्त के अनुसार पूरी सूचना प्रस्तुत नहीं की है सामान्य व्यापार में घरेलू बिक्रियों का परीक्षण मौजूदा परिस्थितियों में सम्भव नहीं है और साथ ही धारा 9क 1(ग) में दिए गए उपबंधों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना भी संभव नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि निर्यातक ने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा-8 के उप-पैरा-3 में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंड पर विचार कर सके कि क्या;

(क) कीमतों, लागतों और निविष्टियों जिनमें कच्चा माल, प्रौद्योगिकी की लागत तथा श्रम उत्पादन बिक्रियाँ तथा निवेश शामिल हैं, के बारे में किसी देश में संबंधित फर्मों के निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार सिगनलों के उत्तर में इस बारे में देश के हस्तक्षेप के बिना किए जाते हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें बड़ी मात्रा में बाजार मूल्यों को परिलक्षित करती हैं;

(ख) उत्पादन लागतों तथा ऐसी फर्मों की वित्तीय दशा भूतपूर्व और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से की गई महत्वपूर्ण विकृतियों विशेष रूप से परिसम्पत्तियों का ह्रास, अन्य बट्टे खाते, विनिमय व्यापार तथा ऋणों के प्रतिपूर्ति के जरिये भुगतान के अधीन हैं;

(ग) ऐसी फर्मों दीवालियापन तथा सम्पत्ति कानूनों के अधधीन है जो फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता की गारंटी तथा स्थायित्व प्रदान करती हैं;

(घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर से किए जाते हैं;

बशर्ते की इस पैरा में विनिर्दिष्ट मापदंड के आधार पर लिखित में पर्याप्त साक्ष्य द्वारा यह दिखाई देता है कि बाजार स्थिति पाटनरोधी जांच के अध्यक्षीन ऐसी एक या अधिक फर्मों में प्रचलित है। निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैरा में निर्धारित सिद्धांतों की बजाय पैरा 1 से 6 पैरा में निर्धारित किए गए सिद्धांत लागू कर सकते हैं।

- (vii) प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के अनुबंध-1 के पैरा-8 के उप-पैरा 3 में यथापेक्षित निर्यातक द्वारा दी गई पर्याप्त सूचना/दस्तावेजीय साक्ष्य के अभाव में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा स्वीकार करने के लिए बाध्य हैं। निर्यातक ने यह बताने के लिए पर्याप्त सूचना तथा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि यह बाजार दशा के तहत काम कर रहा है।
- (viii) अतः प्राधिकारी ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई अपर्याप्त सूचना तथा निर्यातक द्वारा दिए गए अपर्याप्त उत्तर के मद्दे नजर, निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की सूचना को ध्यान में न रखने का निर्णय लिया और नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास किया। अतः मूल देश में उत्पादन की लागत के साथ-साथ बिक्री, प्रशासनिक तथा सामान्य खर्च और समुचित समायोजन करने के बाद लाभ की समुचित राशि संबंधी उपलब्ध सूचना को रूस में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निकालने के लिए आधार रूप में लिया है।
- (ix) अतः अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजन के लिए मै. जेएससी नेविनोमिस्कीव अजोट, रूस के लिए सामान्य मूल्य *** डालर/मी.टन के रूप में उल्लेख किया है।

निर्यात कीमत

- (i) प्राधिकारी निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई निर्यात कीमत के बारे में विचार करते हैं। निर्यातक ने समुद्री भाड़ा, पत्तन व्यय, भंडार, अंतर्राज्यीय भाड़ा, कमीशन के कारण समायोजन दिखाए हैं जिनकी अनुमति दी गई है। तथापि, निर्यातक ने समुद्री बीमा, के कारण कोई समायोजन नहीं दर्शाए हैं जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुसार समायोजित किया गया है तथा रूस के अन्य निर्यातकों से कमीशन प्राप्त कर समायोजित किया गया है। प्राधिकारी ने और जांच तथा सत्यापन के अध्यक्षीन मै0 जेएससी नेविनोमिस्की अजोट, रूस के भारत को कारखाना द्वार पर निवल निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजन के लिए इन समायोजनों को स्वीकार किया है। अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजन के लिए यूएस डालर ***/मी0टन के रूप में निर्यात कीमत का उल्लेख किया है।

रूस के अन्य निर्यातक/उत्पादक

सामान्य मूल्य

- (i) प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 जेएससी अजोट बेरजनिगी, रूस तथा मै0 जेएससी नेविनोमिस्की अजोट, रूस को छोड़कर रूस से किसी भी निर्यातक ने प्रारंभिक अधिसूचना के उत्तर में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी ने गैर-सहयोग के मद्दे नजर

पाटनरोधी नियमों के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सभी अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।

- (ii) अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजन के लिए रूस के लिए *** डालर/मी0टन सामान्य मूल्य होने का उल्लेख किया है।

निर्यात कीमत

- (i) याचिकाकर्ता द्वारा दी गई निर्यात कीमत सहयोगी निर्यातक द्वारा दिए गए आंकड़ों से सह-संबद्ध की गई है। यह आपूर्ति की बल्क मद है। इस प्रकार निर्यात कीमत में अधिक अंतर नहीं पाया गया है, अतः प्राधिकारी नोट करते हैं और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजन के लिए सहयोगी निर्यातक के न्यूनतम कीमत को रखने का निर्णय लेते हैं।
- (ii) अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजन से कारखाना-द्वार पर निर्यात कीमत *** डालर/मी0टन रखी गई है।

4. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की पाटन तुलना

तुलना से संबंधित नियम निम्नानुसार हैं :

- (i) "डंपिंग का मार्जिन निकालते समय, नामित प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यता कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अन्तर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अन्तर में शामिल हैं - बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा कोई अन्य अन्तर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"
- (ii) सम्बद्ध देश के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन का मूल्यांकन करने के लिए जांच की अवधि में प्राधिकारी ने भारित औसत कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना की है।

निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निकलता है :

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य (एनवी) डालर/मी0टन	निर्यात कीमत (ईपी) डालर/मी0टन	निर्यात कीमत की % के रूप में पाटन मार्जिन
(1) रूस	****	****	90 %
(क) मै0 जेएससी अजोत बेर्जनिकी	****	****	
(ख) मै0 जेएससी नेवीनोमिस्किव अजोत	****	****	89 %
सभी अन्य निर्यातक/उत्पादक	****	****	150 %
(2) ईरान	****	****	87 %
मै0 आईपीसीसी, तेहरान	****	****	
सभी अन्य निर्यातक/उत्पादक	****	****	89 %

क्षति तथा कारणात्मक सम्बन्ध

- (i) ऊपर नियम 11 अनुबंध-2 के अंतर्गत जब क्षति का निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का निर्धारण भी शामिल होगा। ऐसा करते समय सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखा जाएगा जिनमें शामिल हैं - डम्प किए गए आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनका प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव ***। "कीमतों पर डम्प किए गए आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में डम्प किए गए आयातों द्वारा कीमतों में पर्याप्त कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव पर्याप्त मात्रा में कीमतों को अन्यथा कम करना या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी बढ़ गई होती।
- (ii) भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए हम उक्त नियामवली के अनुबंध-II (iv) के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार कर सकते हैं जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों जैसे उत्पादन क्षमता का उपयोग, बिक्री का भंडार, लाभप्रदता निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि।

संचयी मूल्यांकन

- i) रूस और ईरान के निर्यातक भारतीय बाजार में अमोनियम नाइट्रेट का पाटन कर रहे हैं पाटनरोध नियमों के अनुबंध II (iii) में यह अपेक्षित है कि जहां एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन तभी करेगा जब वह यह निर्धारित करे कि
- ii) प्रत्येक देश से हुए आयातों के संबंध में प्रमाणित किया गया पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान उत्पाद के आयात की तीन प्रतिशत है अथवा जहां अलग अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, वहां संचयी आयात समान उत्पाद के आयात के सात प्रतिशत से अधिक बनता हो, और
- iii) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपर्युक्त है।
- iv) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- v) यह देखा गया है कि प्रत्येक संबद्ध देश से हुए आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक हैं। आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन करना उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सामान वस्तुओं के साथ सीधे ही प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।
- vi) प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध वस्तुओं के आयातों के द्वारा घरेलू उद्योग पर क्षति का संचयी प्रभाव पड़ा है।

पाटित आयातों की मात्रा और बाजार हिस्सा

i) आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी ने वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस), कोलकाता और गौण स्रोतों द्वारा प्रकाशित संबद्ध वस्तुओं के आयातों की सांख्यिकी पर विचार किया है। प्राधिकारी ने निर्यातक और आयातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना पर भी विचार किया है और यह पाया कि निर्यातक और आयातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों के सदृश है इसलिए प्राधिकारी ने संबद्ध देश से आयात रुझान और इससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण करने के लिए डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया है।

ii) डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देश से अमोनियम नाइट्रेट के आयात की मात्रा, जिसकी प्राधिकारी द्वारा जांच की गई और याचिकाकर्ताओं, आयातकों और निर्यातकों के अभिमतों पर विचार किया गया।

घरेलू उद्योग	2000-01		जांच अवधि वार्षिक		2001-02		प्रथम तिमाही	
विवरण	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
संबद्ध देश								
रूस	12046		31757 .6		19786		19911	
ईरान	0		9600				12000	
कुल	12046		41357 .6		19786		31911	

iii) यह स्पष्ट है कि जांच अवधि अप्रैल 2001-जून 2002 के दौरान इरान और रूस द्वारा 51697 मी.टन अमोनियम नाइट्रेट का निर्यात किया गया था। अमोनियम नाइट्रेट के आयात में समग्र रूप से काफी वृद्धि हुई है जैसाकि उपर्युक्त तालिका में देखा जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से अमोनियम नाइट्रेट के आयातों में भारी वृद्धि हुई है। 2001-2002 की अवधि के दौरान आयातों में 2000-2001 में हुए आयातों की तुलना में 191% तक वृद्धि हुई है। जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान आयातों में पिछले वर्ष की तुलना में 371% तक वृद्धि हुई। वर्ष 2002-2003 की पहली तिमाही के दौरान आयातों में काफी वृद्धि अर्थात् 31911 मी.टन की हुई।

	1998-99	1999-00	2000-01	वार्षिक जांच अवधि	2001-02	2000-03 प्रथम तिमाही
माँग में हिस्सा %						
व्यापारिक उत्पादन	8.05	14.69	17.49	26.01	25.92	20.13
संबद्ध देशों से आयात	0	0	2.17	8	3.74	20.84
अन्य भारतीय उत्पादक	22.49	21.16	27.42	19.09	18.64	16.12
कैप्टिव खपत सहित माँग	584517	546492	542596	516934	529417	153089

iv) उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि कुल माँग में आयातों की मात्रा का हिस्सा 2000-2001 में 2.17% से बढ़कर जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान 8% हो गया है जबकि माँग में बाजार हिस्सा भी 2000-01 के दौरान 17.49% से बढ़कर जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान 26.01% हो गया है घरेलू उद्योग के पास बाजार की माँग को पूरा करने की क्षमता है जिसे पाटित आयातों द्वारा अन्यथा अवरुद्ध कर दिया गया है।

कैप्टिव खपत छोड़कर माँग	1998-99	1999-00	2000-01	जांच अवधि (वार्षिक)	2001-2002	प्रथम तिमाही 2002-03
व्यापारिक माँग (मी. टन)	178557	195913	245824	274485	255756	87391
घरेलू उद्योग %	26.36	40.97	39.45	48.98	53.66	35.25
अन्य उत्पादक %	73.64	59.03	60.52	35.95	38.58	28.23
संबद्ध देशों से आयात			4.67	15.07	7.74	36.52

उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि व्यापारिक माँग में आयात का हिस्सा 2000-01 में 4.67% से बढ़कर जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान 15.07% हो गया है जबकि घरेलू उद्योग का हिस्सा भी 2000-01 में 37.62% से बढ़ कर जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान 48.39% हो गया है। व्यापारिक माँग में घरेलू उद्योग के हिस्से में उक्त वृद्धि अमानियम नाइट्रेट को दो विनिर्माण इकाइयों अर्थात् सेल, राउरकला और एफ सी आई सिंदर के बंद होने के कारण आई है।

vi) कीमत कटौती तथा कीमत हास

पाटित आयातों का कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि आयातों के पाटन से कीमत में भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आनी है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की है और

यह पाया है कि पाटित आयातों द्वारा कीमत में भारी कटौती हुई है। आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम पाया गया है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की जांच की है कि घरेलू उद्योग को अमोनियम नाइट्रेट की बिक्री के कारण घाटा हो रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति का आकलन करने के लिए कम कीमत पर बिक्री एक प्रमुख संकेतक है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की क्षति सहित कीमत निकाली हो और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा का आकलन करने के लिए उसकी तुलना पहुंच मूल्य के साथ की है। इस विश्लेषण से कम कीमत पर बिक्री का महत्वपूर्ण प्रभाव प्रदर्शित होता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। आयातों से घरेलू बाजार कीमतों पर अत्यधिक ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव पड़ रहा था क्योंकि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के मद्देनजर अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है। इस प्रकार उपलब्ध साक्ष्य की जांच से यह पता चलता है कि समग्र घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की अपनी बिक्रियों पर क्षति पहुंची है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती की मात्रा निर्धारित की है और यह माना है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण जांच अवधि के दौरान कीमत में भारी कटौती का सामना करना पड़ा है और कम कीमत पर बिक्री की है।

vii) लाभप्रदता

घरेलू उद्योग	1998-99	1999-00	2000-01	जांच अवधि	2001-02	प्रथम तिमाही 2002-03
उत्पादन की यूनिट लागत	****	****	****	****	****	***
रुझान	100	123.48	132	124.92	****	
यूनिट बिक्री कीमत	****	****	****	****	****	***
रुझान	100	109.17	123.78	118.15	****	
यूनिट लाभ/घाटा	****	****	****	****	****	
रुझान	-100	-289.50	%227.36	-202.28		

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में गिरावट आई है जबकि बिक्री कीमत में भी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को इस तथ्य की वजह से घाटा हो रहा है घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण बाजार को बनाए रखने के लिए बिक्री कीमत अपनी उत्पादन लागत से कम करने के लिए बाध्य हुआ है। उद्योग को कम कीमत पर बिक्री के कारण वास्तविक क्षति हुई है जिसके परिणाम स्वरूप उत्पादन लागत की प्राप्ति नहीं हुई है जिसके वित्तीय घाटा हुआ है।

viii) माल सूची/स्टॉक

घरेलू उद्योग	1998-99	1999-00	2000-01	जांच अवधि वार्षिक	2001-02	प्रथम तिमाही 2002-03
आरंभिक स्टॉक (मी.टन)	293.2	293.2	108.07	358.61	358.61	498.44
रूझान %						
अंतिम स्टॉक (मी.टन)	296.43	107.97	358.61	463.78	498.44	323.65
रूझान %						
औसत स्टॉक	294.865	202.1	233.19	411.19	428.075	411.045
रूझान						

प्राधिकारी नोट करते हैं कि माल सूची 1999-00 में 107.97 मी.टन से बढ़ कर 2000-01 में 358.61 मी.टन हो गई है और जांच अवधि (वार्षिक) में यह अत्यधिक बढ़कर 463.78 मी.टन हो गई है। औसत स्टॉक में वृद्धि का रुख प्रदर्शित होता है जो 1999-00 में 202.1 मी.टन से बढ़कर 2000-01 में 233.19 मी.टन हो गया है जो जांच अवधि के दौरान आगे और बढ़ कर 411.19 मी.टन हो गया है। याचिकाकर्ताओं का अनुरोध है कि ए एन ठोस की प्रकृति अत्यधिक आर्द्रताग्राही होती है और उसकी परिरक्षण अवधि सीमित होती है जिसकी वजह से वे अधिक भंडार नहीं रखते हैं एएन ड्रव के मामले में चूंकि सामग्री का भंडारण लगभग 130° सी के तापमान पर उष्मारोधी भंडारण टैंक में किया जाता है इसलिए संयंत्र का प्रचालन भाप की लागत को बचाने के लिए बहुत ही कम है भंडार सूची हेतु किया जाता है। अतः एएन ठोस और एएन ड्रव दोनों की भंडार सूचियां उत्पादन मात्रा तथा बिक्री ठेकों की उपलब्धता के न्यूनतम स्तर पर हैं।

ix) उत्पादन एवं क्षमता उपयोग

घरेलू उद्योग	1998-99	1999-00	2000-01	जांच अवधि वार्षिक	2001-02	प्रथम तिमाही 2002-03
क्षमता	563587	563587	563587	563.587	563587	563587
उत्पादन	453034	430683	394007	406083	411053	96891
क्षमता उपयोग %	80.38	76.41	69.91	72.08	72.94	68.68
घरेलू बिक्री	47070	80272	98985	134444	137246	30889

उत्पादन में 2000-01 के दौरान वृद्धि हुई है किन्तु जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान इसमें 3% की मामूली वृद्धि हुई है। क्षमता उपयोग भी पूर्ववर्ती वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि में 1% से कुछ अधिक बढ़ा है। घरेलू बिक्री में मांग में बढ़ोतरी के कारण वृद्धि का रुख प्रदर्शित हो रहा है किन्तु उद्योग को पाटित आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने उत्पाद की बिक्री अलामकारी कीमत पर करनी पड़ी थी और ऐसा मै. सेल, राउरकेला और मै. एफसीआई, सिंदरी की बिक्री/ठेके का स्थानांतरण घरेलू उद्योग को किए जाने के कारण हुआ है क्योंकि उन्होंने अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन बंद कर दिया है।

x) पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में गिरावट आई है, उत्पादन लागत में आई गिरावट बिक्री कीमत में आई गिरावट से काफी अधिक थी। वस्तुतः यह पाया गया है कि जांच अवधि में प्रति यूनिट घाटे में भी वृद्धि हुई है तथापि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को उचित बिक्री कीमत प्राप्त करने के लिए कीमत में विधि सम्मत वृद्धि करने से वंचित किया गया है।

xi) घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है क्योंकि अन्य भारतीय उत्पादकों ने उत्पादन स्थगित कर दिया है।

xii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि जांच अवधि 15 माह की है तथापि आयात अधिकांशतः जांच अवधि के अंतिम तीन महीनों में ही भारतीय पत्तनों पर पहुंचे हैं। अप्रैल 02-जून 02 में आयातों में तेजी से हुई वृद्धि के कारण इस अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन बिक्री तथा क्षमता उपयोग को नुकसान पहुंचा है।

xiii) घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में जांच अवधि के दौरान कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है।

क्षति का खतरा

जहां तक क्षति के खतरे का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों में निम्नानुसार उल्लेख है:-

i) वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण तथ्यों के आधार पर किया जाएगा और न कि केवल आरोप कल्पना अथवा परोक्ष संभावना के आधार पर। परिस्थितियों में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली ऐसी किसी स्थिति का स्पष्ट तौर पर अनुमान लगाया जाना चाहिए और ऐसी स्थिति आसन्नवर्ती होनी चाहिए जिसमें पाटन से क्षति पहुंचेगी। वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी के संबंध में आकलन करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित कारकों पर विचार करेगा:-

(क) भारत में पाटित आयातों की अत्यधिक वृद्धि दर जिससे आयातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना प्रदर्शित होती हों।

(ख) किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए निर्यातक की पर्याप्त मुक्त रूप से निपटान योग्य क्षमता अथवा उसमें तत्काल पर्याप्त वृद्धि जिससे भारतीय बाजार को अत्यधिक संवर्धित पाटित निर्यातों की संभावना प्रदर्शित होती हों

(ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं, जिनसे घरेलू कीमतों में अत्यधिक गिरावट या कमी आएगी और जिनसे आगे और आयात हेतु मांग बढ़ने की संभावना होगी; तथा

(घ) वस्तु सूचियों की जांच की जा रही हो।

घरेलू उद्योग को पहले हो चुकी वास्तविक क्षति के अतिरिक्त अब उसे पाटित आयातों से भी वास्तविक क्षति होने का गंभीर खतरा है, जैसा कि निम्नलिखित से स्पष्ट हो जाएगा।

i) प्राधिकारी ने क्षति के खतरे के संबंध में याचिकाकर्ताओं के तर्कों का परीक्षण किया है और नोट

किया है कि बहुत से देश रूस से अमोनियम नाइट्रेट के आयातों पर पहले ही पाटनरोधी शुल्क लगा चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप रूसी निर्यातकों पर भारतीय बाजार में अधिक विक्रय करने का दबाव बढ़ गया है, क्योंकि उनका उत्पादन आधार विस्तृत है। डी जी सी आई एंड एस के आयात आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि पिछले 3 महीनों की जांच अवधि (अप्रैल-जून 2002) के दौरान रूसी निर्यातकों द्वारा 2001-02 के 19786 मी.टन की तुलना में 19911 मी.टन के अमोनियम नाइट्रेट का निर्यात किया गया। डी जी सी आई एंड एस कोलकाता से उपलब्ध आयात आंकड़ों के अनुसार जुलाई-सितम्बर 2002 (जांच अवधि के पश्चात) रूसी निर्यातकों द्वारा 37926.3 मी.टन के अमोनियम नाइट्रेट का निर्यात किया गया था।

- ii) आयातों के द्वारा घरेलू बाजार की कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है।
- iii) संबद्ध देशों में निर्यातकों के पास पर्याप्त वेशी क्षमता है।
- iv) जांच अवधि के बाद के काल में भी आयातों की प्रवृत्ति समान रूप से पर्याप्त है।

क्षति के बारे में निष्कर्ष:

उपर्युक्त के आधार पर, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले हैं-

- क) संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में भारत में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- ख) संबद्ध देशों से आयातों में भारत में अमोनियम नाइट्रेट की मांग की तुलना में वृद्धि हुई है।
- ग) आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में भारी कटौती हुई है।
- घ) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी कमी आई है जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय घाटे हुए हैं।
- ड.) याचिकाकर्ता कीमत में कमी/हास का सामना कर रहा है क्योंकि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से कम है।
- च) याचिकाकर्ता कम कीमत पर बिक्री कर रहा है क्योंकि संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति सहित कीमत अथवा उचित बिक्री कीमत से कम हैं।
- छ) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- ज) क्षति के खतरे का स्पष्ट सबूत है।

कारणात्मक संबंध

1. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 2 के नियम (iv) में यह उल्लेख है:

- i) घरेलू उद्योग की चिंताओं पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संबद्ध आर्थिक कारकों का एक मूल्यांकन करना और उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले संकेतकों को मूल्यांकन करना शामिल होगा, इसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्राप्ति या क्षमता का उपयोग, कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा नकद प्रवाह, सामान, रोजगार, मजदूरी वृद्धि, पूंजीगत निवेश को बढ़ाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल है।

ii) प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों की बढ़ती हुई मात्रा और जो जांच अवधि की अंतिम तिमाही में काफी अधिक बढ़ गई है, के परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि होने के बाद भी याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कमी आई है जिससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। एच डी ए एन प्रिल्स पर पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में प्राधिकारी ने यह पाया है कि उनकी विशेषताओं में अत्यधिक समानरूपता के आधार पर यह घरेलू रूप से उत्पादित अमोनियम नाइट्रेट के समान वस्तु है। ये वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। एच डी ए एन प्रिल के आयात के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री संविदा में कमी आई थी तथा घरेलू रूप से उत्पादित अमोनियम नाइट्रेट की मांग में भी गिरावट आई थी। प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्ष 2001-02 से अमोनियम नाइट्रेट के आयातों में हुई अत्यधिक वृद्धि के कारण आयातों में समग्र रूप से बढ़ोतरी हुई है। इससे वस्तुतः घरेलू उत्पाद की कीमत में कटौती शुरू हुई जिससे घरेलू उद्योग अपनी उचित बिक्री कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ। परिणामतः घरेलू उद्योग अपनी उचित बिक्री कीमत प्राप्त करने की स्थिति में नहीं रहा और इस प्रकार उसे घाटा हुआ। अतः घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों द्वारा हुई थी। प्राधिकारी ने जांच अवधि के बाद की अवधि में रूस से एच डी ए एन प्रिल/अमोनियम नाइट्रेट (उर्वरक ग्रेड) के बल्क आयात के बारे में साक्ष्य³ पाया। प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु, जो कि समान वस्तु है, के आसन्नवर्ती आयातों का खतरा है। घरेलू उद्योग को क्षति संबद्ध देशों से समान वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण हुई है। इसके अलावा उद्योग को संबद्ध देशों में बड़ी विनिर्माण क्षमता से समान वस्तु के भारी आयात होने का खतरा है।

iii) संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा अमोनियम नाइट्रेट के पाटन के कारण घरेलू उद्योग क्षति का सामना कर रहा है। संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि का कीमतों पर सीधा प्रभाव पड़ा है। परिणामस्वरूप जहां एक ओर आयात मात्रा बढ़ी है वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें घटाने के लिए बाध्य होना पड़ा है। मांग में कमी नहीं आई है। बल्कि मांग बढ़ी है। इसके अतिरिक्त व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार या तकनीकी विकास जैसे कोई अन्य कारक नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंची है।

5. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

i) सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

ii) प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणाम स्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित कर जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का ह्रास रुकेंगा और संबद्ध उत्पादों के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध होंगे।

iii) पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़गा।

iv) प्राधिकारी ने उचित बिक्री कीमतों के संबंध में केवल याचिकाकर्ताओं के निवेदनों पर विश्वास नहीं किया है, बल्कि प्राधिकारी ने अमोनियम नाइट्रेट के विभिन्न प्रकारों की लागत तथा विनिर्माण प्रक्रिया की मौके पर जांच तथा सत्यापन के लिए अलग से एक दल को प्रतिनियुक्त किया तथा घरेलू उद्योग के लिए भारत में अमोनियम नाइट्रेट के विभिन्न प्रकारों की उचित बिक्री कीमत की विस्तृत गणना की।

v) उपभोक्ताओं द्वारा यह तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी उपायों के लगाए जाने के परिणामस्वरूप अमोनियम नाइट्रेट के उपभोक्ताओं के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता में कमी होगी और कीमतें बढ़ेगी जिससे विस्फोटक उद्योग को नुकसान हो सकता है प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनुचित व्यवहारों पर आधारित कीमत लाभ अन्यायसंगत है तथा दीर्घावधि में उपभोक्ता के हितों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

6. पहुंच मूल्य

इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3,3क 8ख,9,9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के लागू स्तर शामिल होंगे।

घ. निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह देखा जाता है कि:

- i) संबद्ध देशों से एच डी ए एन प्रिल/अमोनियम नाइट्रेट (उर्वरक ग्रेड) का बल्क में भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- iii) उक्त वास्तविक क्षति संचयी रूप से संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।
- iv) भारी मात्रा में समान वस्तु के आसन्नवर्ती आयातों के कारण क्षति का खतरा है।
- v) घरेलू उद्योग समान वस्तु का उत्पादन करता है।
- vi) निर्यातक के पास निर्यात के प्रयोजनार्थ अत्यधिक क्षमता है क्योंकि ईरान में घरेलू खपत हेतु बहुत कम मांग है और यू एस ए, ई सी, ऑस्ट्रेलिया और हंगरी द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण रूस में भारी बेशी स्टॉक उपलब्ध है और हाल के पाटित आयातों के कारण कीमतों में ह्रास हुआ है तथा भारत में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों को आसन्नवर्ती खतरा है। भारत में संबद्ध वस्तु की भारी मांग होने से रूस और ईरान के निर्यातकों को एक बाजार उपलब्ध होता है।
- vii) अतः प्राधिकारी अंतिम निर्धारण होने तक संबद्ध देशों से अमोनियम नाइट्रेट के सभी आयातों पर अनंतिम रूप से पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके।
- viii) प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन उपर्युक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन अथवा क्षति मार्जिन जो भी कम हो, से अनधिक पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का प्रस्ताव करते हैं जिसे यदि लगाया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनियों की क्षतिरहित बिक्री कीमत के साथ की गई है।

ix) तदनुसार प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि रूस और ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण अधिनियम 1975 के शीर्ष 3102.30 के अंतर्गत आने वाले अमोनियम नाइट्रेट के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचना जारी करने की तारीख से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। निम्नलिखित देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 31 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कालम संख्या 3 में उल्लिखित धनराशि और अमरीकी डालर/मी.टन आयातों के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा जिसे केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लागू किया जाएगा।

1	2	3
	सभी निर्यातक/उत्पादक	शुल्क की राशि (अमरीकी डालर/मी.टन)
रूस	अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट	148.58
	एच डी ए एन प्रिल	164.12
	एल डी ए एन प्रिल	183.08
ईरान	अमोनियम नाइट्रेट मेल्ट	148.58
	एच डी ए एन प्रिल	164.12
	एल डी ए एन प्रिल	183.08

ड.) आगे की प्रक्रिया

प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे जिनपर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;

ख. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता और संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

ग. प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन करेंगे;

घ. प्राधिकारी मौखिक अनुरोध हेतु सभी हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान करेंगे जिसके लिए तारीख और समय की सूचना सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से प्रदान की जाएगी;

ड. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का खुलासा करेंगे।

एल. वी. सप्ताग्रथि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th April, 2003

PRELIMINARY FINDINGS**Sub :—Anti-Dumping Investigation concerning imports Ammonium Nitrate from Russia and Iran.**

F. No. 14/36/2002-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Gujarat Narmada Valley Fertilizers Company Limited (GNFC), M/s. National Fertilizers Limited (NFL), and M/s. Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited (DFPCL), on behalf of the domestic industry alleging dumping of Ammonium Nitrate originating in or exported from Russia and Iran (hereinafter referred to as subject country). The petition has been further supported by M/s. Rastriya Chemicals and Fertilizers Ltd.,
 - ii) Preliminary scrutiny of the application filed by the petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
 - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of subject goods from Russia and Iran. The authority notified the Embassies of Russia and Iran in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.
 - iv) The Authority issued a public notice dated 20.09.2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under custom Code 3102.30 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Russia and Iran.

- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by petitioner) and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2):
- vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
- viii) The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential petition was also provided to other interested parties, wherever requested.
- ix) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4):
 - 1. JSC NEVINNOMYSSKY AZOT
NEVINNOMYSSK/OTHERS
RUSSIA
 - 2. ADANI GLOBAL AZE
P O BOX NO. 17186
JEBEL ALI, UAE
- x) The Embassies of the subject countries in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise all concerned exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time schedule. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the known exporter was also sent to the Embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3).
- xi) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):
 - 1. M/s Indian Explosives Ltd., Kolkatta
 - 2. M/s IDL Industries Ltd., Hyderabad
 - 3. M/s IBP Company Ltd., Noida (UP)
 - 4. M/s Premier Explosives Ltd., Secunderabad
 - 5. M/s Solar Explosives, Nagpur
 - 6. M/s Navabharat Explosives Company Ltd., Raipur
 - 7. M/s Special Blast Private Ltd., Raipur
 - 8. M/s Blastech (India) Pvt. Ltd., New Delhi
 - 9. M/s Bharat Explosives Ltd., New Delhi
 - 10. M/s Keltech Energies Ltd., Bangalore

11. Explosive Manufacturers Association of India, Nagpur
- xii) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers:-
 1. M/s Joint Stock Company, Nevinnomysskiy Azot, Nizyaeva Street, Nivnnomyssk, stravropol region, Russia
 2. M/s. Joint Stock Company Azot, 618401, Russia, Pmmregion, Berzniki
 3. M/s. Iran Petrochemical Commercial Company, No. 133-9, Valiasr. Ave, Vanak Sq., Tehran, Iran.
- xiii) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user/Associations.
 1. M/s Keltech Energies Ltd., Bangalore
 2. M/s IBP Company Ltd., Noida (UP)
 3. M/s Bharat Explosives Ltd., New Delhi
 4. M/s Premier Explosives Ltd., Secunderabad
 5. Gulf Oil Corporation Ltd., Hyderabad
 6. M/s Special Blast Private Ltd., Raipur
 7. M/s Indian Explosives Ltd., New Delhi
 8. M/s. IDL Industries Ltd., Hyderabad
 9. M/s. Canpex Chemical Pvt. Ltd., Kolkata
- xiv) Information regarding injury was sought from the petitioner(s), which was also furnished by the petitioner. The injury parameters of the following domestic producers were furnished:-
 1. M/s Gujarat Narmada Valley Fertiliser Company Limited, Gujarat
 2. M/s. National Fertiliser Ltd., Nagpur
 3. M/s. Deepak Fertilisers and Petrochemicals Corpn Ltd., Pune
- xv) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7);
- xvi) Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which were also furnished;
- xvii) Some of the interested parties requested for the extension of time to file their responses to the questionnaire, which were granted with due consideration;
- xviii) Public hearing were held on 3rd December 2002, 13th January 2003 and 24th February 2003 in order to provide an opportunity to all interested parties to express their views;
- xix) Cost investigation was also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the

petitioner. The cost data of the following domestic producers were provided and analysed;

1. M/s Gujarat Narmada Valley Fertiliser Company Limited, Gujarat
 2. M/s. National Fertiliser Ltd., Nagpur
 3. M/s. Deepak Fertilisers and Petrochemicals Corpn Ltd., Pune
- xx) ****In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2001 to 30th June 2002 i.e. the period of investigation (POI).
- xxii) Copies of Initiation Notification were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM, etc for wider circulation.

B. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

1. A. PETITIONER'S VIEWS

- i) The product under consideration in the present petition is Ammonium Nitrate. It is produced in various forms such as melt, prill, crystal, granules, flakes and lumps. The product is first produced in melt form and then it is solidified to obtain other forms. However, all the forms are like articles to each other.
- ii) Melt and solid forms are also like articles. As stated earlier, the product is first produced in melt form, which is then solidified to obtain prills, flakes, lumps etc. Whatever be the form, all High Density Ammonium Nitrate is converted into melt form for end application in the production of Water-gel/Emulsion Explosives. However, production of solid form requires small incremental production process and extra cost. Production of low density Ammonium Nitrate of course requires additional investment.
- iii) There is no restriction on imports of Ammonium Nitrate. The product falls under Open General License (OGL) category.
- iv) It is an inorganic chemical and classified under chapter 31 of Customs sub-headings 3102.30 of the Customs Tariff Act. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.
- v) The present petition has been jointly filed by Gujarat Narmada Valley Fertilizers Company Limited (GNFC), National Fertilizers Limited (NFL) and Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited (DFPCL), with support of M/s. Rastriya Chemicals and Fertilizers Ltd., representing the domestic industry.

- vi) There is no known difference in Ammonium Nitrate produced by the domestic industry in particular and Indian Industry in general and Ammonium Nitrate exported from Russia and Iran.
- vii) There is no known difference in the technology adopted by the domestic industry and the manufactures in Russia and Iran.

DUMPING

- i) There were no imports of subject goods prior to 1999-2000. Exporters from Russia were exporting Ammonium Nitrate to European Union, Australia and USA. However, possibly after the imposition of anti dumping duty on imports of Ammonium Nitrate by European Union, Australia and USA, and recently by Hungary also, the exporters looked for other markets and started dumping Ammonium Nitrate in the Indian Market from the year 2001.
- ii) The product under consideration is classified under sub-heading no. 3102.30 under the Custom Tariff Act 1975. DGCI&S have published data for April 2001-February 2002. Moreover, we have information that large-scale imports of Ammonium Nitrate have taken place after Feb., 02. Therefore, information published by the DGCI&S has not been relied upon for determination of volume and value of imports of Ammonium Nitrate in India.
- iii) The Government of India has amended para 8 of the Rules on 4th Jan. 2002 which states as under:

“Para 8 of Annexure 1-Amended on 04.01.02

- (a) The term “non market economy country” means any country which the Designated Authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub paragraph (3)
- (b) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as a non-market economy country for the purpose of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economy country.

Provided, however, that a non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the Designated Authority that establishes that such country is not a non market economy country on the basis of criteria specified in sub-paragraph (3)

- (c) The Designated Authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

- (i) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- (ii) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- (iii) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- (iv) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

It is evident from the above that para 8, which was inserted on 31.5.2001 has been amended on 04.02.2002 in the following manner:

- a) The countries which have been treated by the Designated Authority or any other investigating authorities, who are members of WTO, as non-market economies during last three preceding years can be considered as non market economy.
- b) Firms, companies in all such countries, may provide relevant information (on market economy) and claim status of market economy treatment.

After determination that country is a non-market economy, The Designated Authority would follow para 7 of Annexure I for determination of normal value which is as under:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin.

- v) In the instant case, Russia is a non-market economy. Russia has been treated as non-market economy by European Commission in the past three years. European Union is member of World Trade Organization.
- vi) With regard to treatment of Russia as non-market economy by other WTO member's countries, European Commission in the matter of Certain grain Oriented Electrical Sheets and Strips (flat-rolled products) of a width not

exceeding 50 mm from inter-alia Russia has treated Russia as a non-market economy.

- vii) Russia is a “non-market economy” country. Determination of normal value in Russia is to be done in accordance to the rules relating to non-market economies. Petitioners have estimated normal value on the basis of cost of production, after addition for selling, general and administrative expenses.
- viii) Efforts were made to get information on prices at which Ammonium Nitrate is being sold by the producers in Iran in their domestic market in the ordinary course of trade. It is understood that there is not significant consumption of Ammonium Nitrate in the domestic market of Iran. Otherwise also, no sufficient, reasonable and reliable evidence of published price of Ammonium Nitrate in the domestic market could be traced. Under the circumstances, it is considered appropriate to construct cost of production of Ammonium Nitrate in the domestic market in Iran.

INJURY

- i) The margin of dumping from each of the subject countries are more than the limit prescribed.
- ii) It may be seen that the quantum of imports from each of the subject country is more than the de-minimus limits. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. The Authority is, therefore, requested to assess injury to the domestic industry cumulatively from the subject countries.
- iii) Imports of Ammonium Nitrate from subject countries have increased significantly in absolute terms. The imports have been increasing year by year.
- iv) The imports are primarily coming from these countries only. Share of imports from Russia and Iran is as high as 99% of imports of Ammonium Nitrate.
- v) The export price from Russia has been falling steeply year by year.
- vi) The steep increase in imports in April-June, 02 has forced the domestic industry to curtail or restrict production, as the sales have fallen drastically.
- vii) Sales of the domestic industry have fallen drastically in April – June, 02. This is directly a result of significant volumes of AN imported in this period. Thus the imports have had a direct impact on the sales volumes of the domestic industry.
- viii) The domestic industry was able to increase its sales realization between 1998-99 and 2001-2002. However, the same declined significantly in April – June, 2002, the period in which significant volumes of AN have been imported. Thus, the imports have forced the domestic industry to reduce the selling prices. Further, in spite of reduction in the selling prices, the sales volumes of the domestic industry

have declined. Thus, the imports have had both volume and price adverse effect on the domestic industry.

- ix) The imports are dumped at such significant prices that the landed price of imports is significantly below the selling price of the domestic industry. Dumped imports are causing severe price undercutting.
- x) Landed value of dumped imports is significantly below the cost of production of the domestic industry. Should the present trend of prices continue from Russia, the imports would have severe suppressing/depressing effect on the domestic industry.
- xi) The domestic industry is making financial losses from sale of the subject goods. The losses have increased in the current year (2002-03) as compared to previous years.
- xii) The employment level of the company has not undergone any significant change so far due to the prevailing legislation in the Country. Should the industry continue to face the present undercutting and underselling, the domestic industry would be forced to curtail the employment levels.
- xiii) It may thus be seen that the dumped imports of Ammonium Nitrate have caused material injury to the domestic industry. Significant deterioration in the performance of the domestic industry, particularly in April – June, 02 is a direct result of presence of significant volumes of imports in this period. Further, the imports are causing severe threat of material injury for the following reasons:-
 - 1. The rate of increase in imports is significant.
 - 2. Imports are causing severe price undercutting. In fact, the petitioners understand that a number of consignment are underway.
 - 3. Russia is holding vast unutilized capacities. With imposition of anti dumping duty by other countries, the pressure on the exporters has increased.
- xiv) There is a history of dumping, as is borne out by a number of cases faced by the Russian exporters which all have culminated in imposition of anti dumping duty.
- xv) The importers are well aware that the price at which the material is being exported from Russia is a dumped price as the exporters have already faced anti dumping investigation by other authorities.
- xvi) The injury is being caused by the producers/exporters from Russia in a short period. There were no imports from Russia till 1999-2000. However, imports are increasing year by year.
- xvii) In a short time of two months (April and May, 2002), the producer/exporter from Russia and Iran have exported 32800 MT material to India, which represents about 12% on annualized demand. The imports on annualized basis represent about 72% of demand.

- xviii) The demand of Ammonium Nitrate is increasing possible decline in demand is, therefore, not a reason for injury to the domestic industry.
- xix) The domestic industry is not having absolute technology. The technology available with the domestic industry is at par with the producers world over. Export performance of the domestic industry has not suffered.
- xx) Imports of Ammonium Nitrate from subject countries have increased significantly in absolute terms, further, the imports have increased significantly in relation to (i) production; and (ii) consumption in India.
- xxi) Average stocks of Ammonium Nitrate with the domestic industry have increased significantly.
- xxii) The profitability of the domestic industry has declined.
- xxiii) The domestic industry has had positive growth only because other Indian Producers suspended production in this period. However, in spite of positive growth, the profitability suffered.
- xxiv) Since the petitioner companies are multi product companies with subject goods forming a part of the products other effect of dumping was prevented from affecting the domestic industry on other areas. However, with each product being self sustained activity for each of the petitioner companies, should the present trend of prices continue in the market, the domestic industry has no option but to take other steps to keep its performance. Already, one of the petitioner companies, M/s. NFL has been forced to suspend one of its Ammonia Plant.

M/s. Indian Ammonium Nitrate Manufacturers Association

- i) The domestic industry have the capacity to supply of ammonium nitrate around 7 lac MT per annum against the demand of around 3 lakh MT per annum required by the Explosive Industry.
- ii) Pursuant to heavy anti dumping duties levied by USA, Europe and Australia, the Russian manufacturers have now chosen India as their dumping ground for Ammonium Nitrate. At the prices at which the product is being dumped into India, the domestic ammonium nitrate industry is on the verge of closure with SAIL, FCI and NFL already halting production.
- iii) Department of Fertilizer has requested to Ministry of Commerce to shift ammonium nitrate from OGL to restricted list of imports, and also requested CBEC to increase the custom duty to 100%.

2. IMPORTER/USER'S VIEW

M/s. Special Blasts Pvt. Ltd., and M/s. Indian Explosives Ltd.,

- i) During the period of investigation high density Ammonium Nitrate was imported in Prill form. Since there are no producers of this item in India as such not causing injury to the domestic industry.
- ii) All the domestic producers except Deepak Fertilizers & Petrochemicals Corporation Ltd., and M/s. Smartchem Technology Ltd., are engaged in the manufacture of Ammonium Nitrate in melt form. Ammonium Nitrate in melt, lump form is not a like article to the imported product.
- iii) In the context of the definition of "like article", Ammonium Nitrate in melt form and prill form are not commercially and technically interchangeable. Whereas, prills may to some extent substitute for melt, the reverse is not true.
 - a) Melt is a product, which exists only at a temperature of more than 100 degrees Celsius. Therefore, the storage and transportation of melt requires special equipment. Prills on the other hand, can be stored and transported at room temperature.
 - b) In order to use melt, costly storage tanks of stainless steel are required, which can maintain the required temperature so as to prevent solidification. No special storage is required for prills.
 - c) Expensive machines are to be installed in the user factory for maintaining the temperature at 100 degrees Celsius, around the clock throughout the year. The machines for maintaining the temperature will involve a substantial investment ranging from Rs. 10 lacs to 20 lacs for small units.
 - d) Melt can be transported only in stainless steel tankers, which are heavily insulated so that the temperature is maintained during the transportation. This makes transportation unfeasible and expensive. The freight charges for melt from Maharashtra to Orissa/West Bengal would come on the higher side since these specialized tanker cannot carry any materials on the return journey and the freight charges cover both the to and fro movement of the tanker.
 - e) The manufacturers of melt are mainly located in the Western part of the Country, and it is not practicable to transport the melt to users in distant locations, such as Orissa, and West Bengal. If for any reason there is a delay or mishap in transit, the melt may solidify in the tanks making it difficult to unload and use.
 - f) The units engaged in the manufacture of melt are located primarily in Maharashtra, Gujarat and Punjab. Their sales of melt have been made in areas proximate to the factories that is in Maharashtra, UP and Andhra Pradesh. There is negligible quantity of sales of melt to users in West Bengal, Orissa, Madhya Pradesh and Bihar due to practical difficulties.

- g) That melt and prills are not interchangeable or substitutable is evident from the fact that when both prills and melt are available, the price of prills is substantially higher than that of melt.
- h) Prills are costlier by approximately Rs. 2000 per tonne. The physical characteristics of ammonium nitrate determine the utility of the product for the Customer and hence the difference in the price.
- i) The product under import is HDAN (high density ammonium nitrate) in prill form. The manufacturers of melt are not producers of the subject item that is prills or any like article thereto. For this reason, the producers of melt do not fall within the purview of domestic industry since melt is not a like article to prills for the aforesaid reasons. "Like Article" is an article, which is identical, or alike in all respects to the article under investigation. Only manufacturers of prill can be said to manufacture the "like article". For this reason, M/s. GNFC, RCF, National Fertilizers Ltd., Rourkela Steel Plant and Fertilizers Corporation of India should be excluded from the investigation. Melt and all information related to melt can not be considered for the purposes of determining standing, normal value and injury, if any to the domestic industry.
- j) The product under consideration has not been defined with regard to density. In the initiation notification, it has been stated that both products are identical and producers can interchangeably produce the two forms. It has also been held that from the producers and users point of view, both the grades are technically and commercially substitutable for one and other. It is submitted that these findings are not factually correct. High density ammonium nitrate (hereinafter referred to as HDAN) and low density ammonium nitrate (hereinafter referred to as LDAN) are not two grades of the same product, but totally separate commercially known products.
- k) The main distinguishing features are that HDAN prill are known as "fertilizer Ammonium Nitrate" whereas LDAN prills are commercially known as "Explosive or Industrial Ammonium Nitrate". High density Ammonium Nitrate in prill form has a bulk density greater than 0.85 g/cc, and purity is about 99.4%. The high density prills are having low porosity and the levels of oil absorption and oil retention are below the dangerous stoichiometric limit. Low density prills have a high density with an oil absorption capacity above 8% and oil retention capacity above 7%. These properties make low density prills detonable and dangerous to use. Whereas high density prills, as they are less porous with less oil absorption are significantly safer to use. The characteristics and properties of HDAN and LDAN are quite different, and consequently they are known as separate and distinct commercial products in the market. The international prices of HDAN and LDAN are also very different. The price of LDAN is almost double the price of HDAN on ex works basis.
- l) M/s. Deepak Fertilisers have certified that M/s. Smartchem Technologies Ltd., which has one common director, had imported one parcel of Ammonium Nitrate from Russia in the month of January 2001.

- iv) M/s. Smartchem has made import of a substantial quantity from Russia. These imports were of high density Ammonium Nitrate prills, which were sold under the name.
- v) The Balance Sheet and Profit & Loss Account of M/s. Deepak Fertilizers, M/s. Smartchem has shown as a related company. This is a conclusive evidence of the relationship between the companies.
- vi) Rule 2 (d) provides that in appropriate cases producers who are themselves importers or related to importers may be excluded from domestic industry. In the present case M/s. Deepak Fertilizers has dealt with the imported products during the period of investigation and, therefore, it is a fit case for exercise of jurisdiction under Rule 2(d). M/s. Deepak can not be allowed to take advantage of its own wrong. It has been one of the important sellers of the imported product from January 2001 onwards. The quantity imported and sold by them in collaboration with M/s. Smartchem is significant and constitutes about $\frac{1}{4}$ to $\frac{1}{3}$ of the total sales of this item in the Indian market. Having been themselves involved in the imports they can not be permitted to seek protection under Section 9C of the Customs Tariff Act. In this regard reliance is placed on the decision of the Designated Authority in the case of Black & White Films imported from UK.
- vii) It is submitted that there is a total absence of dumping of ammonium nitrate in the Indian market. There has been no significant increase of imports during the period of investigation. In fact till January 2001 there were hardly any imports of ammonium nitrate from any country. In January 2001 M/s. Smartchem were the first to make imports from Russia. The imports made are insignificant since they meet only about 7% of the total demand in India. The allegation that the Russian exporters have started dumping ammonium nitrate in India is false.
- viii) The Russian producers have inherent advantage on account of the availability of natural gas in Russia and the relatively lower power tariffs. The fact that Russia has the largest resources of natural gas in the World, it is in a position to supply this at a relatively lower cost. In fact the natural gas is a commodity, which is difficult to transport for long distances, and pipelines have often to be laid for its transportation. Therefore, the cost of transportation of the gas being very high, its availability is restricted and prices in other countries are much higher. Therefore, producers of ammonium nitrate around the world who have access to natural gas supply have lower manufacturing costs, since natural gas is the principal raw material for ammonium nitrate and normally constitutes about 70% of the total variable cost of manufacture. Any natural advantage to producers in Russia can not be seen as evidence of dumping.
- ix) It may be relevant to mention that the initiative was taken by the Indian importers/users for import and the volume of trade is insignificant for Russia during POI i.e. 40000 tonnes (1%) in between April 2001 to June 2002, as against their total production of nearly 5500000 tonnes. The cost of production is low mainly because of its low cost and high availability of natural gas used as feedstock and energy, large production capacities, old low cost plants and their

experience of producing bulk commodities cost effectively. These factors do not suggest dumping.

- x) The petitioner has claimed that Russia is a non-market economy and, therefore, the constructed cost of production should be derived from the petitioner's cost. There has been significant liberalisation and de-regulation of Government controls, prior to the period of investigation and also during such period. This position has been duly examined by the US Administration and also by the European Union Commission. Both Authorities have found sufficient evidence to treat Russia as a market economy. The Indian Authorities should accord a similar status to Russia. In the alternative, if Russia is treated as a non-market economy the selection of a surrogate country should be notified will in advance so that appropriate response may be filed in this behalf. It is submitted that there is not dumping of ammonium nitrate in India.
- xi) It is submitted that there has been a total absence of injury to the domestic producers consequent to the imports of ammonium nitrate from Russia. On an examination of the balance sheets of the petitioners it can be observed that the production of the Indian producer has increased, their sales have also increased as has their net realisation and profit. The producers have in fact improved their financial position during the period of investigation and the question of any injury, therefore, does not arise.
- xii) In the petition it had been stated that the imports of ammonium nitrate have increased significantly and this increase is unprecedented and phenomenal. As explained earlier there were hardly any imports of ammonium nitrate in India until the initial imports made by M/s. Smartchem in January 2001. The imports can not be said to be phenomenal or substantial as they represent only about 7% of domestic sales during the financial year 2001-02. Moreover, the allegation that the export price from Russia have been declining during the period of investigation is not factually correct. In fact import prices of ammonium nitrate have increased during the period of investigation and in this regard reliance is placed on the confidential response filed by M/s. Special Blast(P) Ltd.
- xiii) The petitioner has stated that the production and capacity utilisation has declined drastically due to the imports. In fact this fact is not borne out by the Proforma IV A enclosed with the petition. The production excluding captive consumption has increased by 68% during the period of investigation as against 1999-2000. Similarly the sales have also increased by more than 67% during the period of investigation as against 1999-2000. Since both the production and sales have demonstrated an upward trend, the averment that the production and sales have fallen drastically is not correct. Capacity for manufacture of ammonia, can be used either for manufacture of ammonium nitrate or for other products such as ammonium nitro phosphate, urea, nitric acid, etc. Therefore, there is no method to identify the production capacity for ammonium nitrate per se. All the relevant indicators show a positive trend, negating the submission regarding injury.
- xiv) It is submitted that there has been no price undercutting. The domestic producers have been selling melt at a price of about Rs. 7200 PMT during the period of

investigation. As against this the landed value of the imported product is around Rs. 8,500/- PMT.

- xv) It is submitted that there is no causal link between the imports and injury if any to the domestic industry. Attention is invited to the decision of the Hon'ble Tribunal in the case of PTA imported from Malaysia and other countries. In that case, since landed value of the imports was higher than the non-injurious price of the domestic product, investigation were terminated for want of causal link between the imports and injury if any. As regards, the solid ammonium nitrate manufactured by M/s. Deepak Fertilizers, it is submitted that since the company is itself an importer or related to an importer, it warrants exclusion. Moreover, the imports of high density can not be compared with the production and sales of low density ammonium nitrate. The US Administration as well as the European Commission have accepted this position. In such cases, the Tribunal has also held that since none of the producers are manufacturing the comparable product, that is high density ammonium nitrate in solid, form there can be no causal link between the imports and the injury. In this regard reliance is placed on the decision in the CEGAT in the case of fused Magnesia from China (Birla Periclase Vs. Designated Authority). Thus the investigation should be terminated at the earliest in the absence of injury and causal link.
- xvi) The WTO panel has rendered a decision in the Bed Linen case whereby it has been held that all the parameters mentioned in the Annexure to the Rules are to be considered for coming to a determination on the issue of injury. From the petition it is evident that evidence with regard to all the parameters has not been submitted or disclosed. For instance, there is no information regarding the factors affecting domestic prices, returns on investment, productivity, growth, employment etc. It is submitted that it is the obligation of the Designated Authority to enquire into the accuracy and authenticity of the information provided by the domestic industry with regard to the relevant consideration mentioned in the Annexure to the Rule.
- xvii) DFCL have been misrepresenting to various Government authorities for banning imports on various misrepresented facts including the recent writ petition filed by them at Mumbai High Court against the Customs, Ports, Ministry of Fertilizer etc with success in none. Even Mumbai-High Court has quashed their plea and they were finally forced to withdraw their petition.

M/s. Premier Explosives Limited

- i) Through their associate company – M/s. Smartchem Technology Ltd., they have imported ammonium nitrate in the year 2000-2001 at a much cheaper price as fertilizer and sold us a part of it also. This was needed to cover the shortage of ammonium nitrate in the country.
- ii) Since other parties have started importing and selling ammonium nitrate at a cheaper price, the business of trading by M/s. Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., has been affected, and therefore, they have initiated this procedure.

- iii) They have also filed a writ petition in High Court of Bombay asking for imposition of penalty for importing Ammonium Nitrate as fertilizer and using it as explosive which they themselves carried out in the year 2000 and 2001.
- iv) The main input for explosive industry is ammonium nitrate, which is nearly 70% out of the total weight. Explosives are used mainly by public sector companies like Coal India Ltd., SCCL, NMDC and SAIL etc.,. Whereas the price of explosive has been steadily going down over the years, the price of main input, viz., Ammonium Nitrate has been going up due to cartelisation and manipulation of price.
- v) There is an import duty of 30%+SAD of 4% on imported Ammonium Nitrate which should be more than sufficient margin for Indian manufacturers of the product.

M/s. IBP Co. Limited

- i) As the prices of indigenous Ammonium Nitrate are much higher compared to the International prices because even the gas based plants of DFPL group which produce ammonium nitrate at far more economic and competitive rate in comparison to the Public Sector Naptha based plants had jacked up their prices to match those of the Naptha based plants with the result that the Indian Explosive Manufacturers could no longer compete in the International Export market because of the high cost of their inputs. Consequently, Indian Explosive Industry could not manufacture explosives at competitive prices, with the result that the Indian Explosive Companies in the organised sector have been incurring substantial losses. IBP in its business group (Chemical) has also been suffering losses over the past 2-3 years and it has not been possible to IBP Company to compete in International export market since the last 2-3 years because of uncompetitive prices of raw materials, with the result that it has had to rely entirely on the Indian market. Demand of Indian market is much less than the total production capacity and most of the units are not in a position to operate at economic capacities. Prices of explosives in India are consequently highly competitive and depressed and the only possibility of meaningful survival of the explosive industry in India is by reduction in costs of inputs which would not only make the Indian Explosives Industry competitive in the International export market, but also increase the margins in the domestic market.
- ii) With the opening up of the import market in India, third countries including China (who has been bagging most of the International exports for explosives), will become far more competitive in the Indian market than the indigenous manufacturers, which, in turn, could close down the Indian Explosive Industry unless it also can escape from the clutches of the indigenous monopoly of Ammonium Nitrate sought to be imposed upon it.

M/s. BHARAT EXPLOSIVES LIMITED

- i) With the opening up of imports and companies freely importing Ammonium Nitrate, the availability has eased in the Indian market and it is now available at cheaper price than in previous years and thereby offers some respite to the

already harassed explosive manufacturers. Consequently the Indian AN manufacturers have also been compelled to reduce their prices to match the imported Ammonium Nitrate prices, which clearly indicates that they were exploiting the situation earlier, as Fertilizer Corporation of India and Steel Authority of India, Rourkela were closed for production for some time which resulted into in creating a gap between demand and supply.

- ii) The Government of India should reduce the Custom duty on import of Ammonium Nitrate to enable the Indian explosive manufacturers to survive in the world of global competition.

M/s. KELTECH ENERGIES LTD.

- i) The three companies manufacturing the product under consideration is Ammonium Nitrate melt/prill are M/s. GNFC, M/s. NFL and M/s. DFPCL.
- ii) The first two companies are PSU's which do not produce the subject goods i.e. prilled Ammonium Nitrate. The third company which is in private sector manufacturer of Ammonium Nitrate, and markets LDAN prills which is different from the imported Ammonium Nitrate prills. Thus these companies do not have locus standi what so ever in filing the petition for imposition of anti dumping duty on Ammonium Nitrate prills.
- iii) The product under investigation imported from Russia and Iran falling under category of High density prills which is not manufactured the petitioner companies.
- iv) The 3 member bench of the Supreme Court while delivering the Judgement reported under 2002 (145) ELT.241 (S.C.) in the case Haridas Exports V/s. All India Float Glass Mfrs Association had held that "import of material at prices lower than prevailing in India cannot per se be regarded as being prejudicial to the public interest. If the normal or export price of any goods outside India is lower than the selling price of an indigenously produced item, then to say that the import is prejudicial to the public interest would not be correct. The availability of goods outside India at prices lower than those which are indigenously produced would encourage competition amongst the Indian Industry and would not per se result in eliminating the competitor, as was sought to be submitted by the respondents".
- v) Respecting the ratio or this judgement of the Apex Court, the Designated Authority should dismiss further proceedings in the matter.
- vi) It is submitted that the method of arriving at "constructed cost of production with appropriate adjustments, treating Russia and Iran as non-market economy" is erroneous. The cost of manufacture and the prices at which these economies supply the material is indeed based on several ground realities. For instance, it is a matter of common knowledge that the Natural Gas is abundantly available in Russia and is sold at 1/3 rd the price in India. When the input cost is low, the manufacturer can afford to sell his product at international competitive prices.

- These by no way could be said to be selling the product at below their cost of production.
- vii) Also there are fiscal incentive that can help reduce the export price. For instance, in the Indian economy, several fiscal incentives are given for export industry such as exemption of excise duty exemption of sales tax, duty free import entitlement, duty draw back etc., to name a few.
 - viii) The capacity utilization statistics of M/s. DFPCL, as presented in the 22nd AGM (2001-02), furnished in Ann-2 certifies that their plant for ANP has progressively increased capacity utilisation from 155% in 1996-97 to 195.59% in 2001-02. This factor alone speaks for the highly profitably and enviable status of the Ammonium Nitrate Industry, especially the sector under control of M/s. DFPCL.
 - ix) M/s. DFPCL has consistently been recording high profits. The segment wise profitability statements presented at the 22nd AGM is ample evidence that their Ammonium Nitrate operation under Industrial Chemicals segment has done well.
 - x) GNFC has also turned out excellent results. The fact that GNFC also wishes to enter into AN prilling facility as per their announced plans indicates profitable nature of operations in AN-Ann. 6.
 - xi) Referring to Rule 5(3) (a), of Customs Tariff (Determination of Injury D.A.) Rules, 1995 it is stated that no investigation will be initiated unless supported by units manufacturing at least 25% total production. The explanation offered states that the application shall be deemed to have been made if supported by domestic products when output is more than 50%. Under Rule 5(3) (a), the petition is disqualified from consideration since not supported by the stipulated minimum 50%.

M/s. CANPEX CHEMICALS PVT. LTD.

- i) For the past few months Ammonium Nitrate is being imported in India from Russia at the cheaper rates. As a result end users like us prefer buying imported ammonium nitrate. As a matter of fact we have stop producing ammonium nitrate in year 2000 due to cheaper imports. It is economically unviable to continue ammonium nitrate production as landed cost of ammonium nitrate is cheaper.

M/s. GULF OIL Corporation Ltd.,

- i) Since the supplies from Rourkela Fertilizer Plant and FCI, Sindhri, became uncertain. Ammonium Nitrate were procured from M/s. Smartchem Technology Ltd., which were locally manufactured but later imported ammonium nitrate were supplied by them and/or its nominee.
- ii) The total production of Ammonium Nitrate manufactured by the domestic industry and sold for use in the Explosive industry was about 227080 MT and 200291 MT for the period 2000-2001 & 2001-2002. Whereas the total

requirement of the user industry for manufacturing explosives were 241577 MT and 258607 MT during the respective period.

- iii) It is stated that there is no dumping and the domestic industry is not injured by the imports of ammonium nitrate from Russia.
- iv) Ammonium Nitrate constitutes 65% of total raw material required for manufacture of explosives, hence its availability in price become the critical factor for the explosives plant.
- v) The rates have been compared of the supplies of Ammonium Nitrate melt/uncoated Ammonium Nitrate by different domestic industry and it was found that the difference of Rs. ****/MT to Rs. ****/MT with the imported Ammonium Nitrate.
- vi) Russia has seen to be a non market economy and hence the normal value cannot be determined on the presumption that Russia is a non market economy country.
- vii) The total demand for Ammonium Nitrate for the explosive industry was 258607 MT in 2000-2001 and the total sales of the domestic industry of Ammonium Nitrate was 200291 MT, so the import of roughly 58000 MT during 2001-2002 did not exceed the shortfall in demand.
- viii) The claim of injury in the context of anti dumping, has to be examined with reference to the total market of the goods including the market covered by the captive consumption and therefore so long as the capacity utilisation of the domestic industry does not suffer on account of increase in the captive consumption no case for anti dumping can be made out. It is therefore imperative that the domestic industry must disclose the production and sales figures and profitability of the Fertilizer Manufacturers by them.
- ix) The domestic industry is misusing the protection under the anti dumping Laws by ensuring that the losses made by it in the sale of fertilizers are made good by sale of AN in the domestic market at the monopolistic prices.

M/s. Gujarat Explosives Dealer's Association

- i) The import of prilled ammonium nitrate should be allowed as it is more convenient for the explosive industry at a very competitive rate and at the same time domestic industry is not able to fulfil the requirement of the demand of the industry.
- ii) Few of the converters of ammonium nitrate melt into solid form are requesting the Government of India that unless and until the import of ammonium nitrate is not restricted or the import duty on this product is not increased so as to match the prices of ammonium nitrate manufactured by the domestic manufacturers, it would be more and more difficult for us for the survival.

2. EXPORTER'S VIEWS

M/s. JSC Nevinnomysskiy Azot, Russia

- i) The Exporter has a very small percentage of Ammonium Nitrate Business to India which constitutes about 2%. They further claim that they don't receive any subsidy from the State and decision relating to the production, investments etc are dependent on market signals.
- ii) Since Russian Federation works as market economy during the period of investigation, the normal value and export price may be determined on the basis of our information:
- iii) In International trade a distinction is made between High Density Ammonium Nitrate and Low Density Ammonium Nitrate. HDAN is a product which has density greater than as 0.86 and is used principally as a fertilizer or in the manufacture of explosives. LDAN is a explosive material when combined with fuel oil, is referred to as an industrial grade product. The properties of two product are very different in terms of porosity, detonability etc. The two products are sold at very different prices ---LDAN being sold at almost double the price that of HDAN. There is a demand for the both the products in spite of large difference in price, itself suggests that the two products are not interchangeable both technically and commercially.
- iv) Some the Indian producers do manufacture Ammonium nitrate in melt form. This is certainly not a product which can said to be a like product to high density Ammonium Nitrate Prills. In fact there are no significant sales of Ammonium Nitrate melt in the course of international trade, as freight costs and safety norms do not permit this. Therefore, there is no like product manufactured in India and there is no domestic industry, as such the investigation appears to suffer for want of standing of domestic industries.
- v) Under Article 2 of the Agreement on implementation of Article 6 of GATT, the term like product shall mean a product which is identical that is, alike in all respects to the product under consideration or has characteristics closely resembling those of the product under consideration. From the non-confidential version of the petition of the domestic industry it appears that none of them is the producer of High Density Ammonium Nitrate Prills. Thus the product manufactured by the domestic industry cannot be considered like article to the Export product.
- vi) Export prices to India are comparable at par with the export prices to other countries and they are above the cost of production.
- vii) The Normal Value should be determined on the basis of our detailed information rather constructing normal value on the basis of costing information provided by the domestic industry. They claim that their exports are from a market economic country so constructed cost is not applicable in their case.

- viii) The Export Price to India at an ex factory level is higher than both the domestic sales price and the cost of production, therefore there is no evidence of dumping and requested for immediate termination of investigations.

MARKET ECONOMY

- i) M/s.JSC Nevinnomyssiky Azot, Russia is an open joint stock company having no state ownership. Our stocks are freely quoted and for sale by open subscription and the numbers of participant of our company are not limited by law. The company is obliged to maintain accounts as per the general accounting principles and publish a report giving information as per the balance sheet and profit and loss account.
- ii) The production costs and the financial situation are not subject to any significant distortions from the former non-market economy system. As an open Joint Stock Company and Government bodies of Russia do not hold stock in the charter capital. The list of shareholders includes more than 2000 shareholders that are private individuals or companies. There are 7 private companies who have shares of more than 5% of the shares. Major shareholders are neither producers of ammonium nitrate nor companies related to the production and sales of ammonium nitrate.
- iii) It is submitted that all firms and companies are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.
- iv) The exchange rate conversions are at the market rate.
- iv) The export price to India at an ex-factory level is higher than both the domestic sale price and the cost of production, therefore, there is no evidence of dumping. It is submitted that there is no dumping and immediate termination of the investigation is warranted.
- v) Russia has been granted Market Economy Status by the European Union and USDOC. In this regard the copy of Council Regulation No. 1972/2002 dated 5th November 2002 treated Russia as Market Economy for the purpose of determination of Normal Value. The US Administration has also formally recognized Russia as a Market Economy. This may kindly be taken into consideration for determining the status of Russia in the present proceedings.

M/s. JSC AZOT Berzniki

- i) We understand that the investigations by the Indian Authority with regards to imports of HDAN. To the best of our information, there is no manufacturer of HDAN in prill form in India. HDAN prills and LDAN prills are both manufactured by our company and have entirely different characteristics, price, storage and transport regulations, manufacturing process as well as application.
- ii) The porous low density ammonium nitrate is manufactured by using low concentration AN melt and an intermediate drying arrangement in the prilling

tower for rapid cooling, use of additives for imparting porosity and a much higher prilling tower and the process differs on technologies.

- iii) The Porous low density ammonium nitrate prill is manufactured and marketed as a special chemical product and the classification TU 2143 – 635-00209023-99 (UN class 5.1 No. 1942) for making ANFO explosive products. HDAN is manufactured under the classification GOST 2-85 grade B (UN class 5.1 No. 2067) for use as a fertilizer and bulk raw material for explosive manufacture. LDAN is having comparatively very high detonation sensitivity and oil absorption capacity of 6% - 10% making it suitable for making explosives blasting agents like ANFO. It is worth mentioning that 6% diesel oil properly absorbed in Ammonium Nitrate makes the best stoichiometric ratio for making ANFO explosive. The porosity increases the fuel-oxidiser interface/unit volume significantly to acquire very high detonation sensitivity. This renders it totally unsafe to be used as a fertilizer or as a bulk raw material for explosives manufacturing. It is worth mentioning that slurry explosives products and emulsion explosive products are also sensitised by entrapping air bubbles and reducing density for imparting explosive characteristics. The Low Density porous Ammonium Nitrate can never be considered safe to be used as a fertilizer and hence the product is not intersubstitutable. It is not considered as a like product in European Union, USA, South Africa or Australia.
- iv) LDAN in the prill form does not meet the aforesaid requirements. This product is used as an explosive because of its higher detonation sensitivity. The price and cost of LDAN is more than HDAN. This difference in price is partly justified on account of the higher production cost of LDAN and the additional safety precautions associated with the product.
- v) We, therefore, submit that in the absence of manufacture of the like product in India, there is no domestic industry as defined in the anti dumping law. The investigations may, therefore, be terminated in the absence of standing of the petitioners as domestic industry and also in view of the lack of dumping as can be seen from the enclosed questionnaire. We also wish to bring to your notice that Russia has now been declared a market economy both by the United States and European Union and the same status may be granted by the Indian authorities.

M/s. Iran Petrochemical Commercial Company, Iran

- i) Iran Petrochemical Commercial Company have been registered under Laws of Iran Companies Registration and is a limited joint stock company of Iran represented by Board of members. This company is a commercial company or some other governmental petrochemical complexes such as Arak, Tabriz, Esfahan etc., which are manufacturers, and all of these belong to the same shareholder i.e., National Petrochemical Company of Iran (NPC).
- ii) The exporter has stated that the Designated Authority will examine the accuracy of evidence provided in the application and satisfies itself that there is sufficient evidence regarding dumping, injury and a causal link between such dumped imports and alleged injury to justify the Initiation of investigation.

- iii) On the basis of information provided and details given in the questionnaire the exporter has stated that the subject article had not been dumped and consequently requesting for dismissal against the initiation with respect to the respondent.

Comments of Department of Fertilizer (Ministry of Chemicals & Fertilizers)

- i) The principal application of ammonium nitrate in India is only for manufacturing various types of explosives. AN melt produced by different domestic manufacturers of different grades of concentration from (70% to 83%) and this melt and further transformed into concentration as per requirement of the buyer.
- ii) Regarding the pricing structure of different forms of ammonium nitrate, Department of Fertilizer have provided only for AN melt and HDAN prills. The Department of Fertilizer has stated a difference of Rs. ****/MT to Rs. ****/MT between Ammonium Nitrate melt and Ammonium Nitrate prill is found of the domestic producers.
- iii) The manufacturer produce AN in different grades depending upon production cost/technology. Since AN is important input the explosive industry interchangeability between HDAN prills, LDAN prills and AN melt is possible.
- iv) AN is produced initially in melt form and then converted into various grades of solid either by AN manufacturer or converter depending upon the requirement of the user industry. All the three grades of ammonium nitrate are quite suitable for various types of uses in mines, quarries, stone blasting, road construction and other similar activities. As these products are used in different forms such as solid, dissolved in water to form oxidizer solution or emulsion/slurry form, and end use of these products depends on types of mines/blasting industry the costing factor for making the suitable forms such as solid prills/granuels/crystals are dissolved in liquid forms.

Department of Explosives (Ministry of Commerce & Industry) Nagpur

- i) High Density Ammonium Nitrate prills (also known as Fertilizer grade ammonium nitrate prills) used as bulk raw material for manufacture of explosives. This product is most suited for manufacture of explosives as compare to melt and LDAN prills specially for making oxidizer solutions on site bulk loading system and for doped emulsions. All the three products are ideally suited for different application in the explosive and mining industry.
- ii) The imported product has significant advantage both in terms technical and commercial parameters as compared to the locally manufactured product for manufacturing slurry and emulsion explosives.
- iii) By using the imported product i.e., HDAN prills, the Explosives Manufacturers switched from Low Density Ammonium Nitrate prills to High Density Ammonium Nitrate prills because of advantages of handling and operation.

Submissions filed by domestic industry, exporters, importers/user industries subsequent to the public hearings held on 3/12/02, 13/1/03 and 24/2/03

Domestic Industry

- i) Petitioner wish to bring on record that import of ammonium nitrate as a fertilizer grade is banned by the Government of India.
- ii) Even though commercially ammonium nitrate is classified into two categories in terms of density, it is submitted that the density is not a technical parameter in most of the HDAN specification which is not generally mentioned on the test reports.
- iii) U.S. Department of Commerce had earlier conducted anti dumping investigation into dumping of ammonium nitrate from Russia. It is described by the USDOC that AN with density higher than 53 pounds per cubic feet (equivalent to 0.849 gm/ml) is HDAN.
- iv) With regard to the different forms of HDAN, the production of ammonium nitrate in solid form involves conversion of original melt through prilling tower/rotary vacuum dryer/flakes/drying tray for prills/granuels/crystals/lumps respectively.
- v) Submissions made by Department of Explosive and the consumers are contradictory to each other. The representative from the Department of Explosive claimed during the time of oral hearing that AN melt cannot be transported beyond a distance of 150 k.m. whereas one of a consumer confirmed that AN melt was being transported more than 1500 k.m..
- vi) The petitioner also submit, in regard to the argument that M/s. DFPCL is ineligible as Indian producer domestic industry as M/s. Smartchem has imported ammonium nitrate in the month of January 2001 and is a sister concern of M/s. DFPCL. In this regard this argument is unsupported by the legal provisions, practices, precedence or jurisprudence.
- vii) The representative from Department of Explosives, Nagpur stated that the explosive manufacturers discovered the advantages of suitability and switched to HDAN prills.
- viii) The exporters from Russia has filed insufficient information in support of its treatment under market economy. Natural gas which is a measure raw material required for production of ammonium nitrate, USDOC in the investigation against ammonium nitrate for Russia held natural gas being controlled by Govt. of Russia.
- ix) The domestic industry has requested for the earliest interim duties and in the form of reference price in terms of US\$ so that erosion in the quantum of protection does not take place on account of changes in the exchange rate.

M/s. GULF OIL Corporation Limited

- i) High Density Ammonium Nitrate is used in the manufacture of explosives.
- ii) HDAN is entirely different from Ammonium Nitrate Melt and Low Density Ammonium Nitrate.
- iii) The conversion of one form of Ammonium Nitrate into another involves complicated procedure.
- iv) Ammonium Nitrate in Melt form cannot be transported safely beyond 150 Kms, as it is prone to solidification.

M/s. JSC AZOT NEVINNOMYSSKIY, M/s. JSC AZOT BREZNIKI, M/s. Indian Explosives Limited and M/s. Special Blasts Limited

- i) The imported material is having a density greater than 0.90 gm/cc whereas prills manufactured in India having bulk density of 0.85 gm/cc or below on the basis of the test reports of M/s. SGS.
- ii) The Law relating to anti dumping seeks to provide redressal to domestic manufacture in the event of dumping of goods by exporters, the contravention of Fertilizer Control Order as stated by representative of Fertilizer during the course of hearing or any other Law is not a ground fall levy anti dumping duty. For the imposition of anti dumping duty there must exist dumping, injury and causal link.
- iii) The Department of Fertilizer has requested for a ban on the import of ammonium nitrate on the ground that it was being classified under heading 3102.30, which covers ammonium nitrate. It was urged that since the main heading covers fertilizers, classification under this heading amounts to importing the material as a fertilizer and is in violation of the Fertilizer Control Order. Since ammonium nitrate is not specified in the FCO, this allegation is totally baseless. Moreover, as both under the customs Tariff and Excise Tariff heading 3102 is identically worded, by parity of reasoning; manufacture and clearance of ammonium nitrate under this heading by the petitioner would also be illegal. Classification of a product the tariff, is merely for levy of duty and is not an infringement of the FOC. In fact Larger Bench of the Tribunal in the case of Supreme Chemical works Vs. Collector of Central Excise, Jaipur has specifically classified ammonium nitrate in all forms under heading 3102 for the purpose of charging duty of excise. In view of this decision, we submit that classification of ammonium nitrate in heading 3102 for the purpose of levy of customs duty or for the purpose of levy of excise duty does not amount to infringement of the Fertilizer Control order.
- iv) The Hon'ble High Court Bombay was of the view that the petition, filed by M/s. DFPCCL against import of ammonium nitrate for seeking a ban on import under Fertilizer Control Order 1995 issued under the provisions of Essential Commodities Act 1995, was devoid of merit and therefore allowed the petitioner to withdraw the petition with liberty to file proper petition.
- v) An affidavit was filed on behalf of M/s. Indian Explosives Ltd., wherein it is reinstated that imported Ammonium Nitrate from Russia was purchased on high sea sale basis from M/s. Special Blast Pvt. Ltd. having density above 0.90 gm/cc.

None of the Indian manufacturers have ever offered or sold HDAN prills to M/s. Indian Explosives Ltd. There are two manufacturers of Ammonium Nitrate in prill form in India. These manufacturers are M/s. DFPCL and M/s. Smartchem Technology Ltd. and the materials sold to M/s. Indian Explosives Ltd., have density ranging between 0.81 to 0.85 gm/cc and classified as porous low density ammonium nitrate.

M/s. IBP Co. Limited

- i). M/s. IBP has entered into a contract with India based trader Adani Exports Limited for supplying 11000 MT of HDAN at a price *****/MT. Ex-Vizag net of CVD. M/s. IBP has respective contracts with M/s. DFPCL at Rs. *****/MT (net of excise duty and sales tax), with M/s. STL at Rs. *****/MT (net of excise duty and sales tax) and M/s. GNFC at Rs. *****/MT for AN Melt.
- ii) The Explosive Industry will not be able to survive if the domestic industry will not supply the ammonium nitrate at the competitive rate which will lead to the presence of foreign explosive manufactures like China into India.

Rejoinders to the Public Hearing held on 24th February 2003.

Domestic Industry

- i) The contention of the opposite interested parties that indigenous manufactured products is ammonium nitrate low density prills or ammonium melt is factually incorrect. Domestic industry produces ammonium nitrate which has density and other product characteristics comparable to the imported product. The domestically produced product is comparable in terms of physical & chemical properties, manufacturing process & technology, raw materials content, functions & uses, pricing and product classification. The only difference between AN melt and AN solid is in physical characteristics. However, differences in physical characteristics between AN melt and AN solids does not render any significant difference in the product in view of interchangeable use of the product.
- ii) Admittedly, the imported product has the density of 0.90g/cc. It would be worthy to mention that whereas these opposing interested parties were earlier arguing that such HDAN has density of around 0.85g/cc, now the same parties are arguing that the density of the imported material was 0.90g/cc. Petitioners got density of the imported product checked and found that the density of the imported product was in fact in the region of 0.85g/cc. In any case, density of the domestically produced product is comparable to the imported product.
- iii) The opposing interested parties has projected that density is one of the most important parameters in AN. While the petitioners submit that density as a parameter was not even being used either by the producing industry or by the consuming industry, the parameter has been introduced by the opposing interested parties only before the Designated Authority. Even today, after initiation of present investigation and in spite of so strong argument by these interested parties with regard to density, these interested parties do not mention density while procuring the material even through global tender of HDAN.

- iv) With regard to density of HDAN, petitioners so far have come across only the findings of the US ITC in the matter of Ammonium Nitrate from Russia, wherein the USA has described AN with density higher than 53 pounds per cubic foot (equivalent to 0.849 g/ml) as HDAN. ISI or any other such institutions in India have not classified HDAN with any density value.
- v) It is stated by the Department of Explosives that imported product, i.e., HDAN prill is preferred over melt and LDAN. This also establishes that the two are substitutable, particularly when it is argued by these interested parties that identical product does not exist. Incidentally, AN is not an explosive under the Indian Explosive Act & Rules and thus AN does not come under the purview of Department of Explosives.
- vi) As regarding the claim of M/s. Indian Explosives Ltd., in the affidavit submitted along with written submission dated 4th March 2003 that none of the Indian manufacturers have ever offered or sold HDAN prills to M/s. IEL and the material sold by them have density ranging from 0.81 to 0.85 gm/cc are classified as porous LDAN. M/s. DFPCL claims and produce evidence demonstrating that M/s. IEL has purchased LDAN prills (Optiblast), HDAN prills (Optiform) and AN melt, hence statement made on the affidavit is not factual. We also certify that the average density of various forms of AN produced and supplied by us having densities 1.38 gm/ml, 0.85 gm/ml and 0.78-0.80 gm/ml respectively for AN melt, HDAN prills(optiform) and LDAN prills (optimix/optiblast).

M/s. JSC AZOT NEVINNOMYSSKIY, M/s. JSC AZOT BREZNIKI, M/s. Indian Explosives Limited and M/s. Special Blasts Limited

- i) M/s. Smartchem Technology were the first to import HDAN prill from Russia. Since M/s. Smartchem Technology is one of the affiliate of domestic industry so they are very well aware of the fact that there is no restrictions on the import of HDAN prill.
- ii) The Writ filed by the domestic industry before the Hon'ble Mumbai High Court where in they appeal that the HDAN prill is banned was not accepted and the Court allowed the petitioner to withdraw as to avoid a dismissal on merit.
- iii) The product under consideration or the imported product should be defined as HDAN prills having density greater than 0.85gm. Other products LDAN prills (quated or unquated) or HDAN melt crystal, granuels, flakes and lumps have not been imported. Therefore, product under consideration should be defined clearly and precisely.
- iv) We submit that no comparison can be made between melt and HDAN prill as melt exist only at a very high temperature and has a limited applicability. The petitioner claim that the manufacture HDAN in prill forms is false and baseless.
- v) We submit that the density with regard to solid product and not to a liquid product in the findings of USDOC concerning import of Ammonium Nitrate from

Russia. If fact ammonium nitrate in liquid form (90% concentration) would invariably a density of above 1.30/ml.

- vi) The different forms of Ammonium Nitrate such as lumps, crystals and ~~flakes~~ have not been manufactured in substantial quantities by the petitioner for the explosive industry during the period of investigation. Therefore, submissions in this regard should be disregarded.
- vii) It has been stated by the petitioner that the statement that due to the closure of FCI Sindhri, and Rourkela Steel Plant has created a shortage in the Eastern Region is itself is an admission on the issue of like article. We submit that HDAN substitute the melt to some extent, however the reverse is not true.
- viii) Natural Gas is abundance in Russia at a relatively low price. We would welcome the Designated Authority or any other officer to verify the factual claims made by us. The selling price of AN is not controlled by any legislative or administrative order. The exporter is free to choose its source of raw material. The cost of technology has not been affected by any state interference. Legislation with regard to Labour Laws, Corporate laws, Bankruptcy laws have been provided.
- ix) No information has been provided with regard to market share, decline in export price and other such factors. Since there is no injury to the petitioner the request for termination on this ground.
- x) The landed value of imports is higher than the selling price of melts prior to the POI. Both prior and subsequent to the imports melt is being sold at lower price than the landed value. Therefore there is no causal link and requesting for termination of the investigation.
- xi) Submissions were also made by M/s. IBP Co. Ltd., but most of the issues are repetitive nature as already raised other interested parties. Therefore for the sake of brevity arguments are not reproduced.

C. EXAMINATION AND FINDING BY AUTHORITY

The submission made by the imports, exporters, users, domestic industry and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

1. Product Under Consideration:

- i) The product under consideration in the present investigation is Ammonium Nitrate. It is produced in various forms such as melt, prill, crystal, granules, flakes and lumps. The product is first produced in melt form which is then solidified to obtain prills, flakes, lumps etc. Ammonium Nitrate is manufactured by synthesizing vapour Ammonia with Nitric Acid (60% concentration) in a circular type neutralizer. Then the Ammonium Nitrate solution (71 - 75% concentration) is sent to evaporator, concentrated (upto 82% for Ammonium Nitrate Melt merchant sale and upto 96% for prilling) and stored in Melt tank.

Thereafter AN melt is used for prilling process (prilling, pre drying, drying, cooling, condensing and bagging) to produce AN prills.

With regard to density, Ammonium Nitrate is classified in two forms:-

- High Density Ammonium Nitrate covering all forms like melt, crystal, granules, flakes, lump, prills.
 - Low Density Ammonium Nitrate, usually in prill form.
- ii) Coating is another parameter. Ammonium Nitrate can be uncoated or chemically coated. Chemically coated and uncoated forms are like article, the only difference between the two being that of coating. Coating is done in order to minimize moisture pick-up during storage, in turn, avoid caking/hard lump formation.
- iii) It is an inorganic chemical and classified under chapter 31 of Customs sub-headings 3102.30 of the Customs Tariff Act 1975. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation. Ammonium Nitrate is used in water gel/slurry explosives, emulsion explosives which have the following applications like open cast mining, under ground metalliferrous mining construction industries, project etc, where as low density Ammonium Nitrate is preferred over granules/crystals for making Ammonium Nitrate fuel oil (ANFO) which is used as blasting agents as well as emulsified (ANFO). Whatever be the form, all High Density Ammonium Nitrate is converted into melt form for end application in the production of Water-gel/Emulsion Explosives. However, production of solid form requires small incremental production process and extra cost. Production of low density Ammonium Nitrate of course requires further additional investment.
- iv) The exporters/importers have described the product as High Density Ammonium Nitrate/Ammonium Nitrate(Fertilizer Grade)/Ammonium Nitrate/ High Density Ammonium Nitrate(Fertilizer Grade) . USDOC in the anti dumping investigation concerning import of Ammonium Nitrate from Russia described AN with density higher than 53 pounds per cubic foot (equivalent to 0.849 gm/ml) is HDAN while AN with lower density is LDAN. The petitioner claims that they produce Ammonium Nitrate with density higher than 0.85 gm/ml to 1.39 gm/ml. Whereas interested parties have claimed the petitioners are producing only Low Density Ammonium Nitrate having density less than 0.85 gm/ml apart from AN prills. The interested parties have also admitted in their submissions that none of the other domestic industry except M/s. DFPCL produce Ammonium Nitrate prills but i.e., LDAN prills. The petitioner have claimed that M/s. DFPCL is the sole producer of both High and Low density Ammonium Nitrate prills and which are sold with the brand name Optiform (HDAN prills) and Optimix (LDAN prills). To this effect they have produced SGS test report stating that Optiform has a density of 0.85 gm/ml whereas the consumers have produced the SGS test certificate of unquoted Ammonium Nitrate prills having density less than 0.85 gm/ml. The Authority notes that the documentary evidence furnished by the petitioner could not very categorically establish that the Ammonium Nitrate prills

sold as Optiform is identical to HDAN prills exported by Russian and Iranian exporters.

- v) Petitioners have claimed that even though commercially Ammonium Nitrate is classified into two categories in terms of density, density as a technical parameter is not specified in most of the product specifications. Even the test reports of the material normally do not mention density of the material. The classification is more relevant in the market parlance rather than as a technical requirement. The interested parties have raised arguments at different stages of their submissions that the imported HDAN prills are not the like article to those being produced by the domestic industry. They have further stressed that domestic industry is producing all other forms of Ammonium Nitrate except HDAN prill on the basis of the evidence and documents furnished by the petitioners and interested parties. The Authority notes that the word HDAN was not in domestic commercial transaction practice prior to imports and, during the domestic verification of manufacturing units it was observed from their sales/ supplies documents of various consumers that the producers have never described the product as HDAN prill or HDAN melt rather supplied as AN prill or AN melt.

- vi) As regards the HDAN prill, the Authority has considered the view expressed by the petitioner, exporters, and importers/users. Rule 2 (d) of the Anti Dumping Rules defines the like article as,

"like article means an article which is identical or like in all respect to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

- vii) As regards the arguments of exporter, importer/users that the imported product is not identical or alike in all respect to the article under investigation, the Authority notes that the petitioners have stated inter alia that there is a great amount of substitutability between the various forms of Ammonium Nitrates, there is a close resemblance in terms of characteristics of domestically produced Ammonium Nitrate and imported HDAN prill which is also used for production of explosives only. On the basis of evidence furnished both by the petitioners and interested parties the Authority is constrained to establish that all types of Ammonium Nitrate produced by the domestic industry are not identical or alike in all respects to HDAN prills, one of the products under investigation. In the absence of an identical product the next parameter for determination whether the products being produced by the domestic industries which although not alike in all respects, have closely resembling those of the articles under investigation. As per the own admission by one of the interested parties that due to the closure/periodic shutdown of two of the units manufacturing Ammonium Nitrate mainly SAIL, Rourkela and Fertilizer Corporation of India, Sindhri, the Explosives Industries located in Eastern India have no other option but to resort to the imports which were comparatively cheaper and more user friendly compared to sourcing Ammonium Nitrate from other parts of India. The user industry has also admitted in their submissions that because of gap in demand and supply, they prefer the imported Ammonium Nitrate prills over the domestic supplies of Ammonium Nitrate Melt/solids due to it being cheaper and convenient in

handling. One of the consumers has even admitted in his submissions that due to the difference in landed price of imported HDAN prills and sourcing Ammonium Nitrate melt/solids constitute a minimal difference of Rs.****/MT to Rs ****/MT. Therefor the Authority notes that domestically produced AN melt/ AN solid are substitutable and interchangeable to a great extent to the imported HDAN prill as per the admission of interested parties.

- viii) From the documentary evidence provided by the domestic industries regarding the sales of Ammonium Nitrate for the period April 2001 to February 2003 i.e., beyond the POI it is found that majority of Explosives Industries have sourced both AN melt and AN prills. During the course of verification of costing and sales information of the domestic industry it was established from their sales and excise register that Explosive Industry is using both HDAN melt/solids for manufacturing explosives. From consumers' point of view, the consumers have also consumed the two interchangeably. The Authority notes that one form has been imported and consumed where the other form was being consumed establishes technical and commercial substitution of the two forms.
- ix) It is important to note that there were hardly any imports of AN earlier. Consumers of imported material were meeting their requirement from domestic source only. Even the Department of Explosive, Nagpur has informed that by using the imported product, the explosive manufacturers found it advantageous and switched to HDANP. The Authority holds the view expressed by DOE, Nagpur that both the imported HDAN prills and domestically produced Ammonium Nitrate have been used by explosive industry. The DOE further expressed that because of closure of FCI, Sindri and SAIL, Rourkela, the shortage of AN Melt has been met by the imported HDAN Prills. Secondly, the risk involved in handling melt and LDANP are higher than the HDAN Prills. The Authority holds that preference of one form over the other per se implies that all forms are comparable therefore the Authority does not find merit in the argument of interested parties that HDAN prills cannot be covered as product under consideration i.e., Ammonium Nitrate. Hence the Authority finds logic in the arguments raised by various exporter/importers that price parameter may be looked into as Ammonium Nitrate melt, HDAN prill and LDAN prill as a manufacturing process have additional costing at each stage of production from ANmelt to HDANprill to LDAN prill.
- x) The custom has classified the product under Chapter 31 of Customs Tariff Act 1975 under sub-heading 3102.30 describing the product as Ammonium Nitrate whether or not in aqueous solution. The Authority holds that HDAN prill which is being covered and cleared under the above Custom sub-heading, does substantiate the claim of the petitioner as HDAN prills being a like article to a great extent.
- xi) The petitioner has further claimed that Ammonium Nitrate is generally consumed in melt form only as emulsion explosives. Thus, conversion of Ammonium Nitrate into solid form is not a technical requirement rather is convenient for storage and handling. The interested parties have also admitted in their submissions that Solids forms of AN transported without specialized tanker whereas transportation of melt requires special tankers with controlled

temperature to maintain its technical specification. Thus transportation of AN melt required higher expenditure due to specialized tankers. The Authority notes, from the commercial point of view, it is a cost benefit analysis between additional cost of converting AN melt into solid forms versus higher transportation cost involved for melt. The cost benefit analysis is relevant as a same consumer has procured AN both in solid and melt forms from different producers for the similar application.

xii) The Authority examined the consumption pattern of the consumers in detail for the period April'2000 to Feb'2003. The Authority has analysed the information with regard to customer wise sales of petitioner companies to various consumers and notes that;

- a) In fairly large number of cases, the consumers have purchased melt. It is also noted that while in some cases such melt has been converted into solid before transportation to the customer's premises. In a fairly large number of cases, such melt has been transported in melt condition itself.
- b) The same consumer has purchased AN in various forms. For instance, Indian Explosives has purchased AN in prill form, AN in melt form and AN in lump form. There is sufficient evidence to suggest reasonably good level of interchangeability in the instant case.
- c) While it may be true that some form may be preferred over another, preference of one form over another does not render the two product as dislike products. In fact, the existence of preference per se establishes that the products can be interchangeably used.

The Authority notes that the use of HDAN Prills over domestically produced AN Melt/Solids may offer certain advantages however the basic properties of both the material remains same as both are used for manufacturing explosives. The Authority further notes that manufacturing process and technology or consumption of different raw materials are same for both imported HDAN Prills and AN Melt/Solids.

xiii) The Authority in view of submission made by the petitioners and other interested parties, thereby keeping in view of substitutability and consumed interchangeably by the same consumers of the subject goods, exported from subject countries and those produced by the domestic industry, considers the subject goods exported and domestically produced subject goods as like article as per Rule 2(d) for the purpose of preliminary determination. The Authority keeping in views of the petitioners, importers, exporters, the aspect relating to like article, dumping, injury, causal link may be examined in greater detailed for the purpose of final finding

2. Domestic Industry

- i) The present petition has jointly been filed by Gujarat Narmada Valley Fertilizers Company Limited (GNFC), National Fertilizers Limited (NFL) and Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited (DFPCL). Production of the subject goods by the petitioners constitute a major proportion of production of like article in India. Petitioners satisfy the standing to file the application under

anti dumping Rules. Further the petition has been supported by Rashtriya Chemicals and Fertilizer Ltd.,

- ii) Arguments have been raised by many interested parties that M/s. DFPCL is not eligible to file the present petition as its affiliate has imported the subject goods and does not constitute the domestic industry. The Authority has examined the position with regard to standing of M/s. Deepak Fertilizer and Petrochemical Corporation Ltd., and holds that M/s. Smartchem Technology Ltd., an affiliate of M/s. DFPCL has imported the material prior to the period of investigation.
- iii) As regards the standing of the domestic industry, the Authority has considered the view expressed by the petitioner, exporters and importers/users. Rule 2 (b) of the Anti dumping rules defines domestic industry as,

“ domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case (such producers may be deemed) not to form part of domestic industry.

The Authority, therefore notes that for the purpose of present investigations, the imports under investigation period is relevant, as already been held by the Designated Authority and CEGAT.

- iv) The Authority notes that the petitioners constitute 58% of the production of the domestic industry and with support of M/s. Rastriya Chemicals and Fertilizers Ltd., domestic industry represents 74% of total production. Therefore the petitioners have the standing to file the petition on behalf of the domestic industry as per Rule 5 (3) (a) and (b) of the anti dumping Rules and also represent domestic industry in terms of Rule 2 (b).

3. NORMAL VALUE & EXPORT PRICE

Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The normal value and ex-factory export price determination is illustrated below.

- i) The Authority sent questionnaire to the all known exporter for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9 A (1) (C). The Authority received responses from two exporters from Russia and one exporter from Iran. However, the responses filed by the exporter are found to be grossly insufficient and incomplete for the reasons as mentioned in detail here in below.

Iran

M/s. Iran Petrochemicals Commercial Company, Tehran

Normal Value

- i) M/s. IPCC, Tehran responded to the questionnaire giving information relating to exports and domestic sales of Ammonium Nitrate. As per the anti dumping rules Annexure 1 (2) sales of the like product in the domestic market of the exporting country has to be in the ordinary course of trade. The Authority finds the response furnished by the exporter has grossly deficient due to the following observation,
1. transaction wise details of the domestic sales has not been furnished in Appendix 1,
 2. the exporter has not provided the complete information regarding exports to India, domestic market sales and exports to third countries and is required to furnish the information for preceding two years and month wise information for the period of investigation, in Appendix 3,
 3. in Appendix 2 the information has been provided for FOB Bandar Abas Iran, whereas the overseas freight in Appendix 4 is showing NIL this needs clarification and supporting document for freight ,marine insurance and commission.,
 4. in Appendix 4 all charges/expenses to be adjusted have not been indicated. Full details with supporting documents needs to be provided,
 5. Appendix 5 is incomplete as the selling price of Ammonium Nitrate has not been indicated and documentary evidence needs to be provided for adjustment claimed with regard to arrive at ex-factory cost,
 6. In Appendix 7 quantity and value in respect of opening stock, production, sales and closing stock needs to be furnished. In addition detailed information required to be provided for other products as it is a multi product group,

- 7) Information is required in respect of raw materials and ratio in the final product in Appendix 8, 9 & 10 regarding cost of production as per the exporters questionnaire. As the company is manufacturing other products in addition to the products being investigated detail explanation with basis for allocation of costs like utilities and all elements of overheads needs to be furnished. These expenses should be verifiable from the profit and loss account and quarter wise information related to cost of production is also required for comparison with the quarter wise sales information.
- ii) The company has not provided copies of trading, profit and loss account and balance sheet for the current year and previous two financial years showing the determination of gross profit, details of selling and administration and other costs and net profit.
- iii) In view of the inadequate response filed by the exporter the Authority has decided not to take into account information furnished by the exporter and relied on the facts available as per Rule 6 (8) Supra. Therefore the information available on the estimated cost of production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out normal value of the subject goods in Iran.
- iv) The normal value is therefore referenced as ****\$/MT for M/s. Iran Petrochemical Commercial Co. Ltd., Tehran for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Export Price

- i) The Authority has considered the information regarding the export price furnished by the exporter. The exporter has shown adjustment on account of insurance, port expenses, storage, inland freight, which have been allowed. However the exporter has not shown adjustment on account of Commission and Ocean freight which have been adjusted as made available by the petitioner. The Authority has accepted these adjustment for the purpose of preliminary determination for calculating the net export price at ex-factory level from Iran to India for M/S IPCC Tehran, subject to further examination and verification. The export price is referenced as US\$ ****/MT for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Other Exporters/Producers from Iran

Normal Value

- i) The Authority notes that none of the exporters from Iran except M/s. IPCC, Tehran has responded by way of questionnaire response to the initiation notification. The Authority, in view of non cooperation, has constructed the normal value for all other producers/exporters on the basis of best available information in accordance with Rule 6 (8) of anti dumping Rules.

- ii) The normal value is therefore referenced as ****\$/MT for Iran for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Export Price

- i) The export price given by the petitioner has been correlated with the data supplied by the cooperative exporter. It is a bulk item of supply, as such not much variation was found in the export price, therefore, the Authority notes and decides to reference the same export price of the cooperative exporter for the purpose of determination of dumping margin.
- ii) The ex-factory export price is referenced as ****\$/MT for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Russia

Normal Value

M/s. JSC AZOT: BEREZNIKI

- i) M/s. JSC AZOT: BEREZNIKI have responded to the questionnaire which is grossly deficient. The Authority further notes that the exporter has provided incomplete and insufficient information regarding domestic sales price in the home market and export price of subject goods to India.
- a) The transaction wise details in Appendix 1 of domestic sales with sample invoices needs to be provided.
- b) In Appendix 2, it is to be clarified whether it is a C & F or CIF price along with the copy of invoice.
- c) Appendix 3 has not been provided at all,
- d) In Appendix 4, furnish evidence regarding adjustment claimed to arrive at ex-factory export price,
- e) Appendix 5 also needs to be furnished with all adjustments along with evidences,
- f) Appendix 7 is incomplete as details regarding opening stock, production and sales have not been provided as per Performa in exporters questionnaire, In addition to the production under consideration details may be provided for the other products, as it is a multi product group,
- g) The cost of production in respect to exports to India, the domestic sales and countries other than India are required to be furnished as per exporters questionnaire in Appendix 8, 9 & 10.
- ii) The company has not provided copies of trading, profit and loss account and balance sheet for the current year and previous two financial years showing the determination of gross profit, details of selling and administration and other costs

and net profit duly certified on the basis of Generally Accepted Accounting Principles.

- iii) Regarding the arguments of exporters for considering them as Market Economy as EC and USDOC have treated Russia as Market Economy in their findings. Petitioners have claimed that Russia has been treated as non-market economy by EC in last three years in the matter of Certain Grain Oriented Electrical Sheets and Strips (flat-rolled products) of a width not exceeding 50 mm and EC is a member of WTO. Regarding the claim of Market Economy Treatment, the Authority has examined their submissions in the light of various Custom Notification No. 44/99, dated 15th July 1999, No. 28/2001 dated 31st May 2001 and No. 1/2002 dated 4th January 2002 on the anti dumping in respect of issue of Non Market Economy under anti dumping Rules Supra.
- iv) As communicated to the known exporters and to the Embassy of Russia, the Authority proposes to examine the claim of the petitioner in the light of Para 7 & 8 of Annexure 1 of anti dumping Rules as amended. The Authority notes that the exporter has not submitted complete information as mentioned above, the test of domestic sales in the ordinary course of trade is not possible in the given circumstances and to determine the normal value as per provisions contained in Section 9 A 1 (C). The Authority also notes that the exporter has not furnished necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub Para 3 of the Paragraph 8 of Annexure 1 of anti dumping Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether,
 - a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
 - d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

- v) Therefore the Authority in view of no rebuttal by the exporter on the issue of non market economy with sufficient evidence in the light of Custom Notification No. 28/2001 dated 31st May 2001 and No. 1/2002 dated 4th January 2002 on the anti dumping in respect of issue of Non Market Economy under anti dumping Rules Supra

and the fact that the cost of production of the subject goods has not been made available by the exporter thus not permitting the Authority to apply the ordinary course of trade test and to determine the sales being at arm's length.

- vi) In view of the inadequate response filed by the exporter, the Authority has decided not to take into account information furnished by the exporter and relied on the facts available as per Rule 6 (8) Supra. Therefore the information available on the estimated cost of production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out normal value of the subject goods in Russia.
- vii) The normal value is therefore referenced as ****\$/MT for M/s. JSC AZOT Berzniki, Russia for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Export Price

- i) The Authority has consider the information regarding the export price furnished by the exporter. The exporter has shown adjustment on account of ocean freight, port expenses, storage, inland freight, commission which have been allowed. However the exporter has not shown adjustment on account of marine insurance, which has been adjusted as made available by the petitioner. The Authority has accepted these adjustment for the purpose of preliminary determination for calculating the net export price at ex-factory level of M/s. JSC AZOT Berzniki, Russia to India subject to further examination and verification. The export price is referenced as US\$ ****/MT for the purpose of preliminary determination pending final determination.

M/s. JSC Nevinnomysskiy Azot, Russia

Normal Value

- i) M/s. JSC Nevinnomysskiy Azot have responded to the questionnaire. They have not furnished information regarding domestic sales in their home market and export information regarding exports to India in Appendix 1 & 2 respectively. As per the anti dumping Rules Annexure I (2) sales of the like product in the domestic market of the exporting country has to be in the ordinary course of trade. And ordinary course of trade to be tested only with availability of information of domestic sales of the subject goods in their home market. In Appendix 4 the adjustment claimed before FOB are without documentary evidence.
- ii) The sales price structure for domestic sales in Appendix 5, adjustment has not been indicated regarding packing, freight, insurance, storage and handling etc. Total sales of the company in appendix 3 is not reconciling with the details provided in appendix 7.
- iii) In Appendix 7 quantity and value in respect of opening stock, production, sales and closing stock needs to be furnished. In addition detail information are required for other products also as it is a multi product group.

- iv) They have furnished the information regarding cost of production for sales on domestic market and sales to other countries which is inclusive export to India also. It is desired that the exporter may furnish cost of production for exports to India separately as solicited in Appendix 8 of the exporters questionnaire.
- v) Regarding the arguments for considering them as Market Economy as EC and USDOC have treated Russia as Market Economy in their findings. Petitioners have claimed that Russia has been treated as non-market economy by EC in last three years in the matter of Certain Grain Oriented Electrical Sheets and Strips (flat-rolled products) of a width not exceeding 50 mm and EC is a member of WTO. Regarding the claim of Market Economy Treatment, the Authority has examined their submissions in the light of various Custom Notification No. 44/99, dated 15th July 1999, No. 28/2001 dated 31st May 2001 and No. 1/2002 dated 4th January 2002 on the anti dumping in respect of issue of Non Market Economy under anti dumping Rules Supra.
- vi) As communicated to the known exporters and to the Embassy of Russia, the Authority proposes to examine the claim of the petitioner in the light of Para 7 & 8 of Annexure 1 of anti dumping Rules as amended. The Authority notes that the exporter has not submitted complete information as mentioned above, the test of domestic sales in the ordinary course of trade is not possible in the given circumstances and to determine the normal value as per provisions contained in Section 9 A 1 (C). The Authority also notes that the exporter has not furnished necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub Para 3 of the Paragraph 8 of Annexure 1 of anti dumping Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether,
 - a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
 - d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.
- vii) The Authority was constrained to accept the claim of market economy treatment in absence of sufficient information/documentary evidence provided by the

exporter as desired in sub Para 3 of the paragraph 8 of Annexure 1 of anti dumping Rules. The exporter has not adduced sufficient information and evidence to establish that it operates under market condition.

- viii) Therefore the Authority in view of insufficient information filed by the exporter on the issue of non-market economy and in view of the inadequate response filed by the exporter the Authority has decided not to take into account information furnished by the exporter and relied on the facts available as per Rule 6 (8) Supra. Therefore the information available on the estimated cost of production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments has been taken as the basis for working out normal value of the subject goods in Russia.
- ix) The normal value is therefore referenced as ****\$/MT for M/s. JSC Nevinnomysskiy Azot, Russia for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Export Price

- i) The Authority has consider the information regarding the export price furnished by the exporter. The exporter has shown adjustment on account of ocean freight, port expenses, storage, inland freight, which have been allowed. However the exporter has not shown adjustment on account of marine insurance which has been adjusted as made available by the petitioner and commission has been taken and adjusted from the other exporters from Russia. The Authority has accepted these adjustment for the purpose of preliminary determination for calculating the net export price at ex-factory level of M/s. JSC Nevinnomysskiy Azot, Russia to India subject to further examination and verification. The export price is referenced as US\$ ****/MT for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Other Exporters/Producers from Russia

Normal Value

- i) The Authority notes that none of the exporters from Russia except M/s. JSC AZOT Berzniki, Russia and M/s. JSC Nevinnomysskiy Azot, Russia has responded by way of questionnaire response to the initiation notification. The Authority in view of non cooperation, has constructed the normal value for all other producers/exporters on the basis of best available information in accordance with Rule 6 (8) of anti dumping Rules.
- ii) The normal value is therefore referenced as ****\$/MT for Russia for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Export Price

- i) The export price given by the petitioner has been correlated with the data supplied by the cooperative exporter. It is a bulk item of supply, as such not much variation were found in the export price, therefore, the Authority notes and

decides to reference the lowest export price of the cooperative exporter for the purpose of determination of dumping margin.

- ii) The ex-factory export price is referenced as ****\$/MT for the purpose of preliminary determination pending final determination.

4. DUMPING Comparison of Normal Value & Export Price

The rules relating to comparison provides as follows:

- i) "While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."
- ii) The authority has carried out weighted average normal value comparison with the weighted average ex-factory export price in Period of Investigation, for evaluation of the dumping margin for all the exporter/producers of the subject country.

The dumping margin for exporter/producers comes as under:

Exporter/ Producer	Normal value(NV) \$/MT	Export \$/MT	Price(EP)	Dumping margin as % of EP
(1) Russia				
(a) M/s JSC AZOT Berzniki,	****	****		90%
(b) M/s. JSC Nevinnomyssikiy Azot	****	****		89%
All other exporters/producers	****	****		150%
(2) Iran				
M/s. IPCC, Tehran	****	****		87%
All other Exporters/Producers	****	****		89%

5. INJURY AND CAUSAL LINK

- i) Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped

imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

- ii) For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, we may consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

Cumulative Assessment

- i) The exporters from Russia and Iran are dumping Ammonium Nitrate in the Indian market. Annexure II (iii) to the Anti Dumping Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:-
- ii) The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
- iii) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
- iv) The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed.
- v) It is seen that the quantum of imports from each of the subject countries are more than the de-minimus limits. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.
- vi) The Authority found that there is a cumulative effect of injury by imports of subject goods on the domestic industry.

Volume and market share of dumped imports

- i) Regarding the quantum of imports the Authority has considered the statistics of imports of subject goods published by the Director General of Commercial Intelligence and statistics (DGCI&S), Kolkata and secondary sources. The Authority has also

considered the information furnished by the exporter and importer and found that information furnished by the exporter and importer correspond to the imports details of DGCI&S. Therefore the Authority has relied upon the DGCI&S data for analysing the import trend from the subject country and injury caused to the domestic industry on this account.

ii) As per the statistics published by the DGCI&S the quantum of imports of ammonium nitrate from subject country which has been examined by the Authority and considered the views of petitioners, importers and exporters.

iii)

Domestic industry	2000-2001		POI Annualised		2001-2002		Q1 2002-03	
Particulars	Volume	Value	Volume	Value	Volume	Value	Volume	Value
Subject Countries								
Russia	12046		31757.6		19786		19911	
Iran	0		9600				12000	
Total	12046		41357.6		19786		31911	

It is evident that during the POI (April 2001 – June 2002) 51697 MT of ammonium nitrate were exported by Iran and Russia. The imports of ammonium nitrate have increased significantly in absolute terms may be seen from the above table. The Authority notes that there is a significant increase in imports of Ammonium Nitrate from the subject countries. During the period 2001-2002 imports have increased by 191% over the imports of 2000-2001. The imports during the POI (annualized) have increased by 371% compared with the preceding year. There is a very significant imports during the first quarter of 2002-2003 i.e., 31911 MT

iv)

	1998-99	1999-00	2000-01	POI Annualized	2001-02	Q 1 2002-03
Share in Demand (%)						
Merchant production	8.05	14.69	17.49	26.01	25.92	20.13
Imports from subject countries	0	0	2.17	8	3.74	20.84
Other Indian producers	22.49	21.16	27.42	19.09	18.64	16.12
Demand including captive consumption	584517	546492	542596	516934	529417	153089

From the above table it is observed that the share of volume of imports in total demand has increased from 2.17% in 2000-2001 to 8% during the POI (annualized) whereas the market share in demand has also increased from 17.49% during 2000-2001 to 26.01% during the POI (annualized). The domestic industry has the capacity to cater the demands of the market which is otherwise displaced by the dumped imports.

v)

Demand excluding captive consumption	1998-99	1999-00	2000-01	POI Annualized	2001-2002	Q 1 2002-2003
Merchant Demand (MT)	178557	195913	245824	274485	255756	87391
Domestic industry (%)	26.36	40.97	39.45	48.98	53.66	35.25
Other producer (%)	73.64	59.03	60.52	35.95	38.58	28.23
Imports from subject countries			4.67	15.07	7.74	36.52

It is seen from the above table that the share of import in Merchant Demand has increased from 4.67% in 2000-01 to 15.07% during the POI (annualized), whereas share of domestic industry has also increased from 37.62% in 2000-2001 to 48.39% during the POI (annualized). The increase in the share of domestic industry in Merchant Demand is due to the closure of two of the manufacturing units of Ammonium Nitrate i.e., SAIL, Rourkela and FCI Sindhri.

vi) **Price Undercutting and Price Depression:**

In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree. The Authority has compared the landed value of imports of subject goods from subject countries during the POI with the net sales realization and has found that there has been a significant price undercutting by the dumped imports. The landed value of imports has been found to be significantly lower than the domestic industry's net sales realization. The Authority has examined the claim of the petitioner that the domestic industry is suffering on account of the losses from the sale of Ammonium Nitrate. The Authority notes that the price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the non injurious price for the domestic industry consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The analysis shows a significant level of incidence of price underselling causing injury to the domestic industry. The imports have had a significantly suppressing/depressing effect on the prices in the domestic market as the domestic industry has not been able to raise its selling price in view of the dumped imports. Thus examination of the available evidence shows that the domestic industry as a whole has suffered injury on its sales of subject goods during POI. The Authority has determined the extent of price undercutting during the POI and holds that domestic industry has suffered significant price undercutting and price underselling during the POI due to dumped imports from subject countries.

vii) **Profitability**

Domestic industry	1998-99	1999-00	2000-01	POI Annualized	2001-02	Q I 2002-03
Unit cost of production	****	****	****	****	****	****
Trend	100	123.48	132	124.92		
Unit selling price	****	****	****	****	****	****
Trend	100	109.17	123.78	118.15		
Unit profit/loss	****	****	****	****	****	****
Trend	-100	-289.50	-227.36	-202.28		

The cost of production of the domestic industry has declined in the POI whereas selling price has also declined. The domestic industry is incurring the loss due to the fact that the domestic industry is forced to reduce the selling price below its cost of production to hold on market due to dumped imports from subject countries. The industry has suffered material injury on account of depressed selling price resulting in non recovery of cost of production and thereby suffering financial losses.

viii) **Inventory/Stock**

Domestic industry	1998-99	1999-00	2000-01	POI Annualized	2001-02	Q I 2002-03
Opening stock (MT)	293.2	293.2	108.07	358.61	358.61	498.44
Trend (%)						
Closing stock (MT)	296.43	107.97	358.61	463.78	498.44	323.65
Trend (%)						
Average stock	294.865	202.1	233.19	411.19	428.075	411.045
Trend						

The Authority notes that the inventory has increased from 107.97 MT in 1999-2000 to 358.61 MT in 2000-2001 and it has significantly increased to 463.78 MT in the POI (annualized). The average stock is showing an increasing trend from 202.1 MT in 1999-2000 to 233.19 MT in 2000-2001 which has further increased to 411.19 MT during the POI. The petitioners submit that the AN solid being highly hygroscopic in nature, has a limitation to its self life because of this reason they don't keep high inventories. In the case of AN melt since the material is stored in insulated storage tank at a temperature around 130 degree C, thus the plant operates at bare minimum inventories to save on the cost of steam. Therefore inventories of both AN solid and AN melt are at minimum levels regulating production volumes and availability of sales contracts.

ix) **Production & Capacity Utilisation**

Domestic industry	1998-99	1999-00	2000-01	POI Annualized	2001-02	Q 1 2002-03
Capacity	563587	563587	563587	563587	563587	563587
Production	453034	430663	394007	406083	411053	96551
Capacity utilisation (%)	80.38	76.41	69.91	72.06	72.94	68.58
Domestic sales	47070	80272	96985	134444	137246	30809

The production has decreased in 2000-2001 but showing a marginal increase of 3% during the POI (annualised). The capacity utilisation has also increased a little more than 1% in POI compared to preceding year 2000-2001. The domestic sale is showing a increasing trend due to the increase in demand but the industry had to sale their product at unremunerative price to compete with the dumped imports and this is due to transfer of sales/contract of M/s. SAIL Rourkela and M/s. FCI Sindhri to the domestic industry, as they have closed for production of Ammonium Nitrate.

xi) The selling price decreased in the investigation period as compared to the previous year, the decrease in the cost of production was much more than the decrease in the selling prices. In fact, it is found that the loss per unit has also decreased in the investigation period, still, the dumped imports have prevented the domestic industry from effecting legitimate price increase to realize a reasonable price.

xi) The sales of the domestic industry have increased because other Indian producers have suspended production.

xii) The Authority notes that though the investigation period runs into 15 months, imports have largely reached Indian ports only in the past 3 months of the investigation period. Due to steep increase in imports in April 02-June 02 period, production, sales, and capacity utilization of the domestic industry has suffered in this period

xiii) The employment level of the domestic industry has not undergone any significant change during the POI.

Threat of Injury

As regards the threat of injury, the Authority notes that the Anti-Dumping Rules states as follows:

i) "A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances, which would create a situation in which the dumping would cause injury, must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the DA shall consider, inter-alia, such factors and;

a) a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;

- b) sufficient freely disposable or an imminent, substantial increase in capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
- c) whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and,
- d) inventories of the article being investigated.

In addition to the material injury already inflicted on the domestic industry the dumped imports are posing serious threat of material injury, as would be evident from the following:-

- i) The Authority has examined the contention of the Petitioners regarding threat of injury and noted that many countries have already imposed anti dumping duty on imports of Ammonium Nitrate from Russia. This has resulted in increased pressure on Russian Exporters to sell more in Indian market as they have a huge production base. It is evident from the import statistics of DGCI&S that during the last three months period of POI (April-June'02) 19911 MT of AN were exported by the Russian Exporters, compared to 19786 MT in 2001-2002. 37926.3 MT of Ammonium Nitrate were exported by Russian exporter during July – September 2002 (post POI) as per import statistics available from DGCI&S Kolkata.
- ii) The imports are very severely undercutting the prices in the domestic market.
- iii) The exporters in the subject countries are holding significant surplus capacity.
- iv) The trend of imports in the post investigation period is equally significant

Conclusions on Injury:-

From the foregoing, the following conclusions are made by the Authority regarding injury suffered by the domestic industry.

- a) Imports from the subject countries have increased significantly in absolute terms.
- b) Imports from the subject countries have increased in relation to the demand of Ammonium Nitrate in India.
- c) Imports are undercutting the selling prices of the domestic industry
- d) The profitability of the domestic industry has been eroded resulting into financial losses.
- e) The petitioner is suffering from price suppression/depression as landed price for the subject goods from the subject countries are less than the cost of production of domestic industry.

- f) The petitioner is suffering from price underselling as landed price of the subject goods are below the non injurious price or fair selling price of the domestic industry.
- g) The domestic industry has suffered material injury
- h) There is clear evidence of threat of injury.

Causal Link

1. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry the principle (iv) of Annexure 2 of the anti dumping Rules states :

- i) "the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concern, shall include and evolution of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilisation of capacity: factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping, actual or potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments".

- ii) The Authority holds that the increasing quantum of imports from subject countries and very significant one in the last quarter of the POI resulted in displacement of market share of the petitioner even after the demands have increased, thus resulting in material injury to the domestic industry. The effect of dumped imports of HDAN prills, the Authority has found that based on the close resemblance of their characteristics it is like article to the domestically produced ammonium nitrate. These are commercial substitutes. Import of HDAN prill had resulted in curtailment of sales contract of the domestic industry and also displaced the demand of domestically produced Ammonium Nitrate. The Authority holds that the significant increase in imports of Ammonium Nitrate since 2001-2002 has contributed to increase in imports in absolute terms. This in effect started under cutting the prices of the domestic product compelling the domestic industry to sale below its fair selling price. Resultantly, the domestic industry was not in a position to realise its fair selling price and therefore incurred losses. Therefore the material injury was caused by the dumped imports from the subject countries to the domestic industry. The Authority also found evidence regarding import of HDAN prill/Ammonium Nitrate in bulk (Fertilizer Grade) in the period subsequent to the POI from Russia. The Authority holds that there is a threat of imminent imports of subject goods, which are like article from subject countries. The injury to the domestic industry is a consequence of dumped imports of like article from subject countries.

- iii) The domestic industry is facing injury due to dumping of Ammonium Nitrate by exporters from subject countries. The increase in imports from the subject countries have had a direct impact on the prices. Resultantly, while the import volumes increased on the one hand, the domestic industry has been forced to lower its prices on the other hand. There is no contraction in demand. The demand has rather increased. Further, there is no other factor such as trade restrictive practice or development in technology which could have caused material injury to the domestic industry.

5. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

i) The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

ii) The Authority also recognises that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the consumers.

iii) The Authority notes that the imposition of anti-dumping measures would also not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

iv) The Authority has not merely relied upon the submissions of the petitioners regarding fair selling price, rather the Authority deputed a team for on-the-spot investigation and verification of costing and manufacturing process of various forms of Ammonium Nitrate, and worked out in detail the fair selling price of different forms of Ammonium Nitrate in India for the Domestic Industry separately.

v) Arguments have been raised by consumers that the imposition of anti dumping measures would result in less competition and higher prices for consumers of Ammonium Nitrate and may harm the explosive industry. The Authority notes that price advantages based on unfair practices are unjustifiable and may in the longer term be harmful even to the interest of consumer.

6. LANDED VALUE

The landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

D. CONCLUSIONS:

It is seen, after considering the foregoing, that:

- i) HDAN prill/Ammonium Nitrate in bulk (Fertilizer Grade) are exported to India from subject countries below their normal value.
- ii) The domestic industry has suffered material injury.
- iii) The material injury has been caused cumulatively by the dumped imports from subject countries.

- iv) There is a threat of injury due to imminent imports of like article in large quantities.
- v) The domestic industry produces like article;
- vi) The significant capacity for export purposes available with the exporter since there is very low home consumption demand in Iran and huge surplus available in Russia due to imposition of anti dumping duty by USA, EC, Australia and Hungary and the recent dumped imports have caused price depression and is an imminent threat to the domestic producers of the subject goods in India. The significant demand of subject goods in India provides a market to the exporters from Russia and Iran.
- vii) Therefore, the Authority considers necessary to impose an anti dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of Ammonium Nitrate from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry.
- viii) The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty not exceeding the margin of dumping or the margin of injury whichever is less and, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is compared with the non injurious selling price of the petitioner companies determined for the period of investigation.
- ix) Accordingly, the Authority recommends that the provisional anti dumping duties be imposed from the date of issue of notification by the Central Government on all imports of Ammonium Nitrate falling under heading 3102.30 under Custom Tariff Classification Act 1975, originating in or exported from Russia and Iran. The anti dumping duty shall be the difference between amount mentioned in Column No. 3 of the following table and the landed value of imports US\$/MT to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of subject goods falling under Chapter 31 of Customs Tariff Act, originating in or exported from the countries mentioned below,

1	2	3
	All exporters/Producers	Amount (US\$/MT)
Russia	Ammonium Nitrate Melt	148.58
	HDAN prills	164.12
	LDAN prills	183.08
Iran	Ammonium Nitrate Melt	148.58
	HDAN prills	164.12
	LDAN prills	183.08

E. FURTHER PROCEDURE

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, Importers, Petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- e. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority